@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 16 मार्च 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 124 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भारत में मुसलमान असुरक्षित कहने वाले चले जाएं पाकिस्तान: मौलाना शहाबुद्दीन रजवी

बरेली, 15 मार्च। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के जिम्मेदार कह रहे हैं कि देश में मुसलमानों को खतरा है, सुरक्षित नहीं हैं। ये सरासर गलत और गुमराह करने वाली बातें हैं। उन्होंने कहा कि देश में मुसलमान पूरी तरह सुरक्षित है। देश में मुसलमान अपने धार्मिक त्योहार, नमाज, रोजा, हज, जकात, जुलूस और उर्स आदि कार्यक्रम आजाद तौर पर मनाता है। कोई भी व्यक्ति या हुकूमत इन धार्मिक कार्यक्रमों में कोई भी बाधा नहीं डालती। मौलाना ने कहा कि मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड वक्फ संशोधन बिल के विरोध में जंतर-मंतर दिल्ली पर धरना प्रदर्शन करने जा रहा है। धरना प्रदर्शन करना, अपनी आवाज बुलंद करना हर व्यक्ति को संविधान ने यह अधिकार दिए हैं। मगर रमजान का महीना खुदा की इबादत के लिए है, धरना प्रदर्शन के लिए नहीं। साल के 12 महीनों में रमजान के माह में मुसलमान पवित्रता के साथ रोजा रखता है। नमाज पढ़ता है, कुरआन शरीफ की तिलावत करता है। ऐसी स्थिति में रमजान शरीफ के दिनों में धरना-प्रदर्शन का आयोजन करना, लोगों को धार्मिक कार्य से रोककर राजनीतिक काम में लगाना है। साल के 11 महीनों में किसी दिन भी धरना प्रदर्शन किया जा सकता था। रमजान के महीने में ही क्यों आयोजन किया गया। मौलाना ने केंद्र सरकार से मांग करते हुए कहा कि पर्सनल लॉ बोर्ड के जिम्मेदारान भारत में मुसलमानों को असुरक्षित बता रहे हैं। ऐसे लोगों को वीजा देकर भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान, अफगानिस्तान, और बांग्लादेश में भेज देना चाहिए। इन मुस्लिम देशों में क्या सूरत ए हाल है और कैसी खाना जंगी हो रही है, अपनी आंखों से देखने के बाद सबकुछ समझ में आ जाएगा।

पीएम खुद कर रहे मिजोरम के विकास की निगरानी: अमित शाह

सिम्मी कौर बब्बर

आइजोल, 15 मार्च। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मिजोरम के लोगों को आश्वस्त किया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार एक विकसित, शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुंदर मिजोरम के प्रति प्रतिबद्ध है। पीएम मोदी इस प्रगति की व्यक्तिगत निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पूर्वोत्तर के लोगों के प्रति प्रेम का प्रतीत है कि प्रधानमंत्री बनने के बाद वे 78 बार उत्तर-पूर्व का दौरा कर चुके हैं। वे यहां असम राइफल्स के मुख्यालय के आइजोल से जोखावसंग स्थानांतरण समारोह को संबोधित कर रहे थे ।शाह ने कहा, यह मिजोरम के विकास के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। समारोह में मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने गृहमंत्री का स्वागत किया। समारोह में असम राइफल्स के डीजी लेफ्टिनेंट जनरल विकास लखेड़ा, मिजोरम के डीजीपी अनिल शुक्ला, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, मिजोरम सरकार के उच्च पदस्थ अधिकारी और असम राइफल्स के अधिकारी शामिल थे। शाह ने कहा, यह कदम सिर्फ एक प्रशासनिक निर्णय नहीं है, बल्कि मिजो लोगों के प्रति सरकार की जिम्मेदारी का प्रतीक है। राज्य की विशिष्ट भौगोलिक स्थिति के कारण, मिजो लोग पिछले 35 वर्षों से इस स्थानांतरण की मांग कर रहे थे। यह मांग, जो 30-35 वर्षों से चल रही थी, अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महत्वपूर्ण निर्णय के कारण पूरी होने जा रही है। यह मिजोरम के विकास के प्रति भारतीय सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। 1890 में, आइजोल में पहला सैन्य शिविर स्थापित किया गया था, और तब से यह निर्णय आइजोल के विकास के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण माना जाएगा। शाह ने यह भी उल्लेख किया कि नरेंद्र मोदी सरकार पिछले 10 वर्षों से पूरे पूर्वोत्तर को मजबूत करने का एकजुट करने का हर प्रयास कर रही है। पूर्वोत्तर में पर्यटन से लेकर प्रौद्योगिकी, कृषि से लेकर उद्यमिता, नए विकास के आयाम स्थापित करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद, उनके अथक प्रयास से उत्तर-पूर्व में अभूतपूर्व शांति स्थापित हुई है। मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले, स्वतंत्रता से लेकर 2014 तक, भारत के सभी प्रधानमंत्री ने उत्तर-पूर्व का दौरा 21 बार किया था, जबकि मोदी 78 बार उत्तर-पूर्व का दौरा कर चुके हैं। इतना ही नहीं केंद्रीय मंत्रियों ने भी इस दौरान 700 बार उत्तर पूर्व की यात्राएं कीं। विकास के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर-पूर्व में शांति स्थापित करने का काम भी किया है। अमित शाह ने मिजोरम में प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उल्लेख किया, जिनमें वेरेंगटे से आईजोल तक 4-लेन हाइवे, आईजोल से तुइपांग तक डबल-लेन हाइवे, और सैरंग रेलवे स्टेशन का विकास शामिल है। उन्होंने कहा कि ये पहलकदमियां, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व में अन्य परियोजनाएं, मिजोरम और पूरे उत्तर-पूर्व क्षेत्र में विकास को गति देने के लिए बनाई जा रही हैं। गौरतलब है कि 26 अक्तूबर 2024 को मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने घोषणा जानकारी दी थी कि असम राइफल्स और मिजोरम सरकार के बीच एक औपचारिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) 23 अक्टूबर 2024 को मिजोरम हाउस, नई दिल्ली में हस्ताक्षरित हुआ था। इसमें स्थानांतरण प्रक्रिया और भूमि हस्तांतरण की शर्तों को रेखांकित किया गया था। इसी समझौते के तहत आज आधिकारिक रूप से असम राइफल्स के मुख्यालय के आइजोल से जोखावसंग स्थानांतरण समारोह हुआ।

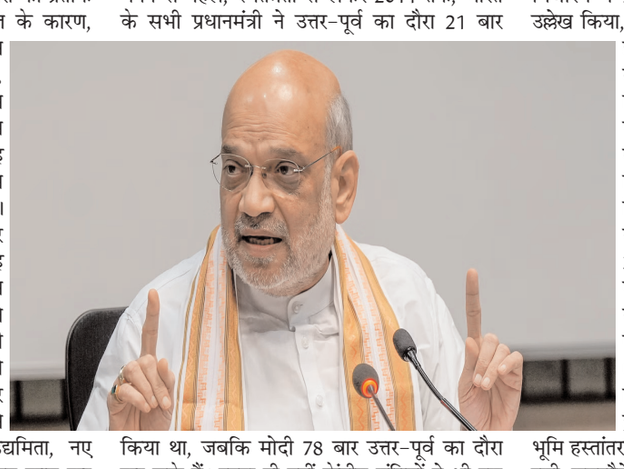

एकनाथ शिंदे पहले कांग्रेस में शामिल होना चाहते थे: संजय राउत

कौमी संवाददाता

मुंबई, 15 मार्च। शिवसेना उद्धव गुट के सांसद संजय राउत ने शनिवार को उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे पहले कांग्रेस में शामिल होना चाहते थे। हालांकि, राउत ने उस साल या महीने का जिक्र नहीं किया, जब एकनाथ शिंदे ने पाला बदलने की योजना बनाई थी। उन्होंने दिवंगत कांग्रेस नेता अहमद पटेल का हवाला दिया। दरअसल, शिंदे ने जून 2022 में शिवसेना को दोफाड़ कर दिया था और भाजपा के साथ हाथ मिलाकर महा विकास अघाड़ी सरकार गिरा दी थी। संजय राउत ने संवाददाताओं से कहा, मुझे पता है कि क्या चल रहा था। अहमद पटेल अब नहीं रहे और इसलिए मैं और कुछ नहीं कहना चाहता, क्योंकि वह इस बात को पुख्ता करने के लिए मौजूद नहीं हैं। 25 नवंबर, 2020 को अहमद पटेल का निधन हो गया था। जब इस बारे में और पूछा गया तो राउत ने कहा, इस बारे में वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण से पूछें। जब पीटीआई ने उनकी प्रतिक्रिया के लिए संपर्क किया तो चव्हाण ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। शिंदे की ओर से भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। महाराष्ट्र कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नाना पटोले ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार (एनसीपी) को मुख्यमंत्री के रोटेशनल पद के वादे के साथ विपक्षी गठबंधन में शामिल होने के अपने प्रस्ताव से हलचल मचा दी थी। उन्होंने होली समारोह के दौरान ये टिप्पणियां कीं। जब उनसे प्रतिक्रिया मांगी गई तो राउत ने कहा कि राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं है।

अपनी हिंदी भाषा हम पर मत थोपिए: प्रकाश राज

चेन्नई, 15 मार्च। पिछले कुछ दिनों से हिंदी भाषा को लेकर दक्षिण भारत में मतभेद देखने को मिल रहा है। अब अभिनेता प्रकाश राज ने हिंदी भाषा पर हाल ही में की गई टिप्पणियों के लिए आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण पर तीखा हमला किया है। उन्होंने अपने ट्विटर अकाउंट पर एक पोस्ट करते हुए अपना पक्ष रखा है। उन्होंने पवन कल्याण पर हिंदी थोपने का आरोप लगाया। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा? अभिनेता प्रकाश राज ने शनिवार को अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर पवन कल्याण की आलोचना की और उन पर दूसरों पर हिंदी थोपने का आरोप लगाया। अपने पोस्ट में प्रकाश ने लिखा, अपनी हिंदी भाषा हम पर मत थोपिए। यह किसी दूसरी भाषा से नफरत करने के बारे में नहीं है; यह हमारी मातृभाषा और हमारी सांस्कृतिक पहचान को आत्मसम्मान के साथ बचाने के बारे में है। कोई, कृपया पवन कल्याण को यह समझाए गारू।

कई बार मारे थप्पड़ और खाना नहीं दिया: रान्या राव

चेन्नई, 15 मार्च। कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव को हाल ही में सोना तस्करी मामले में बेंगलुरू एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया था। अब उन्होंने इल्जाम लगाया है कि राजस्व खुफिया निदेशालय के अफसर ने उन्हें कई बार थप्पड़ मारे, खाना नहीं दिया और उनसे सादे कागज पर दस्तखत करने को कहा। अतिरिक्त महानिदेशक को लिखे एक खत में रान्या राव ने कहा कि वह निर्दोश हैं और उन्हें गलत केस में फंसाया जा रहा है। रान्या के मुताबिक कई बार कहने के बावजूद उन्होंने सादे कागजों पर दस्तखत नहीं किए। रान्या के मुताबिक डीआईआई के अफसरों ने उनके सामने 50-60 टाइप हुए पेज रखे और उन पर दस्तखत करने का दबाव डाला। इसके अलावा 40 सादे पेज पर दस्तखत करने का दबाव डाला। रान्या ने कहा कि मेरी गिरफ्तारी से लेकर मुझे अदालत में पेश किए जाने तक मुझे मारा-पीटा गया। उस अफसर को मैं पहचान सकता हूं जिसने मुझे 10-15 थप्पड़ मारे। बार-बार यातना दिए जाने के बावजूद मैंने उन कागजों पर दस्तखत नहीं किए जो उन्होंने तैयार किए थे। इससे पहले डीआरआई को दिए अपने पहले बयान में रान्या ने कुबूल किया कि उनके कब्जे से 17 सोने के टुकड़े बरामद हुए थे। रान्या राव ने ये भी कुबूल किया कि उन्होंने न सिर्फ दुबई की यात्रा की बल्कि उन्होंने यूरोप, अमेरिका और मध्य पूर्व देशों का सफर किया। इसके बाद रान्या ने कुछ भी कहने से मना कर दिया। अभिनेत्री कर्नाटक राज्य आवास निगम के पुलिस महानिदेशक रामचंद्र राव की सौतेली बेटी हैं। अभिनेत्री को डीआरआई ने बेंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया।

कांग्रेस ने कई चुनाव हारने के बाद भी नहीं लिया सबक: रवि शंकर प्रसाद

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 15 मार्च। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रवि शंकर प्रसाद ने सरकारी परियोजनाओं में मुस्लिम ठेकेदारों का चार फीसदी आरक्षम देने के कर्नाटक सरकार के फैसले की आलोचना की। उन्होंने इसे कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति बताया और चेतावनी दी कि इसका देशव्यापी असर होगा। भाजपा ने इस कदम की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस कई चुनाव हारने के बावजूद अपनी गलितयों से सबक नहीं ले रही है। इस मुद्दे पर प्रसाद ने कहा, यह कर्नाटक का मामला है, लेकिन इसका राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव होगा। यह कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी की मानसिकता को दर्शाता है। कर्नाटक सरकार ने बजट में मुसलमानों के लिए सरकारी ठेकों में चार फीसदी आरक्षण की घोषणा सार्वजनिक रूप से की है। उन्होंने आगे कहा, अब तक हम केवल नौकरियों में आरक्षण की बात करते थे, लेकिन अब सरकारी ठेकों में भी आरक्षण दिया जा रहा है। उसमें भी चार फीसदी मुसलमानों के लिए आरक्षित किया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा धर्म के आधार पर आरक्षण के पूरी तरह खिलाफ है और इसका विरोध करती रहेगी। उन्होंने आगे कहा, भाजपा इसके खिलाफ है और हम इसका विरोध करते रहेंगे। धर्म के आधार पर आरक्षण भारतीय संविधान के तहत मान्य नहीं है। सरकारी ठेकों में आरक्षण पूरी तरह असंवैधानिक है। इसे केवल सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर अनुमति दी जा सकती है, लेकिन किसी धार्मिक समुदाय को सीधे तौर पर देना मान्य नहीं है। कर्नाटक सरकार के इस फैसले के कारण नई सियासी बहस शुरू हो गई है। भाजपा ने इसे सांप्रदायिक पक्षपात करार दिया है, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार का कहना है कि यह कदम आर्थिक अवसरों में समावेशिता सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। प्रसाद ने कर्नाटक सरकार और कांग्रेस नेतृत्व पर तीखा हमला किया और मुस्लिम ठेकेदारों के लिए चार फीसदी आरक्षण के फैसले के लिए कांग्रेस नेतृत्व की आलोचना की। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर राजनीतिक लाभ के लिए इस कदम को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। कांग्रेस पर तंज कसते हुए प्रसाद ने कहा, वे कई बार हारने के बाद भी सबक नहीं ले रहे हैं। कर्नाटक में यह आरक्षण राहुल गांधी के संरक्षण में बढ़ाया गया है। सिद्धारमैया इमें खुद इसकी घोषणा करने की न तो हिम्मत है और न ही राजनीतिक ताकत। उन्होंने आगे राहुल गांधी पर वोट बैंक की राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, राहुल गांधी सोचते हैं कि वह इस वोट बैंक की राजनीति से नेतृत्व कर सकते हैं। कांग्रेस जो तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति के नए मानक स्थापित कर रही है,

विपक्ष को दबाने की हो रही कोशिश: सुप्रिया सुले

तेजिन्दर कौर बब्बर

मुंबई, 15 मार्च। एनसीपी एसपी की सांसद सुप्रिया सुले ने शहरी नक्सलवाद के खिलाफ लाए जा रहे विधेयक की तुलना औपनिवेशिक काल के रॉलेट एक्ट से की है। सुप्रिया सुले ने आरोप लगाया कि इस विधेयक का लोगों या संगठनों के खिलाफ गलत इस्तेमाल किया जा सकता है। सुप्रिया सुले ने मांग की कि सरकार विधेयक के ड्राफ्ट की फिर से समीक्षा करे और ये सुनिश्चित करे कि संविधान के मूल्यों का उल्लंघन न होने पाए। महाराष्ट्र की सरकार ने महाराष्ट्र स्पेशल पब्लिक सिक्योरिटी बिल 2024 पेश किया है। इस विधेयक का उद्देश्य राज्य में नक्सलवाद से निपटना है। इस विधेयक में सरकार और पुलिस मशीनरी को कई अधिकार दिए गए हैं, जिनसे गैरकानूनी गतिविधियों से निपटा जाएगा। इस विधेयक के तहत दर्ज मामले गैर जमानती होंगे। बीते साल दिसंबर में महाराष्ट्र विधानसभा में पेश हुए विधेयक में ऐसे प्रावधान किए गए हैं, जिससे शहरी नक्सलवाद से निपटना आसान होगा। एनसीपी एसपी सांसद और पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने शनिवार को दावा किया कि यह विधेयक लोगों के मौलिक अधिकारों को कमजोर करेगा। सुले ने कहा कि इस विधेयक के जरिए सरकार के खिलाफ बोलने के लोगों के अधिकार को छीन लिया जाएगा। एक स्वस्थ लोकतंत्र में मतभेद वाले विचारों का सम्मान किया जाता है।

एनसीपी (शरदचंद्र पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने एक्स पर लिखा, लोकतंत्र का सिद्धांत विपक्ष की आवाजों को भी महत्व देता है, क्योंकि वे सुनिश्चित करते हैं कि सत्ता में बैठे लोग जवाबदेह रहें और जनता की राय का सम्मान करें। बारामती सांसद ने आरोप लगाया, इससे सरकार को प्रभावी रूप से पुलिस राज स्थापित करने का लाइसेंस मिल जाता है, जिसका दुरुपयोग उन व्यक्तियों, संस्थानों या संगठनों के खिलाफ किया जा सकता है जो लोकतांत्रिक तरीके से रचनात्मक विरोध व्यक्त करते हैं। सुले ने कहा कि यह विधेयक प्रशासन को अनियंत्रित शक्तियां प्रदान करेगा जिसका दुरुपयोग व्यक्तियों को केवल प्रतिशोध की भावना से परेशान करने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकारी नीतियों और निर्णयों की आलोचना करना, शांतिपूर्वक विरोध करना या मार्च आयोजित करना सभी अवैध कार्य माने जा सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐतिहासिक रूप से, अंग्रेजों ने औपनिवेशिक शासन के दौरान विपक्ष को दबाने के लिए इसी तरह का कानून (रॉलेट एक्ट) लाने का प्रयास किया था। सुले ने आगे कहा कि यह विधेयक संविधान के मूल सिद्धांतों का प्रत्यक्ष खंडन है और हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। हम सरकार से इस विधेयक के मसौदे की समीक्षा करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह करते हैं कि संवैधानिक मूल्यों का उल्लंघन न हो।

डेरगांव पुलिस अकादमी का विस्तार

गोहाटी, 15 मार्च। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को घोषणा की कि लाचित बरफुकन पुलिस अकादमी का विस्तार किया जाएगा। इसमें स्कूल, नर्सिंग और मेडिकल प्रशिक्षण केंद्र जैसी सुविधाएं जोड़ी जाएंगी, जिससे स्थानीय लोगों को लाभ मिलेगा। सरमा ने कहा कि यह महान अहोम सेनापति लाचित बरफुकन के नाम पर पहला बड़ा संस्थान है, जिन्हें असम पर कब्जा करने के मुगलों के प्रयासों को निर्णायक रूप से पराजित करने का श्रेय दिया जाता है। सरमा ने कहा कि इस सुविधा में सीबीएसई से संबद्ध स्कूल, नर्सिंग अकादमी और कौशल प्रशिक्षण अकादमी भी होगी, जिससे कर्मियों और आम जनता दोनों को लाभ होगा। मुख्यमंत्री, जो राज्य के गृह मंत्री भी हैं, ने कहा कि कानून और व्यवस्था की स्थिति में सुधार हुआ है, और यह बदला हुआ परिदृश्य हाल ही में आयोजित व्यापार सम्मेलन में असम द्वारा 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को आकर्षित करने में परिलक्षित हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में दोषसिद्धि दर 5 प्रतिशत से बढ़कर 25 प्रतिशत हो गई है। सरमा ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध सहित अपराध दर में कमी भी इस तथ्य का प्रमाण है।

बांग्लादेश में मिल जाएगा झारखंड: निशिकांत दुबे

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 15 मार्च। झारखंड के गिरिडीह जिले में शुक्रवार को होली समारोह के दौरान दो समुदायों के बीच हुई हिंसा के लिए भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस और सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की नीतियों ने राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठ को बढ़ावा दिया है। इससे जनसांख्यिकी बदलाव आया और अशांति पैदा हुई। उन्होंने राज्य में एनआरसी और परिसीमन की मांग करते हुए कहा कि अगर ऐसा न हुआ तो झारखंड बांग्लादेश में मिल जाएगा। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि होलिका दहन पर मेरे क्षेत्र में भी ऐसी ही घटना हुई। मैनें डीसीपी से बात की, तब जाकर स्थिति सामान्य हो सकी। झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने कहा था कि 81 विधानसभा क्षेत्रों में से 30 में मतदान 50 फीसदी से बढ़कर 150 फीसदी हो गया है। इसका कारण बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। उन्होंने कहा कि देवघर में दुकानें जलाई गईं। यह सब कांग्रेस की नीतियों के कारण है, जो किसी न किसी बहाने बांग्लादेशियों को ला रही है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार ने इन घुसपैठियों को रिहा किया था। अब आदिवासियों की आबादी घट रही है। उनकी आबादी 45 फीसदी से घटकर 22-23 फीसदी हो गई है और मुस्लिम 9 फीसदी से बढ़कर 28-29 फीसदी हो गए हैं। सांसद ने दावा किया कि पूरे झारखंड को वोट बैंक की राजनीति ने जकड़ लिया है और अगर कांग्रेस के खिलाफ कोई बड़ा जनांदोलन नहीं हुआ तो हम राज्य खो देंगे। यहां के सीएम को सिर्फ चुनाव जीतना है। इसीलिए सरस्वती पूजा, दुर्गा पूजा, महाशिवरात्रि, होली, ईद के नाम पर ऐसी घटनाएं होती रहेंगी। अगर एनआरसी और परिसीमन लागू नहीं हुआ तो अलग विधानसभा चुनाव होंगे। अलग राज्य की मांग की जाएगी और झारखंड को बांग्लादेश में मिला दिया जाएगा। गिरिडीह हिंसा पर भाजपा सांसद दीपक प्रकाश ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। हम इसकी निंदा करते हैं। हेमंत सोरेन सरकार हिंदू समुदाय पर अत्याचार कर रही है। हर बार जब हिंदू त्योहारों पर हमला होता है, तो हेमंत सोरेन के लोग इसके पीछे होते हैं। फिर वे भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करते हैं और तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। मैं सरकार को चेतावनी देना चाहता हूं कि इसे रोकें। नहीं तो भाजपा कार्यकर्ता राज्य सरकार के खिलाफ संघर्ष करने में देरी नहीं करेंगे। झारखंड के गिरिडीह जिले में शुक्रवार को होली जुलूस के दौरान दो समूहों के बीच झड़प हो गई। घटना में कई लोग घायल हो गए। इसके अलावा, कम से कम तीन दुकानों और वाहनों में कथित तौर पर आग लगा दी गई घटना घोरथंबा में उस समय हुई जब एक समूह ने होली के जुलूस का इलाके से गुजरने का विरोध किया, जिसके बाद झड़प हो गई और दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पथराव किया। एसपी डॉ. बिमल कुमार ने बताया कि कल दो समुदायों के बीच झड़प हुई। स्थिति अब नियंत्रण में है। सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। हमने घटना में शामिल दोनों पक्षों के उपद्रवियों की पहचान कर ली है। हम और लोगों की पहचान करेंगे, जिनकी पहचान हो गई है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बंगाल में खोया आधार हासिल करना माकपा का लक्ष्य: करात

नई दिल्ली, 15 मार्च। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेता प्रकाश करात ने कहा कि उनकी पार्टी पश्चिम बंगाल में अपना खोया हुआ आधार वापस पाने और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ वामपंथी और लोकतांत्रिक ताकतों को एकजुट करने की कोशिश करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों में वाम मोर्चा और कांग्रेस के बीच गठबंधन पर अभी कोई चर्चा नहीं हुई है। करात ने पीटीआई से बातचीत में कहा, पश्चिम बंगाल में माकपा का आधार खोना ही उसकी घटती चुनावी ताकत की मुख्य वजह है। उन्होंने बताया कि पार्टी ग्रामीण क्षेत्र के गरीबों के बीच काम कर रही है, ताकि अपने पारंपरिक समर्थन आधार को फिर से हासिल किया जा सके। पश्चिम बंगाल में पार्टी की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर माकपा के वरिष्ठ नेता ने बताया कि हाल ही में युवाओं की भागीदारी बढ़ी है। खासकर कोलकाता के आरजीकर दुष्कर्म और हत्या मामले के विरोध में युवाओं ने सक्रियता से बड़ी भूमिका निभाई। माकपा के नेतृत्व वाले वाम मोर्चा का 1977 से 2011 तक 34 वर्षों तक राज्य में शासन रहा। आरजी कर दुष्कर्म और हत्याकांड के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों को लेकर उन्होंने कहा, हम केवल अपनी पार्टी की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि सभी वामपंथी और प्रगतिशील ताकतें सामने आईं और उन्होंने युवाओं को बड़े पैमाने पर संगठित किया। उन्होंने कहा, हम उन वर्ग के लोगों के बीच अपना प्रभाव फिर से बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिनका समर्थन हमने खो दिया था। अब हमें अहसास हो गया है कि हमें ग्रामीण क्षेत्र के गरीबों के बीच कड़ी मेहनत करनी चाहिए। वह हमारा मुख्य आधार था। इसलिए हमने योजना बनाई है। कुछ प्रगति हुई है। करात ने दावा किया कि माकपा ने संगठन के रूप में खुद को फिर से संगठित और व्यवस्थित किया है। हालांकि, अभी तक कोई चुनावी कामयाबी नहीं मिली है। वाम मोर्चा और कांग्रेस के बीच गठबंधन के सवाल पर करात ने कहा, पिछली बार हमारा कांग्रेस के साथ समझौता था। मुझे नहीं पता कि इस बार ऐसा होगा या नहीं। अभी तक इस पर कोई चर्चा नहीं हुई है।

ट्रंप ने पुतिन से यूक्रेनी सैनिकों की जान बख्शने की अपील की

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अनुरोध किया है कि रूसी सेना से घिरे हजारों यूक्रेनी सैनिकों की जान बख्श दी जाए। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि उन्होंने गुरुवार को पुतिन से फोन पर बात की, जो अच्छी और उपयोगी रही। ट्रंप ने स्पष्ट रूप से जगह का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका इशारा रूस के कुर्स्क क्षेत्र की ओर था, जिसे यूक्रेन ने अपने कब्जे में ले लिया था और वहां रूसी सेना आगे बढ़ रही थी। गुरुवार को पुतिन ने इस इलाके का दौरा किया और वहां की सैन्य स्थिति का जायजा लिया। ट्रंप ने लिखा, हमारी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बहुत अच्छी और उपयोगी बातचीत हुई। इस खून-खराबे वाले भयानक युद्ध को खत्म करने की बड़ी संभावना है, लेकिन इस समय हजारों यूक्रेनी सैनिक पूरी तरह रूसी सेना से घिरे हुए हैं और बेहद मुश्किल स्थिति में हैं। मैंने पुतिन से जोर देकर अनुरोध किया कि उनकी जान बख्शी जाए। यह बहुत भयानक नरसंहार होगा, जैसा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद कभी नहीं देखा गया। हालांकि, यूक्रेन के शीर्ष सैन्य अधिकारी ने इन दावों को खारिज कर दिया और कहा कि उनके सैनिकों ने कुर्स्क में बेहतर सुरक्षा रणनीति अपनाई है।

तुर्की ने पिछले सप्ताह सीरिया और इराक में मार गिराए 24 कुर्द आतंकवादी - मंत्रालय

अंकारा । तुर्की सेना ने पिछले हफ्ते उत्तरी इराक और उत्तरी सीरिया में की गई सीमा-पार सैन्य कार्रवाई में 24 कुर्द लड़ाकों को मार गिराया। यह जानकारी तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने दी। एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, सीरिया में कुर्द गुटों पर कार्रवाई इसलिए हुई क्योंकि सीरिया के कुर्दों और दमिश्क की सरकार के बीच समझौता हुआ था। इसके अलावा, कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) ने तुर्की के साथ युद्धविराम की घोषणा की थी। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता जेकी अकतुर्क के अनुसार, इस साल जनवरी से अब तक कुल 502 उग्रवादी मारे जा चुके हैं, जिनमें से 296 उत्तरी सीरिया के कुर्द पीपुल्स प्रोटेक्शन यूनिट्स (वाईपीजी) से और 206 उत्तरी इराक में पीकेके से जुड़े थे। तुर्की, अमेरिका और यूरोपीय संघ पीकेके को एक आतंकवादी संगठन मानते हैं। यह संगठन पिछले तीन दशकों से तुर्की सरकार के खिलाफ विद्रोह कर रहा है। अंकारा का कहना है कि वाईपीजी, पीकेके का सीरियाई गुट है। तुर्की सेना नियमित रूप से उत्तरी इराक में सैन्य अभियान चलाती है, क्योंकि वहीं पीकेके का मुख्यालय और ठिकाने मौजूद हैं। इस महीने की शुरुआत में पीकेके ने तुर्की के साथ युद्धविराम का ऐलान किया।

यूक्रेन युद्ध पर ट्रंप-पुतिन बातचीत, शांति की बढ़ी उम्मीदें

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हाल ही में फोन पर बातचीत हुई, जिसमें यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों पर चर्चा की गई। ट्रंप ने इसे अच्छी और सकारात्मक बातचीत करार दिया और उम्मीद जताई कि यह युद्ध जल्द ही समाप्त हो सकता है। ट्रंप ने यह भी बताया कि उन्होंने पुतिन से आग्रह किया है कि रूसी सेना द्वारा घिरे हुए हज़ारों यूक्रेनी सैनिकों की जान बख्शी जाए, ताकि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की सबसे भयानक हिंसा को टाला जा सके। इस बातचीत के बाद अमेरिका, रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता की संभावनाएं बढ़ गई हैं। अमेरिका ने भी इस दिशा में पहल करते हुए रूस-यूक्रेन संघर्ष के समाधान के लिए नई वार्ता रणनीति पर काम शुरू कर दिया है।

फिलिस्तीन, जॉर्डन, मिस्र ने गाजा विस्थापन योजना से अमेरिका के हटने का स्वागत किया

रामल्लाह। फिलिस्तीन, जॉर्डन और मिस्र ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस फैसले का स्वागत किया है, जिसमें उन्होंने गाजा पट्टी से 20 लाख से ज्यादा फिलिस्तीनियों को हटाने की अपनी पहले की योजना से पीछे हटने की बात कही है। फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी वाफा के अनुसार, उप प्रधानमंत्री और सूचना मंत्री नबील अबू रुदैनेह ने इसे एक सकारात्मक कदम और सही दिशा में बढ़ता फैसला बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह फैसला अंतरराष्ट्रीय कानून और अरब शांति पहल के आधार पर एक राजनीतिक समाधान की ओर ले जाएगा। एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, अबू रुदैनेह ने इस बात पर भी जोर दिया कि फिलिस्तीन और अरब देशों के बीच समन्वय जारी रहना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इससे गाजा के पुनर्निर्माण के लिए एक अरब-नेतृत्व वाली योजना को समर्थन मिलेगा और 1967 की सीमा के आधार पर पूर्वी यरुशलम को राजधानी बनाकर एक स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना की दिशा में राजनीतिक प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। हमास ने भी कहा कि यदि ट्रंप गाजा के लोगों को हटाने की योजना छोड़ते हैं, तो यह स्वागत योग्य होगा। हमास के प्रवक्ता हाजेम कासेम ने एक बयान में ट्रंप से अपील की कि वे इस फैसले को मजबूत करें और इजरायल को युद्धविराम समझौते की सभी शर्तों का पालन करने के लिए बाध्य करें।

रूस ने यूक्रेन के सैनिकों को कुर्स्क में आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी

एजेंसी

मॉस्को। रूसी सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि अगर कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन के सैनिक अपने हथियार डालने से इनकार करते हैं तो उन्हें बेरहमी से नष्ट कर दिया जाएगा। इससे पहले राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सुरक्षा परिषद को बताया कि कुर्स्क के पास अपने हथियार डालने वाले यूक्रेनी सैनिकों को जीवन और सभ्य व्यवहार की गारंटी दी जाएगी। रूस की सरकारी एजेंसी तास के अनुसार, पुतिन ने टेलीग्राम चैनल पर लिखा, 'यह हमारे देश का एक बहुत ही मानवीय दृष्टिकोण है, लेकिन यूक्रेनी सैनिकों के लिए इसका दूसरा पहलू भी है। अगर वह हथियार डालने से इनकार करते हैं, तो वे सभी निर्दयतापूर्वक समाप्त कर दिए जाएंगे। इससे पहले 13 मार्च को पुतिन ने कहा था कि रूस के कुर्स्क क्षेत्र में स्थिति पर पूर्ण नियंत्रण है। यूक्रेनी सैनिकों का एक

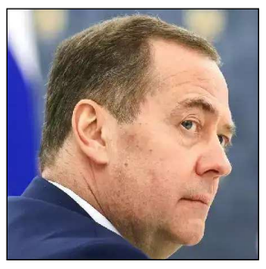

समूह पूरी तरह से अलग-थलग है। उल्लेखनीय है कि 12 मार्च को पुतिन ने रूसी सेना के कुर्स्क समूह के कमांड पोस्ट में से एक का दौरा किया था। अगस्त 2024 में कुर्स्क क्षेत्र पर यूक्रेनी सेना द्वारा बड़े पैमाने पर हमला शुरू हुआ। रूसी सेना के जनरल स्टाफ के अनुसार, यूक्रेनी सेना द्वारा कब्जा किए गए 86 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र को पहले ही मुक्त करा लिया गया है। अब मुक्त कराए गए सुदजा से निवासियों को निकाला जा रहा है। सीमा के कुछ हिस्सों में रूसी सेना ने प्रवेश किया। कुर्स्क क्षेत्र में लड़ाई की शुरुआत के बाद से यूक्रेन ने 67,000 से अधिक सैनिकों को खो दिया है। सीएनएन की खबर के अनुसार, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूसी क्षेत्र कुर्स्क में यूक्रेनी सैनिकों से आत्मसमर्पण करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि कीव के साथ संभावित अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम पर कूटनीतिक विचार-विमर्श जारी है। रूस की सुरक्षा परिषद के सदस्यों के साथ बैठक में पुतिन ने क्षेत्र में यूक्रेनी सैनिकों पर नागरिकों के खिलाफ अपराध करने का आरोप लगाया, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यूक्रेनी सैनिकों की जान बख्शने की इच्छा को स्वीकार कर लिया और दावा किया कि आत्मसमर्पण करने वाले सैनिकों की जान की गारंटी होगी। उन्होंने कहा कि रूस अमेरिका के साथ संबंधों को बहाल करने के लिए काम कर रहा है। पुतिन की यह टिप्पणी मॉस्को में अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ से मुलाकात के बाद आई है। उल्लेखनीय है कि इस सप्ताह के प्रारम्भ में यूक्रेनी अधिकारियों ने सऊदी अरब में अमेरिकी समकक्षों के साथ वार्ता के बाद सम्पूर्ण अग्रिम पंक्ति में 30 दिन के युद्धविराम के अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकार किया है।

इमरान खान को अदालत में पेश नहीं कर पाया जेल प्रशासन, आईएचसी ने जताई नाराजगी

एजेंसी

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद हाई कोर्ट (आईएचसी) के स्पष्ट आदेश के बावजूद अडियाला जेल प्रशासन पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अदालत में पेश करने में विफल रहा। यह मामला मशल यूसुफजई की याचिका से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने इमरान खान से मुलाकात की अनुमति न दिए जाने को लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने इस संबंध में जेल प्रशासन को पूर्व में ही निर्देश दिए थे। शुरुआती सुनवाई में अदालत ने कहा कि यदि इस्लामाबाद एडवोकेट जनरल वीडियो लिंक के जरिए इमरान खान को पेश करना चाहते हैं, तो उन्हें इसकी सूचना देनी होगी। लेकिन यदि दो बजे तक वीडियो लिंक के माध्यम से पेश नहीं किया जाता, तो तीन बजे उन्हें व्यक्तिगत रूप से अदालत में लाया जाए। समयसीमा बीतने के बावजूद जब इमरान खान को अदालत में नहीं लाया गया, तो एडवोकेट जनरल ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए बताया कि जेल से बाहर लाना संभव नहीं है और वीडियो लिंक से पेश करना भी मुश्किल है। इस स्थिति को देखते हुए अदालत ने अडियाला जेल अधीक्षक और इस्लामाबाद एडवोकेट जनरल को इस संबंध में हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया। साथ ही, अदालत ने एक आयोग गठित किया, जिसमें लॉ क्लर्क साकीना बंगश को जेल भेजकर इमरान खान से यह पुष्टि करने को कहा गया कि क्या मशल यूसुफजई उनकी वकील हैं या नहीं। इसके बाद अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई 19 मार्च (बुधवार) तक स्थगित कर दी।

बलूचिस्तान ट्रेन हमले पर पाकिस्तान ने भारत पर लगाए गंभीर आरोप

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सेना ने बलूचिस्तान में जफर एक्सप्रेस पर हुए हमले को लेकर भारत पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पाक सेना के प्रवक्ता डीजी आईएसपीआर लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने दावा किया कि बलूचिस्तान में आतंकवाद को भारत से फंडिंग मिल रही है और यह हमला भी उसी नीति का हिस्सा था।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जनरल चौधरी ने कहा कि हमारा पूर्वी पड़ोसी (भारत) पाकिस्तान में आतंकवाद को बढ़ावा देने की रणनीति पर काम कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बलूचिस्तान में होने वाले आतंकवादी हमलों की जड़ें भारत से जुड़ी हैं। पाकिस्तानी मीडिया जियो टीवी के मुताबिक, जनरल चौधरी ने कहा, बलूचिस्तान में हुए हमले और ट्रेन हाईजैक की इस घटना में हम मानते हैं कि भारत ही मुख्य प्रायोजक है। जफर एक्सप्रेस की घटना आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए भारत की

नीति का हिस्सा है, जिसे सीमा पार से योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि आतंकियों ने दुर्गम पहाड़ी इलाके में ब्लास्ट कर ट्रेन को रोका और यात्रियों को बंधक बना लिया। उन्होंने दावा किया कि भारतीय मीडिया ने इस घटना पर झूठा प्रचार करने के लिए एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का इस्तेमाल कर फर्जी वीडियो बनाए और पाकिस्तान को बदनाम करने का प्रयास किया। हालांकि, भारत ने इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। पाकिस्तान के ऐसे दावों को पहले भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समर्थन नहीं मिला है, क्योंकि पाक सरकार के अपने ही नागरिक बलूचिस्तान में स्वतंत्रता और अधिकारों की मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में विद्रोही गुट बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने जफर एक्सप्रेस ट्रेन को रोकते हुए यात्रियों को बंधक बना लिया था। बोलन जिले के एक दुर्गम पहाड़ी रास्ते में 440 से यात्रियों को बंधक बनाया था। पाक सुरक्षाबलों ने एक दिन से ज्यादा चले संघर्ष के बाद ट्रेन को छुड़ाया है। पाक सेना का दावा है कि उसने 50 हमलावर मार गिराए। वहीं 21 यात्रियों की जान गई और चार सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई। पाक सेना और सरकार के लिए ये घटना दुनियाभर में शर्मिंदगी की वजह बन रही है।

नेपाल में राजा की सक्रियता का विरोध, विपक्षी मोर्चा 28 मार्च को करेगा शक्ति प्रदर्शन

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में राजसंस्था के पक्षधरों की सक्रियता का मुकाबला करने के लिए प्रतिपक्षी मोर्चा ने शक्ति प्रदर्शन करने का फैसला किया है। विपक्षी मोर्चा की बैठक में लिए 28 मार्च को शक्ति प्रदर्शन का निर्णय लिया गया है।

माओवादी अध्यक्ष पुष्पकमल दहाल प्रचण्ड के नेतृत्व में हुई विपक्षी मोर्चा की बैठक में राजा के पक्षधरों की सक्रियता को गंभीर मानते हुए इस पर चिंता व्यक्त की गई। विपक्षी दलों ने इसे लोकतंत्र पर खतरे का संकेत बताया है। बैठक के बाद माओवादी अध्यक्ष प्रचण्ड ने कहा कि जनता के आन्दोलन से प्राप्त उपलब्धि को समाप्त करने के लिए पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र की सक्रियता देश के लिए खतरे का संकेत है। प्रचण्ड का कहना है कि राजा को सक्रिय करने के लिए विदेशी शक्तियों की भूमिका दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि इस चुनौती का सामना करने के लिए विपक्षी मोर्चा की तरफ से 28 मार्च को काठमांडू में विशाल शक्ति प्रदर्शन

किया जाएगा। प्रचण्ड का कहना है कि यह प्रदर्शन राजसंस्था वालों को काउंटर करने के लिए ही किया जा रहा है ताकि वे लोग यह न समझें कि इस देश में लोकतंत्र के पक्ष में कोई नहीं है। विपक्षी मोर्चा में आबद्ध एकीकृत समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष माधव कुमार नेपाल ने बताया कि देश के लोकतंत्र, गणतंत्र, संघीयता और धर्मनिरपेक्षता को बचाने के लिए राजनीतिक दलों को एकजुट होने का आह्वान किया गया है। माधव नेपाल ने विपक्षी मोर्चे के शक्ति प्रदर्शन को सरकार में सहभागी दलों को भी साथ देने की अपील की है।

स्पेसएक्स के क्रू-10 का प्रक्षेपण, नासा के विल्मोर और विलियम्स के घर लौटने का रास्ता साफ

एजेंसी

वाशिंगटन। नेशनल एयरोनॉटिक्स ऐंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) और अरबपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने अंतरिक्ष में पिछले साल से फंसे सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को वापस लाने के लिए क्रू-10 मिशन लॉन्च किया। इस प्रक्षेपण के बाद नासा के विल्मोर और विलियम्स के घर लौटने का रास्ता साफ हो गया है।

इन अंतरिक्ष यात्रियों के 19 मार्च तक लौटने की उम्मीद है। क्रू-10 मिशन पर ड्रैगन अंतरिक्ष यान ले जाने वाले फाल्कन 9 रॉकेट ने नासा के फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से शुक्रवार शाम 7:03 बजे उड़ान भरी। सीएनएन की खबर के अनुसार, नासा के सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर पिछले साल जून में आईएसएस पर फंस गए थे।

विलियम्स और विल्मोर जून 2024 में आईएसएस के मिशन पर गए थे। यह मिशन आठ दिन का था। बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान में तकनीकी समस्याओं के कारण वह नहीं लौट पाए। मिशन को लॉन्च करने से कुछ घंटे पहले एक्स पर नासा ने कहा कि क्रू 10 के शनिवार (15 मार्च) को स्टेशन से जुड़ने के बाद क्रू9 के निक हेग, सुनीता विलियम्स, बुच विल्मोर और अलेक्जेंडर गोरबुनोव कुछ दिनों बाद पृथ्वी पर लौटने वाले हैं। नासा ने कहा कि यदि सब कुछ योजना के अनुसार होता है तो विलियम्स, विल्मोर, हेग और गोरबुनोव क्रू-9 अंतरिक्ष यान पर चढ़ेंगे और 19 मार्च को पृथ्वी पर वापस लौटेंगे।इससे पहले नासा ने 13 मार्च को में क्रू-10 को लॉन्च करने की योजना बनाई थी, लेकिन लॉन्चिंग पैड पर तेज हवाओं और बारिश के कारण मिशन में देरी करनी पड़ी।

इसके अलावा स्पेसएक्स के इंजीनियरों को लॉन्च कॉम्प्लेक्स 39 ए में फाल्कन 9 रॉकेट के लिए ग्राउंड सपोर्ट क्लैंप आर्म के साथ एक हाइड्रोलिक सिस्टम समस्या का सामना करना पड़ा।

अमेरिका में शटडाउन का खतरा टला, स्टॉपगैप विधेयक मंजूर

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में शटडाउन का खतरा टल गया। कांग्रेस ने फंडिंग की समय-सीमा से कुछ घंटे पहले सरकार को इस संकट का सामना करने से बचा लिया। सीनेट ने सदन में पारित स्टॉपगैप (व्यय) विधेयक को मंजूरी दे दी। यह विधेयक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास पहुंच गया है। इस पर अभी उनके हस्ताक्षर नहीं हुए हैं।सीएनएन की खबर के अनुसार, यह कुछ डेमोक्रेट्स की वजह से संभव हो सका। हालांकि उनके ऊपर ट्रंप समर्थित इस विधेयक का विरोध करने का भारी दबाव था। सीनेट अल्पसंख्यक नेता चक शूमर और अन्य नौ ने इसमें महत्वपूर्ण निभाई। शूमर ने बिल के पारित होने का रास्ता साफ करने के अपने फैसले के बचाव में तर्क दिया, 'मेरा मानना है कि यह ट्रंप प्रशासन द्वारा अमेरिकी लोगों को पहुंचाए जाने वाले नुकसान को कम करने का सबसे अच्छा तरीका है। राष्ट्रपति ट्रंप ने मतदान के बाद संवाददाताओं से कहा कि शूमर ने इस उपाय का समर्थन करने की घोषणा की।

वह सीनेटर शूमर की सराहना करते हैं। उन्होंने वास्तव में सही काम किया है। वह इससे बहुत प्रभावित हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, सीनेट ने आधी रात सरकार के शटडाउन को टाल दिया। लगभग 54-46 से पारित स्टॉपगैप विधेयक 30 सितंबर तक सरकार को निधि प्रदान करता है। इसके अलावा सीनेट ने वाशिंगटन डीसी को अपने फंड पर नियंत्रण बनाए रखने की अनुमति देने के लिए एक अलग उपाय को मंजूरी दी है।

लिए डब्ल्यूएचओ, एमएसएफ द्वारा सामूहिक प्रयासों का आग्रह

एजेंसी

अदीस अबाबा । पश्चिमी इथियोपिया में तेजी से फैल रहे हैजा के प्रकोप को रोकने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और इंटरनेशनल मेडिकल चैरिटी मेडिसिन सेंस फ्रंटियर्स (एमएसएफ) ने मिलकर प्रयास करने की अपील की है। एमएसएफ ने जारी एक बयान में कहा कि पश्चिमी इथियोपिया के गेमबेला क्षेत्र में हैजा बहुत तेजी से फैल रहा है, जिससे हजारों लोगों की जान खतरे में पड़ गई है। क्षेत्रीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, अब तक 1,500 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं और 31 लोगों की मौत हो चुकी है। दक्षिण सूडान के अपर नाइल स्टेट में बढ़ती हिंसा के कारण हजारों लोग बेघर हो रहे हैं, जिससे उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं, स्वच्छ पानी और सफाई सुविधाओं से वंचित

होना पड़ रहा है। बुधवार देर रात जारी एक बयान में डब्ल्यूएचओ ने बीमारी के तेजी से फैलने पर चिंता जताई। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, गम्बेला के अकोबो जिले में पिछले महीने पहली बार हैजा के मामले मिले थे, जो अब तक आठ जिलों और चार शरणार्थी शिविरों तक फैल चुका है। डब्ल्यूएचओ ने बताया कि उसने इस प्रकोप से निपटने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम भेजी है, जो इस बीमारी पर नियंत्रण, नजर रखने, मरीजों के इलाज, संक्रमण रोकथाम, लोगों को जानकारी देने और उनकी मदद करने और पानी, सफाई व स्वच्छता की सुविधाओं को बेहतर बनाने में मदद करेगी। दोनों संगठनों ने बताया कि गंदा पानी और सफाई की कमी इस बीमारी के तेजी से फैलने की बड़ी वजह हैं। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और प्रभावित इलाकों में स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने पर जोर दिया। इसके अलावा, हैजा को रोकने के लिए टीकाकरण अभियान चलाने की जरूरत भी बताई गई। दक्षिण सूडान के अपर नाइल स्टेट में सेना और सशस्त्र गुटों के बीच बढ़ते संघर्ष के कारण बड़ी संख्या में शरणार्थी और घायल लोग इथियोपिया आ रहे हैं, जिससे गम्बेला क्षेत्र में हैजा का संकट और बढ़ गया है। डब्ल्यूएचओ ने बताया कि वह दक्षिण सूडान और इथियोपिया के संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर हैजा की रोकथाम के प्रयासों की समीक्षा और सहयोग को मजबूत करने के लिए काम कर रहा है।

हमास के कब्जे से नेपाली छात्र विपिन जोशी की रिहाई के लिए प्रधानमंत्री ओली ने मिस्र के राष्ट्रपति से की वार्ता

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने हमास के कब्जे से नेपाली छात्र विपिन जोशी की रिहाई के लिए मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी के साथ टेलीफोन संवाद किया है। प्रधानमंत्री ओली ने मिस्र के राष्ट्रपति से विपिन जोशी की रिहाई में हो रही देरी पर चिंता जताते हुए मध्यस्थता करने का आग्रह किया है। ओली के प्रेस सलाहकार रामशरण बजगाई ने बताया कि मिस्र के राष्ट्रपति ने इस मामले में पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि विपिन जोशी को लेकर मिस्र की तरफ से अब तक किए गए प्रयास के बारे में भी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री ओली को जानकारी दी है। विपिन जोशी की रिहाई के लिए पिछले कुछ दिनों से नेपाल की तरफ से कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए गए हैं। विदेश मंत्री डॉ. राणा ने पिछले नवंबर और दिसंबर में इस संबंध में इजरायल, इजिप्ट और कतर के

विदेश मंत्रियों के साथ टेलीफोन पर बातचीत करके विपिन जोशी की रिहाई के लिए पहल करने का आग्रह किया था। दरअसल, हमास ने इजरायल पर हमला करने के दिन ही करीब दर्जन भर नेपाली नागरिकों का अपहरण कर लिया गया था। मारे गए नेपाली नागरिकों में अधिकतम छात्र थे, जिनके शव और सैकड़ों नेपाली नागरिकों को सुरक्षित लाया जा चुका है, लेकिन हमास के कब्जे से नेपाली युवक विपिन जोशी की अब तक रिहाई नहीं हो पाई है।

यूक्रेन संघर्षः पुतिन ने अमेरिकी युद्धविराम योजना का किया समर्थन, शर्तों पर जोर

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका द्वारा यूक्रेन में युद्धविराम के प्रस्ताव का समर्थन किया, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि संघर्षविराम को केवल अस्थायी समाधान के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि युद्धविराम ऐसा होना चाहिए जो संघर्ष के मूल कारणों को समाप्त करे और स्थायी शांति स्थापित करे। पुतिन ने क्रेमलिन में बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के साथ वार्ता के बाद प्रेस वार्ता में कहा, हम शत्रुता समाप्त करने के प्रस्ताव से सहमत हैं। यह विचार सही है और हम निश्चित रूप से इसका समर्थन करते हैं।

फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन करने वाली भारतीय छात्रा का वीजा रद्द, खुद हुई डिपोर्ट

एजेंसी

न्यूयॉर्क । अमेरिका में फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों में भाग लेने वाली एक भारतीय छात्रा का वीजा रद्द कर दिया गया, जिसके बाद छात्रा सेल्फ डिपोर्ट हो भारत लौटी। होमलैंड सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने यह जानकारी दी। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने कहा कि रंजनी श्रीनिवासन आतंकवादी संगठन हमास का समर्थन करने वाली गतिविधियों में शामिल थीं और 11 मार्च को अपने स्टूडेंट वीजा के रद्द होने के बाद अमेरिका से स्व-निर्वासित (सेल्फ डिपोर्ट) होकर लौट गई।

बता दें कि रंजनी श्रीनिवासन कोलंबिया विश्वविद्यालय की पीएचडी की छात्रा थीं और अमेरिका में फिलिस्तीन समर्थन में हुए प्रदर्शनों में शामिल हुई थीं। इन प्रदर्शनों के दौरान विश्वविद्यालय की एक इमारत पर कब्जा कर लिया गया था, जिसके बाद दर्जनों

छात्रों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था।नोएम ने कहा कि अमेरिका में अध्ययन करना एक विशेषाधिकार है, लेकिन जब आप हिंसा और आतंकवाद का समर्थन करते हैं, तो यह विशेषाधिकार छीन लिया जाना चाहिए, और आपको इस देश में नहीं होना चाहिए। होमलैंड सुरक्षा विभाग ने कहा कि उन्हें श्रीनिवासन का एक वीडियो मिला, जिसमें वह कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन (सीबीपी) एजेंसी के ऐप का उपयोग करके 'स्वयं-निर्वासन' कर रही हैं। आपको बता दें कि सेल्फ डिपोर्ट (स्व-निर्वासन) अधिकारियों द्वारा कार्रवाई किए जाने से पहले स्वयं देश छोड़ देना होता है। यह उस स्थिति से बचने का तरीका है, जिसमें उसे अमेरिकी सैन्य विमान में बिठाकर देश भेजा जा सकता था, जैसा अभी हाल ही में देखा गया था। श्रीनिवासन कोलंबिया विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, प्लानिंग और प्रिजर्वेशन में शोध कर रही थीं। विश्वविद्यालय के अनुसार, उन्होंने ग्रेजुएशन अहमदाबाद से किया है और हार्वर्ड से मास्टर डिग्री प्राप्त की है। पिछले हफ्ते कोलंबिया विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले कई छात्रों को निर्वासित (डिपोर्ट) किया गया, जो पिछले साल प्रदर्शन में शामिल हुए थे। कई छात्र गिरफ्तार भी हुए थे।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

ईस्ट ऑफ कैलाश के एक मकान में लगी आग, कोई हताहत नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित एक मकान में आग लग गई। मामले की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के अलावा दमकल की नौ गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। घटना में दमकलकर्मियों ने तीन लोगों को दूसरी मंजिल से रेस्क्यू किया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। दमकल विभाग के अनुसार बीती देर रात दमकल कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित एक मकान में आग लग गई है। सूचना मिलते ही एक-एक कर तीन दमकल की गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। कुछ देर बाद छह और गाड़ियों को मौके पर रवाना किया गया। दमकल के अनुसार आग तीन मंजिला मकान की दूसरी मंजिल पर लगी थी। इस बीच आसपास के लोगों ने बताया कि दूसरी मंजिल पर कुछ लोग फंसे हुए हैं। ऊपर से चीखने चिल्लाने की आवाज आ रही थी। बढ़ती आग व धुंए के कारण मकान में घुसना संभव नहीं था, ऐसे में दमकल कर्मियों ने टीटीएल लैडर गाड़ी की सहयता से दूसरी मंजिल पर फंसे तीन लोगों को रेस्क्यू किया। दूसरी मंजिल से बचाए गए लोगों की पहचान वंदना (53), पार्थिव (26) और माधव (15) के रूप में हुई है। दमकलकर्मियों ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल स्थानीय पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम का बदला मिजाज, होली के दिन बारिश से तापमान में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और पूरे एनसीआर में मौसम ने अचानक करवट बदली, और शाम के समय बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। भारतीय मौसम विभाग ने पहले ही संभावना जताई थी कि होली के दिन हल्की बारिश हो सकती है। दोपहर करीब तीन बजे से एनसीआर के अलग-अलग हिस्सों में हल्की बारिश शुरू हुई, लेकिन शाम होते-होते बारिश तेज हो गई। बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में 15 और 16 मार्च को भी ऐसा ही मौसम बना रहेगा। अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 17.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.5 डिग्री अधिक था। अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। वहीं, 16 मार्च को मौसम विभाग ने हल्की बारिश की संभावना जताई है। राजधानी दिल्ली में होली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। सुबह हल्की धूप निकली थी, लेकिन दिन चढ़ने के साथ बादल छा गए। शाम होते-होते कई इलाकों में बारिश शुरू हो गई, जिससे मौसम सुहावना हो गया।

नफ़रत फैलाने में लगी रहती है भाजपाः आप

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर नफरत फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि हर त्यौहार से पहले भाजपा इस काम में लग जाती है कि कैसे देश के अंदर लोगों के बीच नफरत फैलाई जाए। आप नेता और सांसद संजय सिंह ने आज कहा कि भाजपा ने देश का बेड़ा गर्क कर दिया है। लोग कोई भी त्योहार शांति से नहीं मना सकते हैं। हर त्यौहार के आने से एक सप्ताह पहले से मीडिया और प्रशासन नफरत फैलाने के काम में लग जाता है। लोग अपना त्यौहार मनाएंगे या फिर इनकी रोज की नौटंकी पर दिमाग लगाएंगे। भाजपा हर त्यौहार से पहले पूरे देश में माहौल खराब करने का काम करती है। यह बहुत बड़ा गुनाह और अपराध है। भाजपा के लोग दिन-रात नफरती एजेंडे में लगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि डिलिमिटेशन के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी दक्षिण के राज्यों के साथ है। किसी भी राज्य के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। अभी की परिस्थितियों में केद्र सरकार पंजाब का भी प्रतिशत कम कर रही है। पंजाब पूर्ण राज्य है और वहां आम आदमी पार्टी की सरकार है। पंजाब का संसद में प्रतिनिधित्व का आंकड़ा भी कम किया जा रहा है। भाजपा को लग रहा है कि जिन राज्यों में उसका प्रभाव है, वहां सीटों को बढ़ा लेंगे। इसके बाद विश्वगुरु जब तक जीवित हैं, तब तक देश के प्रधानमंत्री बने रहेंगे। लेकिन हम लोग विश्वगुरु की पार्टी को ऐसा नहीं करने देंगे।

रुपये का चिह्न बदलना स्टालिन का 'व्यर्थ का निर्णय', नाकामी छुपाने की चालः अन्नामलाई

नयी दिल्ली/चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने भारतीय रुपये के प्रतीक चिह्न को तमिल लिपि के एक अक्षर से बदलने के राज्य सरकार के निर्णय के लिए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर सीधा हमला करते हुए कहा है, यह 'व्यर्थ का निर्णय' और सत्तारूढ द्रमुक की अक्षमता को छुपाने का उसका एक नया तरीका है। श्री अन्नामलाई ने यह भी लिखा है कि पूर्व मुख्यमंत्री और स्टालिन के पिता एम करुणानिधि ने रुपये के चिह्न को डिजाइन करने वाले तमिल युवक का उत्साहवर्धन किया था, लेकिन स्टालिन आज अपने पिता के एक अनुमोदन को निरस्त कर रहे हैं। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया में कहा, द्रमुक सरकार के 2025-26 के राज्य-बजट के लिए रुपये के उस चिह्न को बदल दिया है जो एक तमिल व्यक्ति की अभिकल्पना है ।

पूरे देश में रंगोत्सव होली की रही धूम

एजेंसी

नई दिल्ली। रंगों के त्योहार होली का खुमार पूरे देश में सिर चढ़ कर बोला। कश्मीर से कन्याकुमारी तक रंगोत्सव की धूम मची रही। रमजान के पवित्र महीने में जुमे की नमाज को लेकर सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम किये गये तथा सभी धर्मो के लोग मिल-जुल कर एक-दूसरे को होली की बधाई देते नजर आये। होली के पर्व पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी व कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने देशवासियों को होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने शुभकामना संदेश में कहा, ÷रंगों के त्योहार होली के पावन अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। हर्षोल्लास का यह पर्व एकता, प्रेम और सद्भाव का संदेश देता है। यह त्योहार भारत की अनमोल सांस्कृतिक विरासत का भी प्रतीक है। आइए, इस शुभ अवसर पर हम सब मिलकर भारत माता की सभी संतानों के जीवन में निरंतर प्रगति, समृद्धि और खुशियों के रंग भरने का संकल्प लें। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार रात को होली की बधाई देते हुए एक्स पर पोस्ट लिखा था, आप सभी को होली की ढेरों शुभकामनाएं. हर्ष और उल्लास से

भरा यह पावन-पर्व हर किसी के जीवन में नई उमंग और ऊर्जा का संचार करने के साथ ही देशवासियों की एकता के रंग को और प्रगाढ़ करे, यही कामना है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने होली की बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, होली के पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं. होली बुराई पर अच्छाई की जीत और वसंत के आगमन का प्रतीक है, जो नई शुरुआत और नए दृष्टिकोण का प्रतीक है। यह होली हमें अपने विचारों को करुणा से, अपने कार्यों को दयालुता से और अपने दृष्टिकोण को हमारे महान राष्ट्र के लिए आशा से रंगने की याद दिलाए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने होली की बधाई देते हुए कहा, उमंग, उत्साह और रंगों के पर्व होली की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। यह रंगोत्सव आप सभी के जीवन में उत्तरोत्तर समृद्धि, उन्नति और संपन्नता लेकर आए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने होली के शुभकामना देते हुए एक्स पर लिखा, होली के पावन पर्व पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं. हर्ष, उल्लास और नवीन ऊर्जा का प्रतीक यह त्योहार आपके जीवन में प्रसन्नता और उत्तम स्वास्थ्य के रंग भरे, यही मंगलकामना है. आपकी होली आनंदमय और सुरक्षित हो। श्री राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आप सभी को होली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। रंगों का यह त्यौहार आपके जीवन में नई उमंग, नए उत्साह और ढेर सारी खुशियां ले कर आए। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने एक्स पर लिखा, होली, विविधता का महोत्सव है। ये भय, द्वेष, ईर्ष्या, नफ़रत और भेदभाव को मिटाने का त्योहार है। होली हमें रंगो की विविधता का आनंद लेने के लिए प्रेरित करती है। सभी देशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाई। उन्होंने आगे कहा, आइये हम अपने बहु-सांस्कृतिक समाज को जीवंत रंगों, एकजुटता व भाईचारे की भावना से भर दें और सौहार्द व सद्भाव का एक बार फिर प्रण लें। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज होली के त्यौहार पर दिल्ली और पूरे देश वासियों को अपनी अनंत शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में उन्होंने आशा व्यक्त की कि रंगों का यह जीवंत त्योहार सभी के जीवन में अनगिनत खुशियाँ, अपार प्रेम और सद्भाव लेकर आएगा।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की पीएम मोदी से मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने राज्य के विकास से जुड़े तमाम मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया कि गढ़चिरौली माइनिंग हब, नागपुर एयरपोर्ट, स्थानीय निकायों के लिए वित्त आयोग निधि आदि के संबंध में सकारात्मक चर्चा हुई है। राज्य सरकार ने गढ़चिरौली में इस्पात क्षेत्र में एक बड़ी पहल की है और गढ़चिरौली अब देश के इस्पात

शहर के रूप में विकसित हो रहा है। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि केंद्र को गढ़चिरौली को खनन केंद्र के रूप में विकसित करने में सहयोग करना चाहिए। साथ ही नागपुर एयरपोर्ट के काम में तेजी लाई गई है। एयरपोर्ट के काम में आ रही बाधाएं जल्द ही दूर की जाएंगी। चर्चा में एक विषय यह था कि स्थानीय निकायों को 15वें वित्त आयोग से यथाशीघ्र धनराशि प्राप्त होनी चाहिए। मिली जानकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन सभी मामलों में सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री ने विश्व दृश्य-श्रव्य एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) आयोजित करने का अवसर महाराष्ट्र को देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। यह शिखर सम्मेलन 1 से 4 मई तक मुंबई में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर आईआईटी की तर्ज पर मुंबई में भी आईआईसीटी (भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान) की स्थापना की जाएगी और इसके लिए केंद्र सरकार धनराशि भी उपलब्ध कराएगी। सीएम फडणवीस ने इसके लिए प्रधानमंत्री का आभार भी व्यक्त किया।

भारत ने बलूचिस्तान में ट्रेन अपहरण की घटना को लेकर पाकिस्तान के बयानों को दृढ़ता से किया खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने बलूचिस्तान में ट्रेन अपहरण की घटना को लेकर पाकिस्तान की ओर से दिय गए बयानों को दृढ़ता से खारिज कर दिया है और कहा है कि पाकिस्तान को अपनी अंदरूनी विफलताओं के लिए दूसरों को दोष नहीं देना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान की ओर से की गई टिप्पणियों पर मीडिया के सवालों के जवाब में कहा, ÷हम पाकिस्तान द्वारा लगाए गए आधारहीन आरोपों को दृढ़ता से खारिज करते हैं। पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का केंद्र कहां है। पाकिस्तान को उंगली उठाने और अपनी आंतरिक समस्याओं और विफलताओं के लिए दोष दूसरों पर डालने के बजाय अंदर की ओर देखना चाहिए। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बलूच

लिबरेशन आर्मी द्वारा एक ट्रेन का अपहरण कर उसमें सवार पाकिस्तानी सैनिकों की हत्या किये जाने की घटना के पीछे पाकिस्तानी नेताओं द्वारा भारत का हाथ बताया जा रहा है।

क्रिएटर्स को भारत की स्टोरी को दुनिया के सामने ले जाना चाहिए : पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री, पीयूष गोयल ने कहा कि क्रिएटिव इंडस्ट्री को भारत की ग्रोथ स्टोरी को दुनिया के सामने ले जाना चाहिए। संगीत, क्रिएटिव इंडस्ट्री और स्टार्टअप्स को जोड़ने वाले तीन दिवसीय बहुविषयक कार्यक्रम आरआईएसई//डीईएल सम्मेलन 2025 को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने क्रिएटिव वर्क के केंद्र में विश्वास और वास्तविकता को जारी रखने पर जोर दिया। उन्होंने अमृत काल में भारत के उत्थान में योगदान देने के लिए क्रिएटिव उद्योगों के चार पहलुओं की पहचान की, जिसमें जिम्मेदार सामग्री, नई कहानी, कौशल विकास और भारतीय क्रिएटिविटी का निर्यात शामिल है। केंद्रीय मंत्री ने क्रिएटर्स से जिम्मेदार, नई कंटेंट पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया और भारत की निर्यात आय को बढ़ाने में कौशल, कहानी कहने, फिल्म निर्माण, संगीत उत्पादन, गेमिंग और डिजिटल मीडिया की भूमिका पर जोर दिया। गोयल ने कहा कि एक दशक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा डिजिटल इंडिया की शुरुआत की गई, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि भारत के सुदूरतम कोनों में भी कंटेंट

क्रिएटर्स, स्टार्टअप्स और उद्यमियों की एक नई दुनिया बनाने की क्षमता हो। उन्होंने आगे कहा कि कम लागत वाले डेटा तक पहुंच इस सरकार की डिजिटल इंडिया नीति के प्रमुख स्तंभों में से एक रही है, जिससे भारत वैश्विक स्तर पर डेटा का सबसे बड़ा उपभोक्ता बन गया है। हमारे डेटा की लागत यूरोप, अमेरिका या किसी अन्य विकसित देश की तुलना में बहुत कम है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्रिएटिव रूप से डिजाइन किए गए अनुभवों पर चर्चा करते हुए गोयल ने महाकुंभ को एक उदाहरण बताया कि कैसे डिजिटल स्टोरी टेलिंग से वैश्विक दर्शकों को आकर्षित किया जा सकता है।मंत्री ने कहा, जब आप भारत के अनुभव को दुनिया तक ले जाएंगे, तो इससे और अधिक उत्सुकता पैदा होगी और अधिक पर्यटक भारत आएंगे, जिससे अर्थव्यवस्था बढ़ेगी उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार आगंतुकों के लिए एक रोमांचक और आनंददायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पुलिस ने हथियार तस्करी के मामले में तीन आरोपितों को दबोचा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अवैध हथियार की सप्लाई करने वाले तीन बदमाशों को दिल्ली से दबोचा है। पकड़े गए बदमाशों की पहचान सुलेमान नगर किराड़ी निवासी निकेत उर्फ गोलू, रावता गांव नजफगढ़ निवासी सौरव उर्फ सोनू और जैतपुर निवासी आनंद कुमार उर्फ मोनू के रूप में हुई है। बदमाशों के पास से पांच पिस्टल व एक मोबाइल फोन बरामद किया। स्पेशल सेल के डीसीपी अमित कौशिक ने बताया कि तीनों आरोपितों को एक गुप्त सूचना के आधार पर दबोचा है। गिरफ्तार हथियार तस्कर अनिकेत गोलू ने पूछताछ में खुलासा किया कि वह पिछले एक साल से अवैध हथियारों की तस्करी में संलिप्त है। वह झारखंड निवासी सोनू पासवान के संपर्क में आया। सोनू पासवान ने उसे बताया कि वह स्थानीय बदमाशों के लिए बिहार और मध्य प्रदेश से दिल्ली, हरियाणा और पंजाब तक अवैध हथियारों की तस्करी में शामिल है। सोनू पासवान को करीब 5 महीने पहले पंजाब में अवैध हथियारों की खेप के साथ गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में वह पंजाब के पटियाला स्थित नाभा जेल में बंद है। सोनू की गिरफ्तारी के बाद अनिकेत गोलू ने उसके निर्देश पर दिल्ली, हरियाणा और पंजाब के स्थानीय बदमाशों को हथियार मुहैया करवाने लगा। आगे जांच में पता चला है कि सभी आरोपित व्हाट्सएप के माध्यम से लोगों के संपर्क में थे। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि सोनू पासवान जेल से एक विदेशी पंजीकृत नंबर के जरिए अपने व्हाट्सएप का इस्तेमाल करता था।

ईडी के कार्य में बाधा डालने पर कांग्रेस नेता सन्नी समेत 15 से अधिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

नई दिल्ली/रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घर पर छापेमारी के बाद ईडी के अधिकारियों की गाड़ी रोकने और पथराव करने के मामले में पुलिस ने कांग्रेस नेता सन्नी अग्रवाल सहित 15 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इन लोगों पर शासकीय कार्य में बाधा डालने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप है। भिलाई पुलिस ने बताया है कि ईडी और निजी वाहन के चालक की शिकायत पर भिलाई-3 थाना में भिलाई निवासी कर्मकार मंडल के पूर्व अध्यक्ष सुशील उर्फ सन्नी अग्रवाल और 15 से अधिक लोगों के खिलाफ दंगा फैलाने [191(2)], गैरकानूनी तरीके से एकत्र होने (190), स्वेच्छा से सरकारी कर्मचारी के काम में बाधा डालने (221), सरकारी कर्मचारी पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग (132), गलत तरीके से रोकने [126(2)] और सार्वजनिक संपत्ति विनाश कानून की धारा 3 के तहत मामला दर्ज किया है।

तेल क्षेत्र में घटने की बजाय बढ़ रही है आत्मनिर्भरता : विपक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली । विपक्ष ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार तेल उत्पादन को प्रोत्साहन नहीं दे रही है और तेल क्षेत्र के विकास के लिए कोई कदम नहीं उठाए गये हैं जिसके कारण देश में तेल क्षेत्र में आत्मनिर्भरता कम होने की बजाय लगातार बढ रही रही है। कांग्रेस के मनीष तिवारी ने लोकसभा में तेल क्षेत्र (विनिमय तथा विकास) संशोधन विधेयक 2024 पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि तेल का आयात आज बढ़ गया है। सरकार दावा करती है कि वह ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिए काम कर रही है लेकिन हालात यह है कि तेल का आयात आज 90 प्रतिशत बढ़ गया है और देश की तेल क्षेत्र में आत्मनिर्भरता कम होने की बजाय लगातार बढ़ रही है और यह ठीक नहीं है। उन्होंने कहा, हमारी अर्थव्यवस्था हाइड्रो कार्बन आधारित है और इसमें कोयला से ऊर्जा उत्पादन 55 प्रतिशत से अधिक है। सरकार को सभी ऊर्जा स्त्रोतों में बदलाव कर उन्हें एक कर देना चाहिए और बिखरी ऊर्जा व्यवस्था का एकीकरण तेल क्षेत्र में आयात निर्भरता कम करनी चाहिए। उनका कहना था कि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में कोई काम ऊर्जा विकास के लिए नहीं हुआ है और इसी का परिणाम है कि देश में तेल क्षेत्र में आयात निर्भरता लगातार घट रही है जबकि इसे बढ़ना चाहिए था। भाजपा के

दिलीप सैकिया ने कहा कि पिछले 10 वर्षो के दौरान मोदी सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिए जो कदम उठाए हैं वे अभूतपूर्व हैं और उससे देश ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। ऊर्जा क्षेत्र की देश की अर्थव्यवस्था अहम भूमिका है। भारत तेल क्षेत्र में एशिया में भारत की भूमिका महत्वपूर्ण है और इस महाद्वीप में भारत दूसरा सबसे ज्यादा तेल रिफाइनरी वाला मुल्क है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ऊर्जा शक्ति को गति देने के लिए काम कर रही है और इसी का परिणाम है कि श्री मोदी की कल्पनाशीलता के परिणाम स्वरूप देश की पहली वायु रिफाइनरी असम वायु रिफाइनरी बन रही है। इस रिफाइनरी को स्वरूप देने के लिए सरकार ने 4200 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है और बिहू पर्व के बाद से यह रिफाइनरी का काम शुरु होगा।श्री सैकिया ने कहा कि इस विधेयक के पारित होने से देश में तेल क्षेत्र में निवेश आएगा और इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि पहले 142 अरब डालर का तेल आयात किया जाता था लेकिन मोदी सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र में जो काम किया है उसके कारण अब 62 अरब डालर का ही आयात किया जा रहा है। सपा के रमाशंकर राजभर ने कहा कि जब सरकारी तेल कंपनियां मुनाफा कमा रहीं हैं तो तेल के दाम में कमी क्यों नहीं की जा रही है। तेल के दाम कम नहीं होने से किसानों और खेती पर दबाव ज्यादा है। उन्होंने कहा कि भारतीय तेल कंपनियों को विदेशी कंपनियों पर निर्भरता समाप्त होनी चाहिए और भारतीय तेल कंपनियों का सामाजिक सरोकारों के प्रति योगदान को भी सुनिश्चित करनी चाहिए।

भारतीय नौसेना के गोला-बारूद की सप्लाई में सक्षम शिप का निर्माण

नई दिल्ली । भारतीय नौसेना के दूसरे फ्लीट सपोर्ट शिप (एफएसएस) का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस शिप का निर्माण तमिलनाडु के कट्टुपल्ली में शुरू किया गया। पांच फ्लीट सपोर्ट शिप्स (एफएसएस) में से दूसरे शिप का निर्माण एलएंडटी शिपयार्ड द्वारा किया जा रहा है। 40,000 टन से अधिक विस्थापन वाले ये जहाज गोला-बारूद की सप्लाई में सक्षम हैं। रक्षा मंत्रालय का मानना है कि इन शिप के आने से भारतीय नौसेना के समुद्री बेड़े की शक्ति में वृद्धि होगी।

तेल क्षेत्र में घटने की बजाय बढ़ रही है आत्मनिर्भरता : विपक्ष

नई दिल्ली । विपक्ष ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार तेल उत्पादन को प्रोत्साहन नहीं दे रही है और तेल क्षेत्र के विकास के लिए कोई कदम नहीं उठाए गये हैं जिसके कारण देश में तेल क्षेत्र में आत्मनिर्भरता कम होने की बजाय लगातार बढ रही रही है। कांग्रेस के मनीष तिवारी ने लोकसभा में तेल क्षेत्र (विनिमय तथा विकास) संशोधन विधेयक 2024 पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि तेल का आयात आज बढ़ गया है। सरकार दावा करती है कि वह ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिए काम कर रही है लेकिन हालात यह है कि तेल का आयात आज 90 प्रतिशत बढ़ गया है और देश की तेल क्षेत्र में आत्मनिर्भरता कम होने की बजाय लगातार बढ़ रही है और यह ठीक नहीं है। उन्होंने कहा, हमारी अर्थव्यवस्था हाइड्रो कार्बन आधारित है और इसमें कोयला से ऊर्जा उत्पादन 55 प्रतिशत से अधिक है। सरकार को सभी ऊर्जा स्त्रोतों में बदलाव कर उन्हें एक कर देना चाहिए और बिखरी ऊर्जा व्यवस्था का एकीकरण तेल क्षेत्र में आयात निर्भरता कम करनी चाहिए। उनका कहना था कि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में कोई काम ऊर्जा विकास के लिए नहीं हुआ है और इसी का परिणाम है कि देश में तेल क्षेत्र में आयात निर्भरता लगातार घट रही है जबकि इसे बढ़ना चाहिए था। भाजपा के दिलीप सैकिया ने कहा कि पिछले 10 वर्षो के दौरान मोदी सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिए जो कदम उठाए हैं वे अभूतपूर्व हैं और उससे देश ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। ऊर्जा क्षेत्र की देश की अर्थव्यवस्था अहम भूमिका है। भारत तेल क्षेत्र में एशिया में भारत की भूमिका महत्वपूर्ण है और इस महाद्वीप में भारत दूसरा सबसे ज्यादा तेल रिफाइनरी वाला मुल्क है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ऊर्जा शक्ति को गति देने के लिए काम कर रही है और इसी का परिणाम है कि श्री मोदी की कल्पनाशीलता के परिणाम स्वरूप देश की पहली वायु रिफाइनरी असम वायु रिफाइनरी बन रही है। इस रिफाइनरी को स्वरूप देने के लिए सरकार ने 4200 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है और बिहू पर्व के बाद से यह रिफाइनरी का काम शुरु होगा।श्री सैकिया ने कहा कि इस विधेयक के पारित होने से देश में तेल क्षेत्र में निवेश आएगा और इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि पहले 142 अरब डालर का तेल आयात किया जाता था लेकिन मोदी सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र में जो काम किया है उसके कारण अब 62 अरब डालर का ही आयात किया जा रहा है।

NAME CHANGE

I, LATHA K P is legally mother of No. JC-392921W Rank- NB SUB Name-NIKHIL K P, R/o USHA BHAVAN KATTIL PARAMBATH VENGERI (PO) CALICUT-10 KERALA PIN 673010, have changed my name from LATHA K P to PREMALATHA P for all future purposes. Vide Affidavit Dated 13/03/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, BINDHU Mother of No-16125941W, Rank-SPR, Name-SREEJITH VS residing at VARKKAD HOUSE, VILL-PUTHUPPARIYARAM-1, PO-MUTTIKULANGARA, DIST-PALAKKAD, KERALA-678594, have changed my name from BINDHU to BINDU V C for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 15/12/1977 instead of my correct date of birth as 04/05/1976 vide Affidavit dated 15/03/2025 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधरण को सूचित किया जाता है कि मेरा मुवक्किल अली मोहुम्मद पुत्र शेख तातार पता मकान नं0 डी-38, द्वारकापुरी, विजय इन्कलेव, डाबरी, दक्षिणी-पश्चिमी, नई दिल्ली-110045 ने अपने पुत्र मोहम्मद राशिद के अवज्ञाकारी व नियन्त्रण में न होने के कारण अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है और अपने सारे संबंध विच्छेद कर लिये है। यदि कोई व्यक्ति मेरे मुविक्किल के पुत्र से किसी भी तरह का लेन देन करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा इसमें मेरे मुविक्कल व मेरे मुविक्कल के परिवार की कोई जिम्मेदारी नही होगी ।

MANOJ KUMAR Advocate
Office Address: Flat No. 33, Poket 3C. Bharat Appartment Sector 16 B. Dwarka New Delhi-110078
Mobille No.: 9818704065

NAME CHANGE

I, SELVARAJAN Father of No-16125941W, Rank-SPR, Name-SREEJITH VS residing at VARKKAD HOUSE, VILL-PUTHUPPARIYARAM-1, PO-MUTTIKULANGARA, DIST-PALAKKAD, KERALA-678594, have changed my name from SELVARAJAN to SELVARAJAN K R for all future purposes vide Affidavit dated 15/03/2025 before Notary Public, Delhi.

अभियुक्त व्यक्तियों की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **(1) शाबीर, पुत्र मकसूद निवासी 25 फीट रोड, सरल कुंज, थाना व कस्बा, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश और (2) हासिम उर्फ सोनू पुत्र नूर मोहम्मद निवासी 25 फुटा रोड, सरस्वती विहार, थाना ए टाउन, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 597/2013, भा.द.सं. की धारा 379/411/482/34 के तहत, थाना फर्श बाजार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **शाबीर और हासिम उर्फ सोनू** मिल नहीं रहें है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **शाबीर और हासिम उर्फ सोनू** फरार हो गये है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहें हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 597/2013, भा.द.सं. की धारा 379/411/482/34 के तहत, थाना फर्श बाजार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **शाबीर और हासिम उर्फ सोनू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **22.04.2025** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अखिल मलिक
न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी-02, कमरा नं. 36, भूतल
शाहदरा जिला, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/3027/SHD/2025

कोर्ट नोटिस

न्यायालय,
प्रधान न्यायाधीश
कुटुंब न्यायलय रांची
मुल वाद संख्या 892/2024
नेहा चन्दन, 30 वर्ष पति- ऋषभ साँधी, पिता- मीना चौधरी, पता स्वागतम अपार्टमेंट, शुक्ला कॉलोनी, हिन् एविलेक्स सिनेमा हॉल डोरंडा, जिला- रांची 834002
....आवेदक
बनाम
ऋषभ साँधी, उम- 29 वर्ष, पिता-सतीश मुध सोधी, पता-1-2/23 block-1-2, गुरुद्वारे रोड मोहन गार्डन उत्तम नगर जिमा-न्यू दिल्ली पिन न0 110059
....विपक्षी
नोटिस बनाम:-
ऋषभ सोंधी उम- 29 वर्ष, पिता-सतीश कुमार सोधी, पता-/23 गुरुद्वारे रोड मोहन गार्डन उत्तम नगर जिला- न्यू दिल्ली पिन न: 110059)
वजरिये नोटिस इस नोटिस के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि वादी आवेदक ने आपके विरुद्ध उपरोक्त अदालत में धारा 13 विवाह विच्छेद अधिनियम के तहत उपरोक्त मूल वाद संख्या दाखिल किया है। जुसमे आपको नजारत एवं जाक के ?द्वारा नोटिस भेजा गया किन्तु आप उपरोक्त वाद से आप अभी तक उपस्तिथ नहीं हुए है।
अत: आपको इस नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि आज दिनांक 19-03-25 को समय 11-00 बजे पूर्वाहन स्वंय या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्तिथ होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करे अन्यथा आपकी गैर हाजरी में मुकदमे कि सुनवाई एकपक्षीय कि जाएगी । इसे सख्त ताकिद जाने
यह नोटिस अदालत के मुहर एवं हस्ताक्षर आज दिनांक 11/03/25 को जारी किया गया !

आदेशानुसार
प्रधान न्यायाधीश
कुटुंब न्यायलय, रांची

NAME CHANGE

I, No-16128090A Rank-NK Name-DINESH A Presently residing at H NO-33, MARIYAMMAN KOVIL STREET, VILL-ANUMANTHAPURAM, PO-PORUR, TEHSIL-VIKKIRAVANDI, DIST-VILLUPURAM, TAMIL NADU-605202, have changed my mother's name from POONGAVANAM to PONGAVANAM AYYANAR for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/01/1978 instead of her correct date of birth as 21/07/1970 vide Affidavit dated 15/03/2025 before Notary Public, Delhi.

फरीदाबाद में सीवरेज पाइप बना नहर पार करने का शॉर्टकट

फरीदाबाद। फरीदाबाद में आगरा नहर के ऊपर से गुजर रहे सीवरेज लाइन के पाइपों पर पैदल चलकर लोग जान जोखिम में डालकर नहर को पार कर रहे हैं। यहां से गुजरने वालों के लिए खतरा इतना बड़ा है कि अगर पैर फिसला तो सीधे गहरे पानी में गिर जाएंगे। लेकिन इतने खतरे के बाद भी लोग घर जाने के लिए इस शॉर्टकट का प्रयोग करते हैं। फरीदाबाद के हरकेश नगर में आगरा नहर के ऊपर से सीवरेज लाइन के दो बड़े पाइप गुजर रहे हैं। जिनसे शहर का सीवरेज का गंदा पानी प्लांट तक जाता है। लोगों ने इस पाइप लाइन को ही नहर पार करने के लिए आने-जाने का शॉर्टकट रास्ता बना लिया है। यहां से निकलने मे जान को जोखिम सबसे ज्यादा है। उसके बाद भी लोग जान की परवाह किए बगैर इन पाइपों पर चलकर नहर को पार करते हैं। आगरा नहर में पानी की गहराई बहुत ज्यादा है, लेकिन लोगों ने इन पाइप लाइनों को नहर पार करने का शॉर्टकट बना दिया है। आगरा नहर पर बने इन सीवरेज पाइप लाइनों से रोजाना एक या दो लोग नहीं, बल्कि हजारों लोग गुजरते हैं। इनमें युवा, बुजुर्ग, महिलाएं भी शामिल हैं। सबसे ज्यादा यहां से कपंनियों में काम करने वाले लोग निकलते है। कंपनी में जाने के लिए वो आगरा नहर पार करके बाईपास रोड़ जाने के लिए इन पाइपों का प्रयोग करते हैं। सुबह और शाम के समय में यहां से गुजरने वाले लोगों का संख्या काफी बढ़ जाती है।

झज्जर के गांव झांसवा व मोहन बाड़ी में फीकी रही होली, नहीं हुआ होलिका दहन

झज्जर। जिला के गांव झांसवा और मोहन बाड़ी के निवासी 6,000 से अधिक लोगों के लिए होली जलाने का इंतजार बहुत लंबा हो चला है। इस बार भी ये लोग होलिका दहन नहीं कर पाए। यहां फाग के रंग भी बहुत फीके रहे फाग खेलने के नाम पर इन गांव में केवल औपचारिकता पूरी की गई। ग्रामीणों की मान्यता है कि जब तक होली के दिन गांव में बछड़ा पैदा नहीं होगा तब तक होलिका दहन नहीं करेंगे। हरियाणा के अन्य क्षेत्रों की तरह झज्जर के गांव मोहन बड़ी वह झांसवा के आसपास भी हर एक गांव में श्रद्धा उल्लास के साथ होलिका पूजन किया गया। महिलाओं ने होली के दिन सज धज कर अपने बच्चों को साथ ले हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार होलिका की पूजा की। लेकिन मोहन बड़ी वह झांसवा में होली का पूजन तो किया पर दहन नहीं किया गया। महिलाएं दशकों पुरानी परंपरा के अनुसार गाय के गोबर से बने ढाल-बिड़कलों से बनी मालाओं और होली पर चढ़ाई गई लकड़ियों को घर ले गई। झांसवा गांव के पीके शर्मा ने बताया कि लगभग 100 साल पहले होली के दिन गांव में विशाल होलिका बनाई गई थी। महिलाओं ने होली का पूजन भी किया। बताया जाता है कि होलिका दहन शुरू हुआ तो दो नंदी (गोवंशी) लड़ते-लड़ते जलती हुई होलिका में जा गिरे। ग्रामीणों ने उनको बचाने का बेहद प्रयास किया लेकिन एक की मौत हो गई। जिससे गांव में मातम छा गया।

सफीदों पुलिस ने छापा मारकर पकड़े छह क्विंटल पटाखे

जींद। सफीदों पुलिस ने रेड मारते हुए पटाखों से भरी टाटा एस गाड़ी को पकड़ा है। जिसमें छह क्विंटल 30 किलो 720 ग्राम पटाखे पुलिस ने बरामद किए हैं। दुकानदार के खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। सफीदों पुलिस को सूचना मिली थी कि करनाल के असंध का बलजीत सिंघाना गांव के मंदिर के पास अवैध रूप से बम-पटाखे व विस्फोटक सामग्री बेच रहा है। उसने स्टेडियम के पास ही एक टाटा एस गाड़ी में बम पटाखे लोड किए हुए हैं।

इस पर पुलिस रेड करने पहुंची तो वहां पर स्टेडियम के पास एक टाटा एस गाड़ी खड़ी दिखाई दी। इस गाड़ी को चेक किया तो एक व्यक्ति गाड़ी के अंदर गत्ते की पेटी लोड कर रहा था। पुलिस ने उसे काबू कर लिया और पूछताछ की तो उसने अपना नाम असंध के वार्ड 11 निवासी बलजीत बताया। गाड़ी के पास ही खड़े व्यक्ति ने अपनी पहचान बिहार के दरभंगा जिले के रामपुरा निवासी सुदीश कुमार के रूप में बताई। पेटियों में चेक किया गया तो बम पटाखे निकले। इसके संबंध में लाइसेंस मांगा तो दोनों लाइसेंस या कोई परमिट पेश नहीं कर पाए।

सोनीपत में होली पर नहीं चली रोडवेज बसें

सोनीपत। सोनीपत रोडवेज विभाग ने होली त्यौहार के मद्देनजर यात्रियों की सुरक्षा और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए अपनी सभी बस सेवाएं रद्द करने का निर्णय लिया है। सुबह से ही सभी बसों को बस अड्डा परिसर में खड़ा कर दिया गया है और किसी भी रूट पर बसों का संचालन नहीं किया गया। इस दौरान बस अड्डे का मुख्य द्वार भी बंद रखा गया है ताकि कोई असामाजिक तत्व स्टेशन में प्रवेश कर गड़बड़ी न कर सके। हालांकि, शनिवार से बस सेवाएं पुनः सामान्य रूप से शुरू कर दी जाएंगी। धुलेंडी पर्व पूरे शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास से मनाया गया। इस मौके पर लोग एक-दूसरे को रंग लगाते हैं और होली खेलते हैं। हालांकि, इस उत्सव के दौरान कई बार असामाजिक तत्व माहौल का फायदा उठाकर हुड़दंग मचाने लगते हैं। पिछले कुछ वर्षों में इस दिन यात्रियों और बस कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें जबरन बसों में चढ़कर रंग लगाने, सीटों को गंदा करने, शराब पीकर हंगामा करने और महिलाओं के साथ बदसलूकी जैसी घटनाएं शामिल हैं। इन सबको ध्यान में रखते हुए इस बार बस सेवाएं।

सैनी का कांग्रेस पर हमला, बोले- 'न नीति, न नियत, न नेतृत्व'

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण ही आज कांग्रेस खत्म हो चुकी है और जनता ने इन पर पूरी तरह विश्वास खो दिया है। कांग्रेस के पास न नीति है, न नियत है और न नेतृत्व है। मुख्यमंत्री हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान राज्यपाल अभिभाषण पर चर्चा के दौरान विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने हरियाणा के 2 करोड़ 80 लाख लोगों को होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस विधायकों द्वारा सदन से वॉकआउट करने पर कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्ष में सच्चाई सुनने की क्षमता नहीं है। 2029 में तो कांग्रेस सदन में ही नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है, वे केवल झूठ बोल कर आरोप लगाने के काम करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने निकाय चुनावों में कहा था कि कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण कांग्रेस जीरो पर आउट होगी और परिणाम ये रहा कि एक भी प्रत्याशी जीत नहीं पाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने झूठ बोलकर एक नैरेटिव फैलाया कि अगर नरेंद्र मोदी ?तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बन गए तो संविधान खत्म हो जाएगा। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तो संविधान को सुरक्षित कर रहे हैं, खत्म तो कांग्रेस हो रही है।

निकायों चुनावों के बाद डबल इंजन की सरकार में ट्रिपल इंजन जुड़ा

नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज का दिन मेरे लिए गर्व और गौरव का दिन है, क्योंकि आज ही के दिन एक साल पहले इसी सदन में मुझे हरियाणा की सेवा करने का अवसर मिला था। इसी सदन में मेरी सरकार ने बहुमत हासिल किया था। उस समय विपक्ष ने कई तरह की बातें की थी कि अनुभवी नहीं है, आखिर में ले आए। लेकिन उस दिन इस सदन में जो विश्वास हमें मिला था, वो केवल सदन का बल्कि हरियाणा की जनता का विश्वास था।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले एक साल से जनता ने हम पर भरोसा बनाए रखा है। हमारी सरकार ने बिना भेदभाव के काम किए हैं और गत दिवस आए निकाय चुनावों के परिणामों ने यह साबित कर दिया है। पिछले एक साल में 3 बार लोकसभा, विधानसभा और निकाय चुनावों में हरियाणा की जनता ने हमे आर्शीवाद दिया है। निकायों चुनावों की जीत ने डबल इंजन की सरकार में ट्रिपल इंजन जोड़ दिया है।

जनता ने कांग्रेस का हिसाब कर दिया

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आलोचना करना जन्मसिद्ध अधिकार है। लेकिन आलोचना और आकलन किया जाना है तो अपना भी किया जाना चाहिए। विपक्ष ने अपने समय में क्या किया उसका भी आकलन किया जाना चाहिए। चुनावों के दौरान विपक्ष के नेता सरकार का हिसाब मांग रहे थे।

हरियाणा में बदला मौसम का मिजाज, मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदल गया है। कई दिनों से राज्य के कई इलाकों में बारिश और ओले गिरने से लोग हैरान हैं। पश्चिमी विक्षोभ के असर से हरियाणा में तापमान में भारी गिरावट देखी गई है, जिससे दिन और रात दोनों समय ठंड बढ़ गई है।

मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

अभी भी मौसम विभाग ने राज्य के कई इलाकों में बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। कई इलाकों में बारिश से फसलें बर्बाद हो रही हैं। रात भर हुई ओलावृष्टि और आंधी ने राज्य के किसानों की चिंता बढ़ा दी है।

बारिश ने बढ़ाई चिंता

इस बारिश से फसलों पर विपरीत असर पड़ा है.हिसार, भिवानी, फतेहाबाद, जींद, महेंद्रगढ़, झज्जर, पानीपत और सोनीपत समेत कई इलाकों में अच्छी बारिश हुई। गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल और नूंह में भी तेज हवाएं चलीं और हल्की बारिश हुई।

16 अप्रैल से फिर बदलेगा मौसम

16 अप्रैल को मौसम अनिश्चित रहेगा। आईएमडी के अनुसार, हरियाणा का मौसम 16 मार्च तक बदलता रहेगा। इस अवधि के बीत जाने के बाद राज्य के कुछ हिस्सों में आंधी और हल्की बारिश हो सकती है।

मौसम विशेषज्ञों की सलाह

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ की लगातार आवाजाही के कारण तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव हो रहा है। गर्मी ने कुछ राहत दी है। मार्च के शुरुआती दिनों में हरियाणा में दिन का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया, जिससे गर्मी से लोगों को परेशानी हो रही है। हालांकि, बारिश और बादल छाए रहने की वजह से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को कुछ राहत मिली है।

किसान कैसे रहें?

मौसम विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे अभी फसल की कटाई रोक दें और अपने खेतों की उचित

सिंचाई सुनिश्चित करें। इसके अलावा, उन्हें अगले पूर्वानुमानों को ध्यान में रखते हुए खेती के कामों को शेड्यूल करना चाहिए। बहुत कुछ अगले 48 घंटों पर निर्भर करता है।

मौसम विभाग का क्या कहना

मौसम विभाग का कहना है कि अगले 48 घंटे हरियाणा के लिए खास तौर पर महत्वपूर्ण होंगे। अलग-अलग इलाकों में तेज आंधी और बारिश हो सकती है। ऐसी स्थिति में लोगों को पूरी तरह से सतर्क रहना चाहिए।

अंबाला से चंडीगढ़ के बीच चले मैट्रो, विज ने की मनोहर लाल खट्टर से मांग

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि केंद्रीय शहरी विकास एवं ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने बतौर हरियाणा के मुख्यमंत्री रहते हुए अंबाला छावनी को बहुत कुछ दिया और सूखे हुए शहर में रंग भरे हैं। होली के अवसर पर अंबाला पहुंचे केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का स्वागत करते हुए अनिल विज ने कहा कि आज वह केवल अंबाला जिले के लिए कुछ मांग रहे हैं क्योंकि चंडीगढ़ हमारे हरियाणा की राजधानी है, मगर चंडीगढ़ तक पहुंचना बहुत मुश्किल होता है और चंडीगढ़ जाने वाली सड़क पूरी तरह जाम रहती है। लोगों को चंडीगढ़ आने-जाने में कई घंटे लगते हैं। उन्होंने कहा कि इसके मद्देनजर आज वे अम्बाला से चंडीगढ़ तक मेट्रो ट्रेन चलाने की मांग केंद्रीय मंत्री से कर रहे हैं, इससे लाखों लोगों के समय की बचत होगी और विकास को लाभ भी मिलेगा। इससे पहले अम्बाला छावनी होली मनाने के लिए पहुंचे मंत्री मनोहर लाल का जोरदार स्वागत किया गया। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने मंत्री अनिल विज, नगर परिषद में नवनिर्वाचित भाजपा, 25 पार्षदों और भाजपा नेताओं के साथ फूलों से होली खेली और सभी को शुभकामनाएं दी। कैबिनेट मंत्री मनोहर लाल के साथ मतभेदों पर विज ने कहा कि उनका और हमारा मुद्दा एक ही है, हम एक ही विश्वविद्यालय (आरएसएस) के विद्यार्थी हैं और हमें यहीं सिखाया जाता है कि जनता का काम करना है

अनिल विज ने कहा कि मनोहर लाल के मुख्यमंत्री रहते और उनके सहयोग से अंबाला छावनी में डोमेस्टिक एयरपोर्ट बना है। एयरपोर्ट के लिए सेना से जमीन लेना बहुत मुश्किल था। यही नही सेना से जमीन स्थानांतरित करने के लिए जो कीमत लगाई गई वह बहुत ज्यादा थी। तब उन्होंने मनोहर लाल से बात की और हंसते-हंसते मनोहर लाल जी ने एयरपोर्ट की जमीन के लिए 130 करोड़ रुपये अलॉट कर दिए। और देश व प्रदेश को आगे ले जाना है। ऐसा नहीं है कि काम करते हुए हमारे मतभेद नहीं हुए यह प्रजातंत्र का तकाजा है। प्रजातंत्र में भिन्न-भिन्न मत हो सकते हैं, लेकिन हमारे मत मुद्दों पर होते थे, उसकी भी खूबसूरती थी कि या मनोहर लाल मान जाते थे या वो मुझे मना लेते थे। इससे विकास की गाड़ी लगातार चलती रहती थी और उसकी रवानगी में कभी कोई रुकावट नहीं आई।

होली पर्व समाज को एकता के सूत्र में बंधने का देता है अनोखा संदेश : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि होली का पावन पर्व समाज को एकता के सूत्र में बांधने का एक अनोखा संदेश देता है। इस पावन पर्व पर होलिका दहन की लपटों में समाज की तमाम बुराइयां नष्ट हो जाती हैं और होली के रंगों की तरह समाज खिल उठता है। इन्हीं पावन पर्वों, तीज और त्योहारों से हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत देश में सबसे अनोखी है।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गुरुवार की रात लाडवा (कुरुक्षेत्र) में एक निजी पैलेस में होली पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, व हरियाणा बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष श्रीमती सुमन सैनी ने हल्का लाडवा के नागरिकों के साथ फूलों की होली खेली और एक-एक नागरिक से मिलकर होली के पावन पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी है। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने

होली के पावन पर्व पर लोक कलाकारों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाडवा के अपने परिवार के सदस्यों के बीच होली का पर्व मनाकर अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। इस पावन पर्व के साथ देश की संस्कृति का अनोखा संगम है। इस पावन पर्व पर सभी नागरिक जात-पात, लड़ाई झगडे भूलकर भाईचारे की भावना के साथ एक दूसरे को रंग लगाते है। इस रंग से समाज में शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनता है। इस पर्व के साथ एकता और सहयोग की अटूट धारा बहती है। यह पर्व दुनिया का सबसे अनोखा पर्व है। इस पर्व पर प्रत्येक व्यक्ति को पुराने गिले शिकवे दूर करके भाईचारे की मजबूत कड़ी के साथ जुड़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि इस पावन पर्व पर एक भारत- श्रेष्ठ भारत की भावना भी मजबूत होती है। होली पर्व के दौरान 36 बिरादरी के लोग एक साथ मिलकर खुशियां मनाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, होली पर्व पर सभी को संकल्प भी लेना चाहिए कि स्वच्छता पर फोकस रखेंगे, पर्यावरण को स्वच्छ बनाएंगे, प्राकृतिक रंगों से होली खेलेंगे, जल का संरक्षण करेंगे। उन्होंने पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि नगर निकाय चुनावों में लोगों ने भाजपा प्रत्याशियों को एक तरफा जीत दी है। इन चुनावों में लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के सपने को और मजबूती देने का काम किया है। अब प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार तेज गति के साथ विकास करेगी।

स्कूली बच्चों ने एसपी के साथ मनाया होली का त्यौहार

एजेंसी

कैथल। डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी कार्यालय पुलिस अधीक्षक में पहुंचे तथा बच्चों द्वारा कार्यालय में मौजूद एसपी राजेश कालिया को गुलाल का तिलक लगाकर होली का त्यौहार मनाया गया। इस दौरान एसपी राजेश कालिया ने भी बच्चो के साथ काफी समय बिताया और उन्होंने बच्चों

को मिठाई खिलाकर होली के त्योहार की शुभकामनाएं दी। एसपी राजेश कालिया ने कहा कि बच्चों के साथ होली का त्योहार मनाना काफी खास रहा। होली का पर्व हमें आपसी प्रेम, सौहार्द और एकता का संदेश देता है। हमें इसे खुशियों और सद्भावना के साथ मनाना चाहिए। एसपी ने कहा कि हमारे त्योहार हमारी संस्कृति और परंपराओं को संयुक्त रूप से दर्शाने का काम करते हैं।

सोनीपत में 1.27 अरब से बनेगा ट्रिपल आईटी

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत जिले के गांव किलोहड़द में 1.27 अरब की लागत से भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के निर्माण का कार्य तेजी से जारी है। इस परियोजना का प्रथम चरण अगस्त 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक 50 प्रतिशत से अधिक निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। संस्थान की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 3.72 करोड़ रुपए की लागत से चारदीवारी बनाने की योजना है, जिसकी टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और आगामी 15 दिनों में इस पर कार्य शुरू हो जाएगा।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के निर्माण का प्रस्ताव 2013 में रखा गया था। 20 जून 2013 को 50 एकड़ पंचायती जमीन को 33 वर्षों के लिए लीज पर दिया गया, जिसे 19 सितंबर 2013 को मंजूरी मिली। 2 जनवरी 2017 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने निर्माण के निर्देश जारी किए। 2019 में इस परियोजना ने गति पकड़ी, लेकिन 2020 में कोरोना महामारी के कारण कार्य रुक गया। पहले चरण का कार्य जनवरी 2025

तक पूरा होना था, लेकिन अब इसे अगस्त 2025 तक बढ़ा दिया गया है। पहले चरण में निम्नलिखित निर्माण कार्य किए जा रहे हैं इन पर 85.95 करोड़ रुपए की लागत आ रही है प्रशासनिक व शिक्षण भवन लड़कों और लड़कियों के लिए दो छात्रावास, निदेशक आवास, बिजली आपूर्ति के लिए सब-स्टेशन भवन, गार्ड रूम व सुरक्षा व्यवस्था, स्टाफ कर्मियों के लिए आवासीय क्वार्टर, दूसरे चरण में होने वाले निर्माण कार्य, प्रथम चरण पूरा होने के बाद दूसरे चरण की शुरुआत होगी, जिसमें दो और छात्रावास, ऑडिटोरियम, और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स जैसे प्रमुख भवनों का निर्माण शामिल रहेगा।

आईआईआईटी का निर्माण क्षेत्रीय युवाओं को उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी शिक्षा प्रदान करेगा। सोनीपत और आसपास के छात्रों को अब दूर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। साथ ही, इस संस्थान के निर्माण से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के कार्यकारी अभियंता नायब चंद ने बताया कि प्रथम चरण का कार्य अगस्त 2025 तक पूरा हो जाएगा। चारदीवारी निर्माण की सभी कागजी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं और जल्द ही इस पर काम शुरू होगा।

पानीपत में शांति पूर्ण ढंग से मनाया गया होली का त्यौहार

एजेंसी

पानीपत। पानीपत जिले में छिटपुट घटनाओं को छोड़कर होली का त्यौहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाया गया। इस अवसर महिलाओं ने धार्मीक रिति रिवाज से है पूजन किया। जिसमें महिलाओं ने होलिका में जल फूल, अक्षत माला सिंदूर आदि अर्पित किया, फिर देशी घी का अठावरी भोग लगाया और होलिका की पूजा अर्चना करते हुए कच्चे सूत को होलिका पर बांध कर से चक्कर लगाए। होलिका दहन के समय गोबर के बुर्कले अर्पित किए ओर गुलाल, गेहूं की बाली व नारियल,पूजा सामग्री भी अर्पित की। इस वर्ष भी इसराना उपमंडल के गांव नौल्था की डाट होली आकर्षण का केंद्र रही। डॉट का

मतलब है एक दूसरे को स्पोर्ट देना। इस बार नौल्था गांव में 907वीं बार यह होली खेली गई है। होली के त्योहार पर अमूमन देखने को मिलता है कि किसी पर रंग लगाए तो वो भागने लगता है, लेकिन नौल्था की इस डाट होली में गांव के युवा एक दीवार के साथ लगकर बैठ जाते हैं। जितना चाहे रंग डालो, पीछे नहीं हटते। इसी तरह दो टोलियां एक-दूसरे के सामने हो जाती हैं और ऊपर से रंग बरसाया जाता है। जो टोली, दूसरी टोली को पीछे धकेल देती है, वो जीत जाती है। गांव की महिलाएं भी घरों की छत पर बैठकर युवाओं पर कढ़ाई में गर्म किया रंग डालती हैं। इसीलिए इसमें 2 समूह बनाकर अपने-अपने साथियों को स्पोर्ट करते हैं। ओर इस नौल्था की डाट होली को विशेष बनाते है।

राजस्थानी परिवार सेवा समिति असहाय बच्चों को बांटी मिठाई व गुलाल

एजेंसी

पानीपत। होली के इस पावन अवसर पर पानीपत राजस्थानी परिवार सेवा समिति परिवार के संदस्यो ने भी जरूरतमंदों को सेक्टर 29 जी टी रोड से फ्लोरा वाली रोड पुलिस चौकी के सामने रह रहे परिवारों के के बच्चो को

गुलाल के पैकेट व मिठाई के डब्बे बांटे। राजस्थानी परिवार के सचिव राजेंद्र खुराना और सह सचिव बजरंग सिंह ने कहा कि जब भी त्यौहार आता है तो सब लोग अपने घरों में मिठाई बनाते हैं और अन्य तैयारी शुरू कर देते है। जरूरतमंद लोगों जिनके पास साधनों की कमी होती है, और वो त्योहारों का पूरा आनंद नहीं ले पाते इसलिए हमारे परिवार ने ऐसे बच्चों को भी होली के त्योहार पर मिठाई एवं गुलाल देने का मन बनाया जिससे ये लोग भी रंग बिरंगे पर्व होली के त्योहार का आनंद ले सके। सुशील गोयल और तिलक सपड़ा ने कहा कि बच्चे रंग व मिठाई पाकर खुशी से फूले नहीं समा रहे थे उनकी खुशी का कोई ठिकाना नहीं था। समिति के मुख्य संयोजक सुरेश काबरा व कोषाध्यक्ष मुकेश शर्मा ने कहा कि होली पर कैसे सुरक्षित रहे इस पर बताया कि केवल तिलक होली या फूलों की होली ही खेले ताकि चर्म रोग व आंखो की बीमारी से बचा जा सके और किसी से भी मन मुटाव हो तो इस त्यौहार पर प्रेम से मिलकर भाई चारे का संकल्प ले ।

धनाणा गांव में चौधरी देवीलाल की प्रतिमा का अनादर किए जाने की जांच की मांग

एजेंसी

भिवानी। जिले के धनाणा गांव में जननायक चौधरी देवीलाल की प्रतिमा का अनादर किए जाने पर जननायक जनता पार्टी के प्रधान महासचिव दिग्विजय सिंह चौटाला ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि महापुरुषों का अपमान सामाजिक तौर पर घोर निंदनीय है और सभी सामाजिक संस्थाओं के प्रबुद्ध व्यक्तियों को इसकी कड़ी निंदा करनी चाहिए। दिग्विजय चौटाला ने सिरसा ज़िले के पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत देकर इस विषय में जाँच करने और दोषी लोगों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई करने की माँग की है। ग़ौरतलब है कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें कुछ युवक गाँव धनाणा में स्थापित

चौधरी देवीलाल की प्रतिमा पर चढ़कर हो-हल्ला करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो के वायरल होने पर चौधरी देवीलाल के अनुयाइयों और उनके चाहने वालों में काफ़ी नाराज़गी देखी जा रही है। घटना की जानकारी मिलने पर दिग्विजय सिंह चौटाला ने तुरंत पुलिस अधिकारियों से बातचीत की और इस घटना का संज्ञान लेकर सख़्त कार्रवाई करने की माँग की। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि ग्रामीण आँचल में कुछ गैरज़िम्मेदार युवकों द्वारा देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी देवीलाल की प्रतिमा के साथ ऐसा व्यवहार हम सभी के लिए शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि जल्द ही वे भिवानी क्षेत्र के पंचायत प्रतिनिधियों और खाप प्रतिनिधियों से मुलाक़ात कर इस विषय में सामाजिक कार्रवाई करने की भी माँग करेंगे।

राजकोट मेट्रो रेल, सात अन्य अवसंरचना परियोजनाओं का पीएम गतिशक्ति के तहत निर्धारण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री (पीएम) गतिशक्ति के सिद्धांतों के अनुसार सरकार ने देश में अवसंरचना क्षेत्र की आठ और परियोजनाओं का मूल्यांकन किया जिसमें राजकोट में मेट्रो रेल शुरू करने की परियोजना और तीन रेलवे तथा चार राजमार्ग परियोजनाएं शामिल हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार प्रधानमंत्री गतिशक्ति के अंतर्गत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के संयुक्त सचिव पंकज कुमार की अध्यक्षता में नेटवर्क नियोजन समूह की 89वीं बैठक में सड़क, रेल और मेट्रो रेल की आठ परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया। पीएम गतिशक्ति में किसी परियोजनाओं का निर्धारण सभी संबंधित हितधारकों और सभी आवश्यक सूचनाओं के साथ किया जाता है ताकि क्रियान्वयन शीघ्रता से हो। नेटवर्क नियोजन समूह की इस बैठक में जिन परियोजनाओं की समीक्षा की गयी है उनमें शहरी विकास मंत्रालय की गुजरात के राजकोट में पहली मेट्रो रेल प्रणाली के निर्माण के अलावा राजमार्ग मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 62 के मेघालय में दालगिरि से दालू तक के 136.11 किलो मीटर के खंड को दोनों ओर खड़ंजे के साथ दो लेन का बनाने, असम में गोहपुर और नुमालीगढ़ के बीच ब्रह्मपुत्र नदी पर चार लेन के दोहरे सुरंग मार्ग का निर्माण और कलियाबोर-नुमालीगढ़ सेक्शन के मौजूदा कैरिजवे को चार लेन तक चौड़ा और बेहतर बनाने तथा राजस्थान में जैसलमेर बाईपास लिंक रोड के साथ मेजिलार से जैसलमेर तक मार्ग को दो लेन का बनाने की परियोजना शामिल है।

बर्ड फ्लू के कारण यूरोपीय संघ में अंडों की कीमतों में वृद्धि

मॉस्को। यूरोपीय सांख्यिकी कार्यालय (यूरोस्टेट) के आंकड़ों के अनुसार, यूरोपीय संघ में चिकन अंडे के थोक मूल्य बढ़कर 268.5 यूरो (291 डॉलर) प्रति 100 किलोग्राम (220 पाउंड) हो गए हैं, जो बर्ड फ्लू के प्रसार के बीच अधिकतम है। चिकन और अण्डों के मूल्य में पिछला उछाल मार्च 2023 में देखा गया था, जो यूरोपीय संघ में बर्ड फ्लू की बड़े पैमाने पर महामारी के दौरान 265.7 यूरो प्रति 100 किलोग्राम था। वर्ष 2024 के अंत में, घरेलू पशुओं में बर्ड फ्लू महामारी की स्थिति फिर से खराब हो गई, जबकि 2025 की शुरुआत में यूरोपीय संघ के स्वास्थ्य नियामक ने इस वायरस से मानव संक्रमण के बढ़ते जोखिम की चेतावनी भी दी। नतीजतन पिछले चार हफ्तों से अंडे की कीमतें बढ़ रही हैं, कुल मिलाकर 11.2 प्रतिशत और साल भर में 17.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले हफ्ते ही कीमतों में 3.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई और तीन मार्च को यह 268.5 यूरो पर पहुंच गयी।यूरोपीय संघ में सबसे ज्यादा कीमतें और सबसे ज्यादा वृद्धि पोलैंड में दर्ज की गई, जहां 100 किलोग्राम अंडे की कीमत 309.9 यूरो थी, जो एक हफ्ते पहले 281.1 यूरो थी। नीदरलैंड में कीमतें बढ़कर 293 यूरो (+6.2प्रतिशत) हो गईं, जबकि ऑस्ट्रिया में वे 278.7 यूरो (+2 प्रतिशत) पर पहुंच गईं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उबाल आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 1.14 प्रतिशत उछलकर 67.31 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह इस दौरान लंदन ब्रेंट क्रूड 1.02 प्रतिशत की तेजी के साथ 70.59 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 2030 तक 40-46 लाख करोड़ रुपये निवेश की जरूरतः इरेडा प्रमुख दास

नयी दिल्ली। भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रदीप कुमार दास ने कहा कि भारत के नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार के लिए 2030 तक 40-46 लाख करोड़ रुपये निवेश की आवश्यकता होगी और इसके लिए अनुकूल नीतियों की जरूरत होगी। उन्होंने इसके लिए वैश्विक निवेश कोषों को आकर्षित करने और घरेलू हरित वित्तपोषण बाजार के विस्तार के लिए नीतिगत पहल की जरूरत पर बल दिया है। श्री दास जलवायु परिवर्तन जोखिम और वित्त पर आरबीआई नीति संगोष्ठी में बोल रहे थे। संगोष्ठी में विनियमित संस्थाओं (आरई) के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए वित्तीय क्षेत्र की हस्तियों को आमंत्रित किया गया था। श्री दास ने मूल्यांकन जोखिम के प्रबंधन में इरेडा जैसी विशेष हरित वित्तपोषण एजेंसी के महत्व को भी रेखांकित किया । उन्होंने बताया कि अपनी स्थापना के बाद से इरेडा ने संचयी रूप से 1.43 लाख करोड़ रुपये के ऋण दिए हैं और उनमें से अब तक उसे 200 करोड़ रुपये से भी कम के कर्ज को राइट-ऑफ करना (बट्टे खाते में डालना)पड़ा हैं। उन्होंने परियोजनाओं का विकास करने वाली कंपनियों , ऋणदाताओं, नियामकों और नीति निर्माताओं के सहयोगात्मक दृष्टिकोण पर जोर दिया ताकि नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु वित्तपोषण को और तेज करने के लिए एक आदर्श पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम किया जा सके।

ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी से खुद अमेरिकी बाजार में निराशा, भारत पर अधिक असर पड़ने की आशंका नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुरू किए गए टैरिफ वॉर का असर अब स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। इसकी वजह से सबसे अधिक अमेरिकी बाजार ही प्रभावित होता हुआ नजर आ रहा है, जिसके कारण अमेरिकी बाजार के सूचकांक अपने ऑल टाइम हाई से काफी नीचे आ गए हैं। एसएंडपी 500 इंडेक्स अपने रिकॉर्ड हाई से 10 प्रतिशत से अधिक टूट चुका है। इसी तरह नैस्डेक और डाउ जोंस भी बड़ी गिरावट का शिकार हुए हैं।

ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी के कारण ट्रेड वॉर गहराने के संकेत मिलने लगे हैं, जिसका प्रत्यक्ष असर अमेरिकी बाजार में आई तबाही के रूप में नजर आने लगा है। गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर यूरोपीय वाइन, शैंपेन और शराब के दूसरे उत्पादों पर 200 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी। इसके साथ उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि स्टील और एल्युमिनियम पर लागू किए गए टैरिफ को वापस नहीं लिया जाएगा। डोनाल्ड ट्रंप ने ये भी कहा कि वे 2 अप्रैल से लागू होने वाले रेसिप्रोकल टैक्स के फैसले से भी पीछे नहीं हटेंगे। डोनाल्ड ट्रंप की इस घोषणा के कारण अमेरिकी बाजार में भगदड़ की स्थिति बन गई, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक में बड़ी गिरावट आ गई। नैस्डेक इंट्रा-डे में 2 प्रतिशत से ज्यादा गिर गया, वहीं एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.5 प्रतिशत से ज्यादा टूट गया।

मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि टैरिफ से जुड़ी अनिश्चितताओं के कारण कुछ ही दिन में ग्लोबल मार्केट हाई जोन से करेक्शन जोन में आ गया है। इसकी वजह से अमेरिका में आर्थिक मंदी आने की आशंका भी बन गई है। कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि ट्रंप की सरकार बनते वक्त अमेरिकी बाजार के साथ ही दुनिया के ज्यादातर बाजार फुल प्राइस लेवल पर कारोबार कर रहे थे, लेकिन अब ये स्थिति नहीं है। ट्रंप की जीत के बाद से ही उनके बयानों और एक्शन की वजह से चौतरफा का करेक्शन होता हुआ नजर आ रहा है। मार्केट का सेंटीमेंट काफी खराब हो गया है, जिसकी वजह से निवेशकों में घबराहट का माहौल है। राजीव दत्ता के अनुसार अमेरिकन एसोसिएशन आफ इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स के वीकली पोल में लगातार तीसरे सप्ताह मार्केट में बेयरिश सेंटीमेंट 55 प्रतिशत के ऊपर पर रहा है। इसके पहले सिर्फ मार्च 2009 में लगातार 3 सप्ताह तक अमेरिकी बाजार में बेयरिश सेंटीमेंट हावी रहा था। इस टैरिफ वॉर का कुछ असर भारत पर भी पड़ना तय है। हालांकि माना जा रहा है कि भारत पर दूसरे देशों की तुलना में इस टैरिफ वॉर और रेसिप्रोकल टैक्स का कम असर पड़ेगा, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था निर्यात की तुलना में घरेलू खपत पर अधिक निर्भर करती है।

प्रमुख तुअर उत्पादक राज्यों में तुअर की खरीद में तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर तुअर (अरहर) की खरीद में तेजी आई है। 11 मार्च तक आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना में कुल 1.31 एलएमटी तुअर (अरहर) की खरीद की गई है, जिससे इन राज्यों के 89,219 किसान लाभान्वित हुए हैं। अन्य राज्यों में भी तुअर (अरहर) की खरीद जल्द शुरू होगी। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अनुसार तुअर की खरीद नैफेड के ई-समृद्धि पोर्टल और एनसीसीएफ के संयुक्ति पोर्टल पर पूर्व-पंजीकृत किसानों से भी की जाती है। भारत सरकार केंद्रीय नोडल एजेंसियों अर्थात् नैफेड और एनसीसीएफ के माध्यम से किसानों से शत प्रतिशत तुअर की खरीद की व्यवस्था करने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार ने एकीकृत प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) योजना को 15वें वित्त आयोग चक्र के दौरान 2025-26 तक जारी रखने की मंजूरी प्रदान कर दी है। एकीकृत पीएम-आशा योजना खरीद कार्यों के कार्यान्वयन में अधिक प्रभावशीलता लाने के लिए संचालित की जाती है, जो न केवल किसानों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य प्रदान करने में मदद करेगी बल्कि उपभोक्ताओं के लिए सस्ती कीमतों पर उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करके आवश्यक वस्तुओं की कीमत में अस्थिरता को भी नियंत्रित करेगी। पीएम-आशा योजना की मूल्य समर्थन योजना के तहत निर्धारित उचित औसत गुणवत्ता (एफएक्यू) के अनुरूप अधिसूचित दलहन, तिलहन और खोपरा की खरीद केंद्रीय नोडल एजेंसियों (सीएनए) द्वारा राज्य स्तरीय एजेंसियों के माध्यम से पूर्व-पंजीकृत किसानों से सीधे एमएसपी पर की जाती है। दालों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने में योगदान देने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए सरकार ने खरीद वर्ष 2024-25 के लिए तुअर, मसूर और उड़द की राज्य के उत्पादन के शत प्रतिशत के बराबर मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत खरीद की अनुमति दी है।

डॉलर के मुकाबले 21 पैसे की मजबूती के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद मुद्रा बाजार में रुपये ने मजबूती दर्ज की। डॉलर के मुकाबले रुपया आज दिन भर के कारोबार के बाद 21 पैसे की मजबूती के साथ 87.00 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुआ। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय मुद्रा 87.21 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 8 पैसे की मजबूती के साथ 87.13 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। दिन के कारोबार के दौरान डॉलर की मांग बढ़ने पर रुपया कमजोर होकर 87.14 के स्तर तक पहुंचा। लेकिन बाद में इसने शानदार रिकवरी करके 28 पैसे की मजबूती के साथ 86.93 रुपये प्रति डॉलर तक के स्तर तक पहुंचने में सफलता हासिल की। हालांकि कारोबार के आखिरी वक्त भारतीय मुद्रा सर्वोच्च स्तर से 7 पैसे गिर कर 87.00 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई। मुद्रा बाजार के जानकारों का कहना है कि डॉलर का प्रवाह बढ़ा दिए जाने की वजह से भी रुपये को सपोर्ट मिला है। राजीव दत्ता के मुताबिक रुपये

भारतीय मुद्रा पॉजिटिव मैक्रो इकोनॉमिक आंकड़ों और अमेरिकी बाजार की अनिश्चितता के कारण संभलता हुआ नजर आ रहा है। इस संबंध में कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि कच्चे तेल की कीमत में नरमी का रुख बनने की वजह से रुपये की कीमत में आज सुधार का रुख बना है। इसके साथ ही निर्यातकों द्वारा मुद्रा बाजार में की कीमत में आज और तेजी आ सकती थी, लेकिन विदेशी निवेशकों द्वारा बिकवाली का दबाव बनाए जाने की वजह से रुपये की बढ़त पर ब्रेक लग गया। माना जा रहा है कि घरेलू शेयर बाजार में अगर विदेशी निवेशकों की बिकवाली के ट्रेंड पर रोक नहीं लगी, तो इसका असर मुद्रा बाजार में रुपये की कीमत पर नकारात्मक रूप से पड़ सकता है।

शुरुआती मजबूती के बाद गिरावट का शिकार हुआ शेयर बाजार, लगातार 5वें दिन लाल निशान में बंद हुआ सेंसेक्स

एजेंसी

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का दौर आज भी जारी रहा। बीएसई का सेंसेक्स आज लगातार पांचवें कारोबारी दिन लाल निशान में बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। शुरुआती उतार चढ़ाव के बाद पहले 1 घंटे तक बाजार में मजबूती का माहौल बना रहा, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.27 प्रतिशत और निफ्टी 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, रियल्टी और मेटल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, ऑयल एंड गैस, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक और आईटी इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.77 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने दो करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 391.07 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 392.84 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.77 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,105 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,521 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,454 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 130 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,610 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 820 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,790 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 8 शेयर बढ़त के साथ और 22 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 15 शेयर हरे निशान में और 35 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएससी का सेंसेक्स आज 362.78 अंक उछल कर 74,392.54 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से पहले 1 घंटे के कारोबार में यह सूचकांक 371.35 अंक की मजबूती के साथ 74,401.11 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने थोड़ी देर बाद ही लाल निशान में गोता लगा दिया।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी, मार्च में अब तक 21,228 करोड़ से अधिक के शेयर बेचे

एजेंसी

नई दिल्ली।घरेलू शेयर बाजार में मार्च के महीने में भी विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) लगातार बिकवाल की भूमिका निभा रहे हैं। गुरुवार को खत्म हुए कारोबारी सत्र तक एफआईआई द्वारा मार्च के महीने में 21,228 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की जा चुकी थी। हालांकि शेयर बाजार में एफआईआई जितनी तेजी से बिकवाली का दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं, उतनी ही तेजी से घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) खरीदारी करने में जुटे हुए हैं। डीआईआई की ओर से हो रही इस खरीदारी की वजह से गिरावट का सामना करने के बावजूद शेयर बाजार अभी तक ध्वस्त होने की स्थिति में नहीं पहुंचा है। मार्च महीने बिकवाली का दबाव बनाया हुआ है। इस साल एफआईआई द्वारा कुल

में घरेलू संस्थागत निवेशक अभी तक 26,446 करोड़ रुपये के शेयर खरीद चुके हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार साल 2025 की शुरुआत से ही विदेशी संस्थागत निवेशकों ने इंडियन स्टॉक मार्केट में 1,64,245 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री की गई है। दूसरी ओर, बाजार को सहारा देने और कम मूल्य में निवेश करने के इरादे से डीआईआई ने इस साल की शुरुआत से लेकर अभी तक 1,77,888 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की है सिर्फ पिछले कारोबारी दिन यानी 13 मार्च के प्रोविजनल आंकड़ों को ही देखें तो विदेशी संस्थागत निवेशकों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने कुल 793 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिक्री की। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इस दौरान 1,724 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की। गुरुवार के सत्र में विदेशी निवेशकों ने कुल 11,601 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, वहीं 12,394 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री की। दूसरी ओर, इसी अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 10,032 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वहीं 8,308 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की।

महंगा हुआ सोना, चांदी एक बार फिर 1 लाख के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। होलिका दहन के दिन आज घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ है। सोना आज 470 रुपये से लेकर 510 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इसी तरह चांदी का भाव भी आज 2,200 रुपये किलोग्राम तक मजबूत हुआ है। भाव में आए उछाल के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 87,990 रुपये से लेकर 88,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 80,660 रुपये से लेकर 80,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। कीमत में तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी भी आज एक लाख का स्तर पार करके 1,00,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 88,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 88,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

गोवा में देश की पहली अन्वेषण लाइसेंस नीलामी और एआई-संचालित खनिज लक्ष्यीकरण हैकाथॉन की शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। खान मंत्रालय ने गोवा सरकार के सहयोग से गोवा में ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी और गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत मौजूद रहे। इस कार्यक्रम ने भारत में अन्वेषण लाइसेंस (ईएल) की पहली नीलामी की शुरुआत की, जो देश के अप्रयुक्त महत्वपूर्ण और गहरे खनिज संसाधनों को अनलॉक करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की नीलामी के 5वें चरण पर एक रोड शो और एआई हैकथॉन 2025 का उद्घाटन भी शामिल था, जिसका उद्देश्य %एआई का उपयोग करके केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने संयुक्त रूप से 13 अन्वेषण

लाइसेंस ब्लॉकों की नीलामी शुरू की, जिसमें दुर्लभ पृथ्वी तत्व (आरईई), जस्ता, हीरा, तांबा और प्लेटिनम समूह तत्व (पीजीई) जैसे महत्वपूर्ण खनिज शामिल हैं। पारदर्शी ऑनलाइन बोली प्रक्रिया के माध्यम से यह पहल व्यवस्थित खनिज अन्वेषण में तेजी लाने, निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने और आयात निर्भरता को कम करने के लिए तैयार है।इस अवसर पर जी. किशन रेड्डी ने कहा कि पहली बार, भारत एक संरचित और पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से व्यवस्थित प्रारंभिक चरण के अन्वेषण को खोल रहा है। यह सुधार महत्वपूर्ण और गहरे खनिजों की खोज में तेजी लाएगा, निवेशकों का विश्वास बढ़ाएगा और भारत की स्वच्छ ऊर्जा और औद्योगिक महत्वाकांक्षाओं के साथ एक आत्मनिर्भर, भविष्य के लिए तैयार खनिज पारिस्थितिकी तंत्र का मार्ग प्रशस्त करेगा।

गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने भारत सरकार के सुधारात्मक कदमों की सराहना करते हुए कहा कि गोवा के पास समृद्ध खनन विरासत है और हम जिम्मेदार, प्रौद्योगिकी-संचालित खनिज विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। ये सुधार न केवल भारत की खनिज क्षमता को अनलॉक करेंगे बल्कि टिकाऊ खनन के लिए नए अवसर भी पैदा करेंगे। खान मंत्रालय के सचिव वी.एल. कांथा राव ने जोर देकर कहा कि यह नीलामी भारत की खनिज आत्मनिर्भरता की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एसेट मोनेटाइजेशन से बीएसएनएल-एमटीएनएल को मिले 13 हजार करोड़ रुपये, शेयर में 13 प्रतिशत की तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। एसेट मोनेटाइजेशन के जरिए सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बीएसएनल और एमटीएनएल ने 13 हजार करोड़ रुपये जुटाने में सफलता हासिल की है। एसेट मोनेटाइजेशन का आंकड़ा आने के बाद घरेलू शेयर बाजार में आज एमटीएनएल के शेयरों में जोरदार तेजी दर्ज की गई। आज दिन के कारोबार में एमटीएनएल के शेयर 18.36 प्रतिशत तक उछल गए।इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार एमटीएनएल ने एसेट मोनेटाइजेशन के जरिए जनवरी 2025 तक करीब 2,400 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इनमें एमटीएनएल की जमीन और बिल्डिंग की बिक्री से 2,134 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई है। इसी तरह एमटीएनएल ने अपने टावर और फाइबर के किराए से 258 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इस तरह से एमटीएनएल बिक्री और किराए को मिलाकर कुल 2,392 करोड़ रुपये जुटाने में सफल रहा है।

इसी तरह बीएसएनएल ने सिर्फ अपनी जमीन और बिल्डिंग बेचकर जनवरी 2025 तक 2,387 करोड़ रुपये जुटाने में सफलता हासिल की है। इसके अलावा शेष राशि टावर और फाइबर के किराए से जुटाई गई है। आपको बता दें कि कुछ दिन पहले ही ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स (जीओएम) ने एसेट मोनेटाइजेशन के जरिए 16 हजार करोड़ रुपये जुटाने की योजना को मंजूरी दी थी।

भारत सरकार के डिपार्मेंट ऑफ इन्वेस्टमेंट एंड पब्लिक ऐसेट मैनेजमेंट (दीपम) के सचिव अरुनीश चावला की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार सरकार ने ऐसेट मोनेटाइजेशन के लिए नेशनल मोनेटाइजेशन प्लान के फेज 2 के तहत रोड मैप तैयार कर लिया है। इसके तहत टेलीकॉम सेक्टर के अलावा इंफ्रास्ट्रक्चर, रेलवे, हाईवे, कोर और नॉन कोर सेक्टर को भी शामिल किया गया है। एसेट मोनेटाइजेशन में दीपम के साथ सभी संबंधित मंत्रालयों को भी शामिल किया गया है। नेशनल लैंड कॉरपोरेशन को भी इसी प्लान का हिस्सा बनाया गया है। एसेट मोनेटाइजेशन की खबर आने के बाद घरेलू शेयर बाजार में एमटीएनएल के शेयरों में आज जोरदार तेजी दर्ज की गई। आज एमटीएनएल के शेयर 3.06 रुपये की तेजी के साथ 46.30 रुपये के स्तर पर खुले थे। बाजार खुलने के बाद पहले 15 मिनट के कारोबार में ही एमटीएनएल के शेयर 7.94 रुपये यानी 18.36 प्रतिशत उछल कर 51.18 रुपये के स्तर पर पहुंच गए।

वैल्यूएटिक्स री को इरडा से पुनर्बीमा कंपनी का लाइसेंस मिला

नयी दिल्ली। गोडिजिट के प्रवर्तक कामेश गोयल और प्रेम वत्स प्रवर्तित वैल्यूएटिक्स री ने बीमा नियामक इरडा से पुनर्बीमाकर्ता का लाइसेंस हासिल किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह 210 करोड़ रुपये की शुरुआती चुकता पूंजी के साथ काम शुरू करेगी। भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने एक आदेश में कहा कि वैल्यूएटिक्स रीइंश्योरेंस लि. को पंजीकरण प्रमाणपत्र देने की मंजूरी दे दी गई है।वैल्यूएटिक्स री ने इरडा के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि यह पुनर्गठित नियामक परिदृश्य में विशेष रूप से पुनर्बीमा कारोबार करने के लिए पंजीकरण प्राप्त करने वाली पहली पुनर्बीमाकर्ता है। यह पुनर्बीमा क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ओबेन वेंचर्स एलएलपी (कामेश गोयल प्रवर्तित) और एफएएल कॉरपोरेशन (प्रेम वत्स समर्थित और फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स लिमिटेड इसकी मूल कंपनी है) वैल्यूएटिक्स री के प्रवर्तक होंगे। ये गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस लि. और गो डिजिट लाइफ इंश्योरेंस लि. के भी प्रवर्तक हैं। इसके साथ ही कामेश गोयल और फेयरफैक्स (अपने संबंधित उपक्रमों के माध्यम से) साधारण बीमा, जीवन बीमा और पुनर्बीमा कारोबार संचालित करने के लाइसेंस प्राप्त करने वाले भारत के पहले प्रवर्तक बन जाएंगे।

ग्लोबल दबाव के कारण आईटी सेक्टर में मचा कोहराम, शिखर से 21 प्रतिशत तक टूट गया आईटी इंडेक्स

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट में बने दबाव के कारण घरेलू आईटी कंपनियों पर भी दबाव नजर आ रहा है। आज लगातार 5वें कारोबारी दिन आईटी इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुआ। आज आईटी इंडेक्स 188.15 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 36,122.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में यह सूचकांक करीब 350 अंक टूट कर 35960 अंक के तक पहुंच गया था। हालांकि बाद में टीसीएस के शेयरों में हुई खरीदारी के कारण इस सूचकांक की स्थिति में कुछ सुधार हो सका। आज निफ्टी के आईटी इंडेक्स में शामिल 10 शेयरों में से सिर्फ टीसीएस 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। दूसरी ओर, कोफोर्ज 1.36 प्रतिशत, परसिस्टेंट 1.64 प्रतिशत, एलटी माइंडट्री 0.47 प्रतिशत, एम्फैसिस 0.68 प्रतिशत, इंफोसिस 0.74 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजी 0.56 प्रतिशत, एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज 0.16 प्रतिशत, विप्रो 1.62 प्रतिशत और टेक महिंद्रा 0.02 प्रतिशत के गिरावट के साथ बंद हुए। लगातार 5 कारोबारी दिन से जारी इस गिरावट के कारण निफ्टी का आईटी इंडेक्स अपने शिखर से करीब 21 प्रतिशत से ज्यादा टूट कर बियर मार्केट जोन में चला गया है। इतना ही नहीं इस गिरावट की वजह से निफ्टी के आईटी इंडेक्स की मार्केट वैल्यू भी अपने सर्वोच्च स्तर से 8.40 लाख करोड़ रुपये कम हो चुकी है। बाजार के आंकड़ों को देखें, तो पिछले कुछ दिन से जारी इस गिरावट के कारण आईटी इंडेक्स में शामिल 10 शेयरों में से 9 शेयर भी बियर मार्केट जोन में पहुंच गए हैं। इनमें सबसे अधिक नुकसान एलटी माइंडट्री के शेयर को हुआ है। इसके भाव में लगभग 34 प्रतिशत की गिरावट आ गई है। इसी तरह टीसीएस और इन्फोसिस जैसी बड़ी ब्लूचिप कंपनियों के शेयर के भाव में भी 24 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। आईटी इंडेक्स में शामिल 10 शेयरों में से सिर्फ विप्रो का शेयर बियर मार्केट जोन में जाने से बचा हुआ है। विप्रो का शेयर अपने सर्वोच्च स्तर से 17 प्रतिशत टूट चुका है। आधिकारिक तौर पर किसी भी शेयर में 20 प्रतिशत की गिरावट के बाद ही बियर मार्केट जोन की शुरुआत मानी जाती है। यही कारण है कि विप्रो के शेयर 17 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद अभी तक बियर मार्केट जोन में जाने से बचे हुए हैं।डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार टीसीएस के शेयरों में आई गिरावट की वजह से कंपनी के मार्केट वैल्यू में सर्वोच्च स्तर से अभी तक करीब 3.80 लाख करोड़ रुपये की कमी आ चुकी है। इसी तरह इंफोसिस का मार्केट कैप भी लगभग 1.71 लाख करोड रुपये कम हो गया है। मार्केट कैप में गिरावट के मामले में एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज और कोफोर्ज पर बहुत अधिक असर नहीं पड़ा है। एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज के मार्केट कैप में लगभग 15,000 करोड़ रुपये की और कोफोर्ज के मार्केट कैप में 16,000 करोड़ रुपये की गिरावट आई है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी के कारण बाजार में बनी अनिश्चितता और अमेरिका में मंदी आने की आशंका की वजह से भारतीय आईटी कंपनियां दबाव में आ गई हैं। घरेलू आईटी कंपनियां की आय का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा अमेरिकी बाजार से ही आता है। ऐसे में अगर अमेरिकी टैरिफ पॉलिसी का असर आईटी सेक्टर पर भी पड़ा, तो भारतीय कंपनियां कि आय काफी हद तक प्रभावित हो सकती है।

रोजाना सुबह पीनी शुरू कर दें बस ये 1 चीज, तेजी से बढ़ने लगेगा कोलेजन

अगर आप नेचुरल तरीके से अपनी स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बनाना चाहते हैं, तो आंवला की चाय को अपनी दडाइट का हिस्सा बनाने से आपको कई फायदे होंगे. इसे रोजाना सुबह पीने से आपका कोलेजन तेजी से बढ़ेगा, जिससे आपकी अधिकांश समस्याएं हल हो जाएंगी.

अगर आप चाहते हैं कि आपकी त्वचा हमेशा जवां और चमकदार बनी रहे, तो आंवला चाय को रोजाना सुबह पीना शुरू कर दीजिए. आंवला एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन ष्ट का बेहतरीन स्रोत होता है, जो नेचुरल तरीके से कोलेजन को बढ़ाने में मदद करता है. कोलेजन हमारी त्वचा को टाइट, झुर्रियों से मुक्त और हेल्दी बनाए रखने के लिए जरूरी होता है. जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, शरीर में कोलेजन का प्रोडक्शन कम होने लगता है, जिससे स्किन ढीली और बेजान दिखने लगती है. लेकिन अगर आप अपनी डाइट में आंवला चाय को शामिल कर लेते हैं, तो ये समस्या काफी हद तक कम हो सकती है.कोलेजन हमारे शरीर के लिए बहुत ही जरूरी होता है. कोलेजन सिर्फ स्किन के लिए ही नहीं, बल्कि हड्डियों, जोड़ों और बालों के लिए भी बहुत जरूरी होता है. ये स्किन को टाइट और लचीला बनाए रखता है. आंवला चाय न सिर्फ इसका प्रोडक्शन बढ़ाती है, बल्कि शरीर को अंदर से डिटॉक्स भी करती है, जिससे त्वचा नेचुरली हेल्दी दिखती है. सुबह खाली पेट आंवला चाय पीना सबसे फायदेमंद होता है. हालांकि, जरूरी है कि आंवला चाय के साथ बैलेंस्ड डाइट का सेवन भी लिया जाए.

आंवला चाय बनाने का तरीका

आंवला चाय बनाना बहुत आसान है. इसके लिए आपको बस 1 चम्मच सूखा आंवला पाउडर या 2-3 फ्रेश आंवला के टुकड़े चाहिए. एक कप पानी को उबालें और उसमें आंवला डालें. इसे 5-7 मिनट तक धीमी आंच पर पकने दें. चाहें तो इसमें शहद या नींबू भी मिला सकते हैं. इसे रोज़ सुबह खाली पेट पीने से ज्यादा फायदा मिलेगा. अगर आप इसे अपने मॉर्निंग रूटीन में शामिल करते हैं, तो आपको कई हेल्थ बेनिफिट्स मिलेंगे. इससे ना सिर्फ आपकी स्किन हेल्दी रहेगी, बल्कि डाइजेशन भी सुधरेगा. आंवला चाय पीने से शरीर के टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं और ब्लड प्यूरिफिकेशन होता है, जिससे स्किन नैचुरली क्लियर और ब्राइट दिखती है.

कौन-कौन इसे पी सकता है?

आंवला चाय के साथ-साथ हेल्दी डाइट लेना भी बहुत जरूरी है. हरी सब्जियां, नट्स, सीड्स और प्रोटीन रिच फूड खाने से कोलेजन लेवल मेंटेन रहता है. साथ ही, प्रोसेस्ड फूड और ज्यादा शुगर से बचें क्योंकि ये कोलेजन को तोड़ने का काम करते हैं. पानी ज्यादा पिएं और स्किन को हाइड्रेटेड रखें. आंवला चाय हर उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद है. अगर आपको एसिडिटी या कोई एलर्जी नहीं है, तो आप इसे आसानी से अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं. हालांकि, प्रेग्नेंट महिलाओं और किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे लोगों को इसे पीने से पहले डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए.

जीडीपी की अंधी दौड़ से बढ़ेगा प्रदूषण

खतरनाक रूप से उच्च वायु प्रदूषण के स्तर में वाले शहरों की सूची में अधिक कस्बों और शहरों को जोड़ा जाएगा। प्रदूषण घटाने के प्रयास वस्तुओं व सेवाओं के उत्पादन को और बढ़ाएंगे जो सकल घरेलू उत्पाद में जोड़ देंगे। अधिक संपन्नता के कारण सड़कों पर जीवाश्म ईंधन से चलने वाले मोटर चालित वाहनों की मांग बढ़ेगी। गतिहीन जीवन मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय और कार्डियो-श्वसन समस्याओं जैसी जीवनशैली की बीमारियों को जन्म देगा।

12 मार्च को एक राष्ट्रीय समाचारपत्र के अहमदाबाद संस्करण में एक शीर्षक ने ध्यान आकर्षित किया, %क्या उपभोग की गरमाहट खपत को ठंडा कर सकती है?% विडंबना यह है कि 1930 में 12 मार्च के ही दिन गांधीजी और उनके चुने हुए 79 सत्याग्रहियों ने नमक कानून तोड़ने के लिए सुबह 6 बजे साबरमती आश्रम छोड़ दिया था। यही था सुप्रसिद्ध दांडी मार्च। प्रामाणिक दस्तावेजों में उस ऐतिहासिक दिन के विवरण में असामान्य गर्मी या तापमान में वृद्धि का उल्लेख नहीं किया गया था। 95 साल में मौसम विभाग ने रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अहमदाबाद में 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान के साथ भीषण गर्मी पड़ रही है। उस जमाने में तब शायद ही कोई मध्यवर्गीय अपने घर में पंखा लगे होने का दावा कर सकता था। होली के त्यौहार के समय सुबह ठंडी होती थी और दोपहर में तापमान 35 डिग्री से ऊपर नहीं जाता था। 22 दिसंबर, 1916 को गांधीजी ने इलाहाबाद में अर्थशास्त्रियों के समक्ष व्याख्यान दिया था जिसका शीर्षक था क्या आर्थिक प्रगति वास्तविक प्रगति से टकराती है? 12 मार्च को प्रकाशित इस समाचार में यह प्रश्न पुन- उठाया गया है।समाचार रिपोर्ट में कहा गया है- आधिकारिक मौसम एजेंसी ने चेतावनी दी है कि इस साल अधिक तीव्र गर्मी पड़ेगी। इस चेतावनी में भी उम्मीद की एक परत है क्योंकि तापमान सामान्य से अधिक होता है इसलिए एयर कंडीशनर, कूलर और शीत पेय पदार्थ जैसे उत्पादों की बिक्री में विशेष रूप से मजबूती देखी जाती है। यह मजबूती भारत की शहरी खपत में चल रही मंदी के बीच उपभोक्ता आधारित कंपनियों के लिए राहत प्रदान करता है%। इस संदर्भ में गांधीजी ने अपने व्याख्यान में कहा था- %पश्चिमी देश आज भौतिकवाद के राक्षस-देवता की एड़ी के नीचे कराह रहे हैं। उनका नैतिक विकास अवरुद्ध हो गया है। वे अपनी प्रगति को पाउंड में मापते हैं। साउथ डकोटा अमेरिकी धन मानक बन गया है। वह अन्य राष्ट्रों के लिए ईर्ष्या का विषय है। मैंने अपने कई देशवासियों को यह कहते सुना है कि हम अमेरिकी धन हासिल करेंगे लेकिन इसके तरीकों से बचें। मैं यह सुझाव देने का साहस करता हूं कि यदि ऐसा प्रयास करते हैं तो और यदि यह किया गया था, तो यह विफलता का पूर्वाभास है।% (कलेक्टेड वर्क्स ऑफ महात्मा गांधी, खंड 13, पृष्ठ 310-17)

कयामत के दिन के बारे में गांधीजी द्वारा की गयी भविष्यवाणी भले ही सच साबित न हुई हो लेकिन प्रतिकूल जलवायु परिवर्तन तेजी से महसूस किया जा रहा है। उपर्युक्त समाचार में मुद्दा यह है कि प्रतिकूल जलवायु की स्थिति में भारत के सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ाने की क्षमता है! कोई यह तर्क दे सकता है कि गर्मियों के महीनों (मार्च-जुलाई) में आम तौर पर कुछ उपभोक्ता सामग्रियों, जैसे कोल्ड ड्रिंक, टैल्कम पाउडर, आइसक्रीम आदि की मांग में वृद्धि होती है। हालांकि, पिछले तीन दशकों में फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) सेगमेंट ने बिक्री में 40 से 60 फीसदी के बीच अधिक वृद्धि दिखाई है। तर्क यह है कि गर्मी में लू की घटनाएं जितनी अधिक होती हैं तथा दिन व रात का तापमान जितना अधिक होता है, कूलर और एयर कंडीशनर जैसे शीतलता प्रदान करने वाले उपकरणों की बिक्री उतनी ही अधिक होती है। यदि सर्दियों में शीत लहर चली तो भी इसी तरह के तर्क दिए जाएंगे।उस समय हीटिंग उपकरणों, गर्म कपड़ों और विशेष खाद्य व पेय पदार्थों के अधिक बाजार होंगे।क्या यह एक चक्र नहीं है? और क्या हम इसमें फंस नहीं गए हैं? यह सब ऊर्जा उपयोग में भारी वृद्धि का कारण बनेगा जिनमें से अधिकांश जीवाश्म ईंधन आधारित है। कार्बन और अन्य ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वृद्धि होगी। यह कम कार्बन वाली वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करने के लिए प्रौद्योगिकी और मशीनों में अधिक सार्वजनिक और निजी निवेश को आकर्षित करेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व सुपर ऑटोमेशन कम लागत और प्रतिस्पर्धी होने के लिए काम पर कम लोगों को सहन करेंगे। बेरोजगारों के कल्याण के लिए राज्यों को कल्याणकारी कार्यक्रम और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने वाली खैराती योजनाएं लागू करनी होंगी।खतरनाक रूप से उच्च वायु प्रदूषण के स्तर में वाले शहरों की सूची में अधिक कस्बों और शहरों को जोड़ा जाएगा। प्रदूषण घटाने के प्रयास वस्तुओं व सेवाओं के उत्पादन को और बढ़ाएंगे जो सकल घरेलू उत्पाद में जोड़ देंगे। अधिक संपन्नता के कारण सड़कों पर जीवाश्म ईंधन से चलने वाले मोटर चालित वाहनों की मांग बढ़ेगी। गतिहीन जीवन मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय और कार्डियो-श्वसन समस्याओं जैसी जीवनशैली की बीमारियों को जन्म देगा।सामान्य और सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों के साथ-साथ अधिक पेशेवर व्यायामशालाएं तथा अधिक प्रशिक्षक सामने आएंगे। मोटी फीस लेने वाले विश्वविद्यालयों में इन समस्याओं से निपटने के लिए अधिक तकनीकी और विशेष शैक्षिक पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

ऐसा मालूम होता है या इससे यह संदेश मिल रहा है कि निरंतर जलवायु परिवर्तन में ही जीडीपी वृद्धि की संभावना निहित है। चेतावनी जारी करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) मौजूद नहीं होगा। संयुक्त राष्ट्र (यूएनओ) भी गायब हो जाएगा और इसलिए अन्य समझौते भी समाप्त हो जाएंगे। प्रत्येक देश जीडीपी और इसके निरंतर विकास को अधिकतम करने के लिए स्वतंत्र और स्वायत्त होगा। यूएनओ के बिना 2030 तक वैश्विक स्तर पर गरीबी और भुखमरी को खत्म करना, शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार करना और पर्यावरण की रक्षा करने के लिए निर्धारित 17 लक्ष्यों का सतत विकास लक्ष्य समूह (एसडीजी) बेअसर हो जाएगा।आश्चर्य की बात नहीं है कि गांधीजी ने इसे भौतिकवाद का राक्षस-देवता कहा था। गांधीजी ने कोई धार्मिक उपदेश नहीं दिया लेकिन उन्होंने सीमित भौतिक उन्नति के साथ मनुष्यों की जीवन शैली को विनियमित करने के नैतिक मूल्य के बारे में बताकर धार्मिकता लाई।यह बीमारी कहीं और है और 109 साल पहले गांधी जी हमें दिखाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने लिखा। क्योंकि हम विज्ञान के बारे में पर्याप्त जानते हैं और यह महसूस करने के लिए कि हमारे इस दृश्य ब्रह्मांड में पूर्ण विश्राम या विश्राम जैसी कोई चीज नहीं है ... ऐसा लगता है कि वे स्वर्गीय सर विलियम विल्सन हंटर से प्रभावित हैं जो यह कहते हैं कि भारत के 3 करोड़ लोगों को सिर्फ एक समय का भोजन मिलता है। वे कहते हैं कि इससे पहले कि हम उनके नैतिक कल्याण के बारे में सोच सकें या बात कर सकें, हमें उनकी दैनिक जरूरतों को पूरा करना होगा। इनके साथ ही वे कहते हैं कि भौतिक प्रगति ही नैतिक प्रगति का मंत्र है। फिर अचानक छलांग लगाई जाती है-जो तीन करोड़ का सच है वह ब्रह्मांड का सच है। वे भूल जाते हैं कि कठिन मामले खराब कानून बनाते हैं ... प्रत्येक मनुष्य को जीने का अधिकार है और इसलिए वह खुद को खिलाने के साधन खोजने के लिए और उसे कपड़े पहनने और खुद को घर देने का अधिकार है।उन्होंने आगे कहा- एक सुव्यवस्थित समाज में किसी की आजीविका की सुरक्षा दुनिया में सबसे आसान काम होना चाहिए। वास्तव में, किसी देश में सुव्यवस्था की परीक्षा उसके पास करोड़पतियों की संख्या नहीं है बल्कि इसकी जनता के बीच भुखमरी की अनुपस्थिति है। एकमात्र जांच की जानी है कि क्या इसे सार्वभौमिक अनुप्रयोग के कानून के रूप में निर्धारित किया जा सकता है कि भौतिक उन्नति का अर्थ नैतिक प्रगति है।जलवायु परिवर्तन से हमारे लिए खतरा वास्तविक है। एसडीजी या इसी तरह के लक्ष्यों में परिलक्षित मानव ज्ञान बेलगाम खपत और जीडीपी वृद्धि को रोकने के लिए कहता है। अर्थशास्त्री जो प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों में महान जीडीपी विकास क्षमता देखते हैं, भौतिक प्रगति के राक्षस-देवता के समर्थक बन गए हैं।

संपादकीय

भेदभाव-दमन का परिणाम है ट्रेन अपहरण

पाकिस्तान के अलगाववादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने मंगलवार को जाफर एक्सप्रेस ट्रेन का अपहरण कर संकेत दिया कि बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग करने की मांग खत्म नहीं हुई है। बलूचिस्तान के क्वेटा से सुबह 9 बजे यह ट्रेन पेशावर के लिये निकली थी। दोपहर 1.30 बजे सिब्बी पहुंचने वाली इस ट्रेन को उसके पहले पहाड़ी रास्तों से गुजरना होता है जहां 17 सुरंगें पड़ती हैं। बताया गया कि इसमें लगभग 500 यात्री सवार थे जिनमें 100 से ज्यादा पाक सेना के जवान थे। इसलिये इस ट्रेन के अपहरण और हमले की योजना बनाई गई। पहले भी इस ट्रेन पर हमले हो चुके हैं। इस बार बोलान के माशफाक टनल में अलगाववादियों ने इसे कब्जें ले लिया।

अपहरणकर्ताओं की मांग है कि पाकिस्तान की जेलों में बन्द सभी बलोच नेताओं को छोड़ा जाये। वैसे तो उन्होंने महिलाओं, बच्चों तथा बलूचियों को मुक्त कर दिया लेकिन सैनिकों को कब्जे में रखा हुआ है। कुछ यात्रियों के भी अपने कब्जे में होने का उन्होंने दावा किया है। उन्होंने धमकी दी है कि यदि बलूची नेता रिहा नहीं हुए तो हर घंटे 5 पाक सैनिकों को वे मारेंगे। वैसे पाकिस्तानी सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अनेक बन्धकों को छुड़ा लिया। उनका दावा है कि इस ऑपरेशन में 16 चरमपंथी मारे गये। दूसरी तरफ यह भी बताया जाता है कि अपहरणकर्ताओं ने ट्रेन पर गोले दागे तथा ट्रेन को घेर लिया है। कुछ यात्रियों के मरने की भी खबरें हैं। दुर्गम इलाका होने के कारण वहां बचाव व राहत में मुश्किलें आ रही हैं।

इस घटनाक्रम को समझने के लिये इतिहास में उतरना होगा। जब से भारत को आजादी मिली तभी से बलूचियों की यह मांग रही है कि उन्हें पाकिस्तान से अलग होना है। बलूचियों का मानना रहा है कि अंग्रेजी शासनकाल के पहले से ही उसका स्वतंत्र अस्तित्व रहा है लेकिन जब भारत को आजादी मिली तथा उसे दो मुल्कों में बांट दिया गया तब गलत तरीके से बलूचिस्तान को पाकिस्तान में मिलाया गया। तथ्यात्मक रूप से यह सही भी है। आरम्भिक वर्षों में तो इसकी शांतिपूर्ण तरीके से मांग होती रही लेकिन पाकिस्तान सरकार के दमन से मामला बिगड़ गया। प्रशासन में पंजाब को मिलते महत्व से बलूचिस्तान की वैसी ही उपेक्षा हुई जिस प्रकार सिंध की होती है तथा कभी उसके पूर्वी पाकिस्तान कहे जाने वाले वर्तमान बांग्लादेश की हुई थी। देश के भूगोल में इस प्रांत की 44 फीसदी की हिस्सेदारी है। ईरान, अफगानिस्तान तथा अरब सागर से घिरा यह इलाका प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है लेकिन उसका लाभ यहां के लोगों को बहुत कम मिलता है। पंजाब प्रांत के कारोबारियों का इस पर वर्चस्व है। गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा आदि के अलावा यहां के लोगों को बुनियादी सुविधाओं का बेहद अभाव है। बलूचियों व पश्तूनों वाले इस क्षेत्र की पहचान तथा संस्कृति को मिटाने के आरोप भी पाकिस्तानी सरकार पर लगते रहे हैं- फिर वह चाहे किसी की भी रही हो।

1971 में जब बांग्लादेश की अवाम ने सशस्त्र विद्रोह कर पाकिस्तान से मुक्ति पाई थी, तब यहां भी बलूचिस्तान को स्वतंत्र करने के लिये कई राष्ट्रवादी संगठन बने जिनमें से कुछ ने हथियारबन्द विद्रोह का रास्ता अपनाया। इनमें से कुछ का अस्तित्व पहले से था लेकिन उन सभी को बांग्लादेश की घटना से प्रेरणा एवं उत्साह मिला था। बांग्लादेश के घटनाक्रम से कोई सबक न लेकर पाक सरकार ने पूर्ववत रवैया जारी रखा। उस दौरान जब राष्ट्रवादी संगठनों की हलचलें तेज हुईं तो पाकिस्तानी सेना द्वारा %ऑपरेशन सर्चलाइट% चलाकर हजारों बलूचियों को या तो गिरफ्तार किया गया या मार डाला गया। कई नौजवान लापता हो गये जिनके बारे में कहा जाता है कि वह सेना की ही करतूत थी। बीएलए के सबसे सम्मानित नेताओं में से एक तथा बलूचिस्तान के पूर्व मुख्यमंत्री अकबर खान बुगती की हत्या में पाक सेना का हाथ बतलाया जाता है। सेना की मदद से उनके स्थान पर नवाब खैर बख्श के बेटे बालाच मिरी को प्रांत का सीएम बनाया गया और बाद में उनकी भी हत्या करवाने का आरोप सेना पर लगता रहा है।जुल्फिकार अली भुट्टो के शासनकाल में पाकिस्तान सरकार के खिलाफ बलोचों ने सशस्त्र विद्रोह किया था। अनेक शासकीय संस्थानों पर उन्होंने हमले किये थे। भुट्टो का तख्तापलट होने के बाद आये सैन्य तानाशाह जिया उल हक ने उन नेताओं से बातचीत कर उन्हें आश्वासन दिया था .

नेशनल पीपुल्स कांग्रेस के बाद चीन ट्रम्प के टैरिफ युद्ध के लिए तैयार

चीन की 14वीं नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी)का एक सप्ताह लंबा सत्र मंगलवार 11 मार्च को बीजिंग में सम्पन्न हो गया

जहां एक ओर, 2025 के लिए 5 प्रतिशत आर्थिक विकास लक्ष्य, हरित विकास को लगातार बढ़ावा देना, पड़ोसी देशों के साथ मित्रता बनाने के सिद्धांत और खुलेपन और समावेशिता की चीन की नीति दुनिया की अपेक्षाओं के अनुरूप हैं, वहीं दूसरी ओर, एनपीसी के दो सत्र चीन की लोकतांत्रिक और शासन प्रथाओं का एक केंद्रित थे। दो सत्रों में प्रौद्योगिकी और आजीविका प्रमुख विषयों के रूप में उभरे।चीन की 14वीं नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी)का एक सप्ताह लंबा सत्र मंगलवार 11 मार्च को बीजिंग में सम्पन्न हो गया, ´ राष्ट्रपति और कम्युनिस्ट पार्टी के सुप्रीमो शी जिनपिंग ने स्पष्ट किया कि चीन संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा अपने दूसरे कार्यकाल में वैश्विक व्यवस्था में किये गये व्यवधानों का कूटनीति और देश की अर्थव्यवस्था की बढ़ी हुई ताकत दोनों के माध्यम से सामना करेगा।एनपीसी सत्र, जो संसद की तरह काम करता है, राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा अमेरिका को चीनी वस्तुओं के निर्यात पर बढ़े हुए टैरिफ लगाने की घोषणा के एक दिन के भीतर 5 मार्च को शुरू हुआ। चीन ने तुरंत पारस्परिक टैरिफ वृद्धि लगाने की घोषणा की। 1.4अरब चीनी आबादी के हर वर्ग का प्रतिनिधित्व करने वाले 3,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने राजनीतिक रिपोर्ट पर चर्चा की और ट्रम्प द्वारा बनायी गयी वर्तमान वैश्विक उथल-पुथल से निपटने के तरीके पर अपने विचार व्यक्त किये, और फिर शी जिनपिंग आर्थिक और कूटनीति दोनों के संदर्भ में मजबूत बनकर उभरे।जहां एक ओर, 2025 के लिए 5 प्रतिशत आर्थिक विकास लक्ष्य, हरित विकास को लगातार बढ़ावा देना, पड़ोसी देशों के साथ मित्रता बनाने के सिद्धांत और खुलेपन और समावेशिता की चीन की नीति दुनिया की अपेक्षाओं के अनुरूप हैं, वहीं दूसरी ओर, एनपीसी के दो सत्र चीन की लोकतांत्रिक और शासन प्रथाओं का एक केंद्रित थे।दो सत्रों में प्रौद्योगिकी और आजीविका प्रमुख विषयों के रूप में उभरे। चीन के घरेलू एआई मॉडल डीपसीक के दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ता 300 लाख से अधिक हो गये हैं, बुजुर्गों की देखभाल करने वाले रोबोट अवधारणा से वास्तविकता की ओर बढ़ रहे हैं, और कम ऊंचाई वाली अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन-युआन बाजार में बढ़ रही है। दुनिया चीन की तकनीकी प्रगति को जीवन में सुधार करते हुए देख रही है, यह सहयोग के नये अवसर भी देख रही है।इस वर्ष के सत्रों ने विनिर्माण में विदेशी निवेश प्रतिबंधों को पूरी तरह से हटाने और दूरसंचार और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में बाजार पहुंच को आसान बनाने सहित उच्च-स्तरीय खुलेपन का विस्तार करने के कार्य को और स्पष्ट किया है।14वींएनपीसी के बारे में महत्वपूर्ण बात यह भी है कि जहां ट्रम्प के नेतृत्व में अमेरिका बड़ी संख्या में देशों के साथ व्यापार में तनाव पैदा करने वाली एक अलगाववादी नीति का पालन कर रहा है, वहीं चीन ने व्यापार और निवेश के क्षेत्रों में अन्य देशों के साथ अपने व्यवहार में खुलापन और पारदर्शिता की पेशकश की है। वास्तव में, जहां एक ओर ट्रम्प वैश्वीकरण से पीछे हट रहे हैं, वहीं चीन वैश्वीकरण के नेता के रूप में उस खाली स्थान पर बहुत अधिक व्यवस्थित आधार पर कदम रख रहा है।चीन के 1.4अरब लोगों की खपत उन्नयन की जरूरतें और औद्योगिक परिवर्तन क्षमता वैश्विक वस्तुओं, प्रौद्योगिकियों और सेवाओं के लिए विशाल अवसर प्रदान करती हैं। एआई, हरित ऊर्जा और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में खुलापन और सहयोग वैश्विक तकनीकी क्रांति को गति देगा, जबकि जलवायु परिवर्तन, सार्वजनिक स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय सहयोग में चीन का अनुभव वैश्विक शासन प्रणाली के सुधार में पूरब के ज्ञान में योगदान देता है।चीन के विशेषज्ञों के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रम्प यूक्रेन शांति समझौते को जल्दबाज़ी में करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि वह अपने कार्यकाल के कुछ समय बाद प्रस्तावित शिखर सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का अधिक मजबूती से मुकाबला कर सकें। विशेषज्ञों का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उच्च प्रौद्योगिकी के कई अन्य क्षेत्रों में चीनी वर्चस्व के परिणामस्वरूप ट्रम्प की सौदेबाजी की शक्ति कम हो गयी है, जिस पर पहले अमेरिका का एकमात्र वर्चस्व था। परिणामस्वरूप, जब भी यह शिखर सम्मेलन आयोजित होगा, चीनी राष्ट्रपति ट्रम्प के मुकाबले कहीं अधिक लाभप्रद स्थिति में होंगे।एनपीसी का सत्र चीन के भविष्य के विकास को आकार देने में एक महत्वपूर्ण बिंदु के रूप में कार्य करता है और दुनिया के लिए चीन की नीतियों और अवसरों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण खिड़की है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए, चीन के साथ काम करना परेशानी मुक्त होगा और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की सर्वोत्तम प्रथाओं पर आधारित होगा।जैसा कि पूर्व रक्षा सचिव राहुल सिंह ने द वायर में अपने हालिया लेख में समझाया है, यूक्रेन की खनिज संपदा के 50प्रतिशत पर अमेरिकी नियंत्रण को अमेरिकी हथियारों के हस्तांतरण की लागत से जोड़ना, जिसका अनुमान ट्रम्प ने 350अरब लगाया है, एक चतुराईपूर्ण भ्रामक बात है। चीन के पास दुर्लभ पृथ्वी का सबसे बड़ा भंडार है और गैलियम के वैश्विक उत्पादन का 98प्रतिशत, जर्मेनियम का 60प्रतिशत, ग्रेफाइट का 70प्रतिशत, टंगस्टन का 80प्रतिशत और एंटीमनी का 48प्रतिशत हिस्सा है।इसने गैलियम और जर्मेनियम और अन्य दुर्लभ खनिजों के अमेरिका को निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। अमेरिका को विभिन्न रक्षा अनुप्रयोगों, विशेष रूप से उच्च-स्तरीय अर्धचालकों और अन्य दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं और प्रौद्योगिकियों के निर्माण के लिए इनकी आवश्यकता होती है। चीन ने सेमी कंडक्टर और चिप्स में बड़ी सफलता हासिल की है और कुछ प्रमुख वस्तुओं के लिए पहले अमेरिका पर निर्भरता अब नहीं रही।यह चीनी प्रतिबंध यूक्रेन के खनिज भंडारों, विशेष रूप से गैलियम और जर्मेनियम के उपनिवेशीकरण को आगे बढ़ाने वाला इंजन है। अमेरिकी निर्यात नियंत्रकों द्वारा संवेदनशील वस्तुओं और प्रौद्योगिकियों, विशेष रूप से अर्धचालकों से संबंधित, के वर्षों से व्यवस्थित इनकार के जवाब में, चीन ने संवेदनशील वस्तुओं और प्रौद्योगिकियों की प्रमुख श्रेणियों में आत्मनिर्भरता के लिए भारी निवेश किया है।चीन सौर और दुर्लभ भूसामग्री जैसी हरित प्रौद्योगिकी में अग्रणी के रूप में उभरा है, जहां खनन से प्रसंस्करण तक की पूरी आपूर्ति श्रृंखला का स्वामित्व उसके पास है। यह अपने उच्च और मध्यम तकनीक उद्योगों को शक्ति प्रदान करने के लिए दुनिया में सबसे अधिक संख्या में उच्च गुणवत्ता वाले स्टेम स्नातकों का उत्पादन करता है। यह खनन और खनिज, धातुकर्म और रासायनिक इंजीनियरिंग वस्तुओं में विश्व में अग्रणी है। चीन के विशेषज्ञ इस तथ्य का विशेष उल्लेख करते हैं कि अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियां, जो हमेशा चीन में अपने निवेश से लाभान्वित होती रही हैं, व्यथित हैं और बहुत जल्द, ट्रम्प को उनसे प्रतिक्रिया मिलनी शुरू हो जायेगी।विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) द्वारा वैश्विक व्यापार नियम बनाये जाते हैं। ट्रम्प डब्ल्यूटीओ के मौजूदा नियमों की परवाह किये बिना एकतरफा निर्णय ले रहे हैं। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में चीन वैश्विक व्यापार और कूटनीति में अमेरिका के मुकाबले खुद को अधिक लाभप्रद स्थिति में रखने के लिए ट्रम्प के व्यवधानों के खिलाफ सावधानी से आगे बढ़ रहा है। सप्ताह भर चलने वाली नेशनल पीपुल्स कांग्रेस में विचार-विमर्श चीनी सरकार को सामूहिक रूप से अपनी भू-आर्थिक और राजनीतिक रणनीति को अपडेट करने में सक्षम बनाने के लिए सही समय पर किया गया।

हर बच्चा अलग होता है, खास होता है और बेहद प्यारा होता है। अपने बच्चे की परवरिश के दौरान यह जरूर याद रखें। अपने बच्चे को अपनी तरह से जीने के लिए तैयार करें, ना कि किसी दूसरे के बच्चे की तरह। इससे वह भी खुश रहेगा और आप भी।

आपका बच्चा है सबसे खास

शिवानी बचपन में खासी जिद्दी थी। खाना खाने के नाम पर बिस्तर के नीचे घुस जाती। मां और दादी को खूब चिरौरी करके उसे खाना खिलाना पड़ता। अगर उसका स्कूल यूनिफॉर्म जरा सा भी मैला होता, तो वह स्कूल ही जाने से इनकार कर देती। चोटियों की रिबन एक लेवल पर बंधी होनी चाहिए, शूज के लेस अगर उन्नीस-बीस भी बंधे होते, तो वह खड़े-खड़े रोने लगती। शिवानी ने बाद के दिनों में अपनी जिद पर काबू पा लिया। खासकर जब उसकी बेटी रूही हुई, तो उसे लगा कि वह भी उसी की तरह जिद्दी होगी। पर नहीं। रूही जिद्दी नहीं थी, पर अपनी मां की तरह चुप नहीं बैठती थी। तरह-तरह की कहानियां बनाने का गजब का शौक था रूही को। एक दिन अपनी टीचर से कह आई कि मेरी मां रात को परी लोक चली जाती है और सुबह लौट कर आती है। उसने टीचर से यह भी कहा कि उसके घर में एक राक्षस रहता है। टीचर ने शिवानी को बुलवाया और जब उसे रूही की कहानी के बारे में बताया, तो शिवानी चौंक गई। स्कूल के बाल मनोविज्ञान विशेषज्ञ डॉक्टर सी.के. चंद्रा ने बताया कि हर बच्चा अलग होता है। यह जरूरी नहीं कि वह अपने पेरेंट्स की तरह हो। इसलिए हर बच्चे की परवरिश अलग तरह से होनी चाहिए। पेरेंटिंग का वैसे भी कोई तयशुदा फॉर्मूला नहीं होता। अगर बच्चा जिद्दी है, एग्रेसिव है, शर्मीला है या खाने से जी चुराता है, उसे समझाने के लिए आप एक तरह का रवैया नहीं अपना सकते। जरूरी बात तो यह है कि आप अपने बच्चे को वह जैसा है, वैसा ही अपनाएं। उसके मूल स्वभाव को बदलने की कोशिश ना करें। नौ साल की रंजिनी अच्छा गाती थी, पर दूसरों के सामने गाते समय वह हकलाने लगती थी। रंजिनी की मम्मी पायल चाहती थी कि उसकी बेटी संगीत के रियलिटी शो का हिस्सा बने। रंजिनी स्टेज पर पहुंच कर हकलाने लगी और जज ने उसका मजाक बना दिया। इस घटना का रंजिनी पर इतना बुरा असर पड़ा कि वह डिप्रेशन का शिकार हो गई। वह अब किसी से भी बिना हकलाए बोल नहीं पाती। डॉक्टर मधुमती कहती हैं, 'पेरेंट्स अपने बच्चे की तुलना दूसरे बच्चे से करते हैं। यह गलत है। बच्चों से उस बात की अपेक्षा करिए, जो उनकी पहुंच के अंदर हो। किसी भी तरह का अनावश्यक दबाव उन्हें या तो विद्रोही बना देता है या दब्बू।'

आपका बच्चा कैसे है खास?

जब पहली बार अपने मुंह से वह मां कहता है, आपकी जिंदगी बदल जाती है। आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका बच्चा कैसा दिखता है, आपके लिए वह संसार का सबसे अनमोल रत्न है। हर बच्चे की जरूरत अलग होती है। आपका बेटा दिन में सिर्फ दो बार दूध पीता है, बेटी चार बार पीती है। बेटा साइंस में कमजोर है और बेटी को भाषा संबंधी दिक्कतें ज्यादा होती हैं। उनकी जरूरतों और पसंद के हिसाब से आपको उनके भविष्य की तैयारी करनी होगी। दस साल तक के बच्चे लगभग हर बात के लिए पेरेंट्स पर निर्भर करते हैं और सबसे ज्यादा विश्वास अपने माता-पिता पर ही करते हैं।

बच्चों के साथ ये कभी ना करें

बच्चों की छोटी से छोटी समस्या की अनदेखी ना करें। हो सकता है वह आपको अपने से जुड़ी कोई बड़ी बात बताना चाह रहा हो। आपका बच्चा आपकी जिंदगी में रोशनी का काम करता है। पर आप उसका इस्तेमाल अपने स्वार्थ के लिए ना करें। आपका सपना आपका है, बच्चे का नहीं। अगर आप डॉक्टर नहीं बन पाए, तो बच्चे को इसके लिए फोर्स ना करें। वह अगर बनना चाहता है, उसकी दिलचस्पी है, तो उसे आगे बढ़ने में मदद करें। अपने रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए बच्चों से राजनीति ना करवाएं। बच्चे को घर में दूसरे रिश्तेदारों के खिलाफ ना भड़काएं। वे इससे कन्फ्यूज्ड हो जाते हैं और अपना संतुलन खो देते हैं। बच्चे की सीमा को जानें। उस पर सीमा से आगे बढ़ने का दबाव ना डालें। अगर आपके बच्चे को कोई तन या मन से जुड़ी समस्या है, तो उसे स्वीकार करें। बच्चे बहुत सेंसिटिव होते हैं और मां-पिता की बेचारगी भांप लेते हैं।

पांच बातें जरूर रखें याद

अगर आपका बच्चा पढ़ाई से जी चुराता है, तो निश्चित ही वह ट्यूशन जाने से भी बचेगा। सबसे पहले यह जानने की कोशिश कीजिए कि उसे पढ़ना क्यों नहीं पसंद? कहीं वह डिस्लेक्सिक या स्लो लर्नर तो नहीं? अगर नहीं, तो वह जब पढ़ने बैठे तो उसके साथ बैठें और उसे आसान शब्दों में समझाने की कोशिश करें। हो सकता है इसकी तैयारी आपको पहले से करनी पड़े। शर्मीले बच्चों को उनकी खोल से निकालने के लिए उन्हें अपने साथ किसी क्लब में या बच्चों के ग्रुप में खेलने ले जाएं। शर्मीले बच्चे धीरे रिएक्ट करते हैं। लेकिन अपना काम बखूबी करते हैं। उनको स्पेस दें और उनके काम की तारीफ करें। आप जितना समय उनके साथ बिताएंगी, वे दूसरों के साथ उतनी जल्दी सहज होते जाएंगे। हाइपर एक्टिव बच्चे को हर वक्त किसी काम में लगाएं। उनको एक दिन पहले ही दूसरे दिन के काम के बारे में बता दें। कभी बागवानी, तो कभी क्राफ्ट, कभी पेंटिंग तो कभी खेल-कूद। इन बच्चों को अगर चुपचाप घर बैठने को कहेंगी, तो ये तोड़-फोड़ मचाना शुरू कर देंगे। इनकी एनर्जी सही जगह पर लगाएं। वैसे हाइपर बच्चे जल्दी ही किसी काम से बोर भी हो जाते हैं, पर जो भी काम करते हैं, दिल से करते हैं। झूठ बोलने वाले या ज्यादा गपबाजी करने वाले बच्चे अपनी दुनिया के शहंशाह होते हैं। इनकी बातों पर बहुत ध्यान ना दें, ना ही गंभीरता से लें। अगर आप रस लेकर उनकी बातें सुनेंगी, उनकी बातों को चटखारे लेकर दूसरों को बताएंगी, तो उनकी यह आदत बढ़ती जाएगी। बात-बात पर रोने वाले या घबरा जाने वाले बच्चों में आत्मविश्वास की कमी होती है। घर का माहौल अगर स्वस्थ नहीं है, कोई बीमार है, झगड़ा ज्यादा होता है या पैसे की तंगी है, तो बच्चों में आत्मविश्वास की कमी होने लगती है। बच्चे पर इनका असर ना पड़ने दें। बच्चे को इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि उसकी स्कूल की फीस कितनी है, उसे घर और स्कूल में पढ़ाई का माहौल चाहिए। वह ऐसे लोगों के बीच रहना चाहता है, जहां वह अपने आपको सुरक्षित महसूस करता हो।

गर्भवती मां की सबसे बड़ी चिंता

भारत में लगभग 87 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं की सबसे बड़ी चिंता यह होती है कि गर्भधारण और बच्चे के जन्म के बाद वो कैसी दिखेंगी। 600 महिलाओं पर किए गए सर्वे के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है। सर्वे में शामिल 76 प्रतिशत महिलाओं ने माना कि प्रेग्नेंसी के दौरान उन्हें कभी-कभी बहुत बुरा लगता है, क्योंकि आसपास के सभी लोगों का सबसे ज्यादा ध्यान होने वाले बच्चे पर होता है, जबकि शारीरिक बदलाव और दर्द के दौर से वो गुजर रही होती है। वहीं, 93 प्रतिशत महिलाओं ने माना कि उन्हें लगता है कि उनके पति चाहते हैं कि बच्चे के जन्म के बाद उनका फिगर पहले जैसा हो जाए। 90 प्रतिशत महिलाओं के लिए सबसे बड़ी चिंता प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाले स्ट्रेच मार्क्स होते हैं।

आपकी शादी को खास बनाती हैं ये सामग्री

भारतीय शादी से जुड़े रीति-रिवाजों की तुलना किसी अन्य देश के रीति-रिवाजों से नहीं की जा सकती। हर दिन इस्तेमाल में आने वाली आम चीजें, शादी की रीति-रिवाजों में खास हो जाती हैं। पान, सुपारी और हल्दी जैसी चीजें कैसे बनाती हैं आपकी शादी को खास।

खूबसूरत त्वचा के लिए हल्दी

शादी से जुड़ी सबसे आम रस्म है हल्दी लगाना। शादी से एक दिन पहले दूल्हा और दुल्हन को शादीशुदा महिलाएं हल्दी लगाती हैं। पारंपरिक रूप से हल्दी की इस विधि में दुल्हन पीले रंग का कपड़ा पहनती है। हल्दी के कार्यक्रम के बाद दूल्हा और दुल्हन को एक-दूसरे से मिलने की इजाजत नहीं होती है। हल्दी, बेसन और तेल को मिलाकर इस दिन के लिए उबटन बनाया जाता है। हल्दी में एंटीसेप्टिक गुण होता है, वहीं बेसन त्वचा को साफ करके उसमें चमक लाता है और तेल त्वचा को जरूरी नमी प्रदान करके उसकी खूबसूरती बढ़ाता है। कई बार इस उबटन में चंदन और केसर भी मिलाया जाता है ताकि त्वचा की खूबसूरती और बढ़ सके।

समृद्धि का प्रतीक है चावल

भारतीय खानपान में चावल का प्रमुखता से इस्तेमाल होता है और चावल के इसी गुण के कारण उसे शुद्ध और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। शुद्धता के इस प्रतीक का इस्तेमाल हमारे यहां के समारोह और रीति-रिवाजों में बहुलता से किया जाता है। हिंदू विवाह के दौरान नए जोड़े को आशीर्वाद देने के लिए उनके ऊपर चावल छिड़का जाता है। ऐसी मान्यता है कि चावल नकारात्मक चीजों को दूर भगाता है, इसलिए विवाह के दौरान प्रज्वलित अग्नि में दूल्हे के द्वारा चावल भी डाला जाता है। घर की देवी को भी चावल अर्पित किया जाता है। शादी के बाद विदाई के वक्त दुल्हन अपने हाथों में चावल भरकर उसे अपने सिर के पीछे की ओर फेंकती है, वहीं अपने ससुराल पहुंचकर वह चावल से भरे बरतन को अपने पैरों से गिराकर घर में प्रवेश करती है। इन दोनों रिवाजों के माध्यम से दुल्हन यह प्रार्थना करती है कि उसके मायके और साथ ही साथ उसके ससुराल में समृद्धि हमेशा बनी रहे।

पान-सुपारी भी हैं खास

हर धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ-साथ शादी से जुड़े विभिन्न विधि-विधानों का अहम हिस्सा है पान और सुपारी। कई धार्मिक रीति-रिवाजों में तो सुपारी को देवी का प्रतीक भी माना जाता है। वहीं, पान का पत्ता ताजगी और समृद्धि का प्रतीक है। कई हिंदू विवाह में पान के पत्ते को दूल्हा और दुल्हन के सिर पर लगाया जाता है। दूल्हे के परिवार का स्वागत भी पान के पत्ते से किया जाता है और अमूमन शादी की हर विधि में पान के पत्ते का इस्तेमाल होता है। वहीं, पान का पत्ता और नारियल सभी मेहमानों को धन्यवाद के प्रतीक के रूप में भी दिया जाता है।

शुद्ध नदियों का प्रतीक पानी

शादी के विभिन्न रीति-रिवाजों में पानी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल होता है। पानी शुद्ध नदियों का प्रतीक है। इसे जिंदगी और जीवन चक्र का आधार माना जाता है। सभी धर्म और समुदाय में सफाई करने के लिए, सेहत को बेहतर बनाने के लिए, अच्छे भविष्य और समृद्धि के लिए शादी के रीति-रिवाजों में पानी का इस्तेमाल किया जाता है।

इनका भी होता है इस्तेमाल

- आम, केला, नीम और तुलसी के पत्तों का इस्तेमाल भी शादी के विभिन्न रीति-रिवाजों में किया जाता है। ये सभी पत्ते शुद्धता के प्रतीक हैं।
- जब दुल्हन गृह-प्रवेश करती है, उस समय गुड़ खिलाकर उसका स्वागत किया जाता है। शादी के बाद के विभिन्न रिवाजों में दही का इस्तेमाल भी होता है।
- घी को पवित्र माना जाता है और शादी के अमूमन सभी रिवाजों में घी का इस्तेमाल दीप जलाने के लिए किया जाता है।
- कई समुदायों में दुल्हन के पैर धोने के लिए दूध और नारियल पानी का इस्तेमाल किया जाता है।

बस 5 मिनट और आप तैयार

वक्त कम है। ढेर सारा काम है। पर खूबसूरत तो दिखना ही है ना! सिर्फ पांच मिनट में कैसे तैयार हों, ताकि वक्त की कमी आपकी खूबसूरती को निखारने की राह में न आए।

- पांच मिनट के भीतर आप तैयार हो सकती हैं, बशर्ते आपकी आईब्रो सही शेप में हो, आपकी त्वचा भीतर से खूबसूरत हो, आपने वैक्सिंग करवा रखी हो और आपमें किसी भी लुक को अपना बनाने का आत्मविश्वास हो। त्वचा को खूबसूरत बनाने के लिए संतुलित और पोषक खाना खाएं और ढेर सारा पानी पिएं। वही अपने वॉर्डरोब में मिक्स-एंड-मैच करने वाले कपड़े रखें, ताकि कहीं बाहर जाने से पहले कपड़े तलाशने में आपको वक्त जाया न करना पड़े।
- मेकअप शुरू करने से पहले त्वचा पर प्राइमर लगाएं। प्राइमर त्वचा को नमी और पोषण देने के साथ-साथ उसे मुलायम भी बनाता है। प्राइमर को आप फाउंडेशन भी कह सकती हैं। मेकअप करने के लिए ग्लो अप प्राइमर का इस्तेमाल करें। इससे आपकी त्वचा की रंगत एक जैसी दिखेगी और साथ ही उसमें चमक भी आएगी। ग्लो अप प्राइमर एक्ने और अन्य दाग-धब्बों के निशान को भी छुपा देता है। आंखों के लिए नियॉन रंग के आईलाइनर का इस्तेमाल करें। सी ग्रीन, ऑरेंज और एप्पल ग्रीन रंग के आईलाइनर आजकल चलन में हैं। इसके साथ आंखों में काजल, बड़ी बिंदी और लिपस्टिक आपके पूरे लुक को कई गुना बेहतर बना देंगे।
- एक सामान्य-सी ड्रेस को एक्सेसरीज की मदद से आप बेहद खास ड्रेस में तब्दील कर सकती हैं। ए लाइन सलवार-सूट पूरी तरह से आउट ऑफ फैशन हो चुके हैं। अनारकली सूट या मिक्स एंड मैच सलवार-सूट और उसके साथ एक साधारण-सी चोटी से आपको बहुत खूबसूरत लुक मिलेगा। अगर मौका कोई खास है और आप साड़ी पहनने की सोच रही हैं तो उसके साथ कमरबंध भी पहन सकती हैं। इसके अलावा आप अपनी साड़ी को बंगाली स्टाइल में पहनकर उसके साथ चाबी के छल्ले को एक्सेसरीज के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं।
- आपके पूरे लुक का एक अहम हिस्सा है, हेयर स्टाइल। पर, जरूरी नहीं है कि जो हेयरस्टाइल आपकी मम्मी पर बहुत अच्छा लग रहा है, आप पर भी अच्छा लगे। इसलिए अपनी पर्सनैलिटी और लुक को ध्यान में रखते हुए ही अपना हेयरस्टाइल चुनें। फिश टेल चोटी, ढीली पोनीटेल, फ्रेंच जूड़ा और लो जूड़ा भी आप बना सकती हैं। इसके साथ गजरा या अन्य फ्लोरल एक्सेसरीज का इस्तेमाल करना न भूलें।
- जंक ज्वेलरी और डायमंड ज्वेलरी का चलन अब कम हो रहा है। सोने की ज्वेलरी फिर से चलन में है। अगर आपकी ड्रेस से मैच करती कुंदन ज्वेलरी आपके पास है, तो आप उसे भी पहन सकती हैं।

रसोई घर में ही इतनी दवाइयाँ ! हेल्थ प्लस भीषण गर्मी की समस्या लू

हमारे साथ अकसर ही होता है कि कोई भी छोटी-मोटी तकलीफों के लिए भी हमें डॉक्टर के पास दौड़ना पड़ता है। यदि आप खुद घरेलू चीजों के गुणों के बारे में जानते हों तो शायद आपकी कुछ परेशानी तो दूर हो ही सकती है। आप को खुद यह जानकर आश्चर्य होगा कि आपके हमारे साथ अकसर ही होता है कि कोई भी छोटी-मोटी तकलीफों के लिए भी हमें डॉक्टर के पास दौड़ना पड़ता है। यदि आप खुद घरेलू चीजों के गुणों के बारे में जानते हों तो शायद आपकी कुछ परेशानी तो दूर हो ही सकती है। आप को खुद यह जानकर आश्चर्य होगा कि आपके रसोई घर में ही इतनी दवाइयाँ होती हैं कि आप छोटी समस्याओं पर खुद ही काबू पा सकती हैं।

साँस की बदबू मिटाए इलायची

साँस की बदबू एक आम समस्या है। आप इसके लिए सुबह या शाम माउथ वॉश इस्तेमाल कर सकते हैं। परंतु दिन में क्या उपाय हो यह सोचने की बात है। इसका सबसे अच्छा उपाय इलायची है। जिसका कोई साइड इफैक्ट भी नहीं होता। इलायची भारत में ही नहीं, अरब देशों में भी खूब इस्तेमाल की जाती है। इसमें एंटीसेप्टिक 'सिनोल' द्रव होता है, जो साँसों में दुर्गंध पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मारता है। यदि आपकी साँस में ज्यादा बदबू हो तो इसे हटाने के लिए इलायची के बीज कुछ देर तक चबाएँ और फिर थूक दें।

कफ दूर करे अजवायन

गले में खराश और कफ की वजह से चल रही खाँसी कितना परेशान करती है इसका अनुभव आपको भी होगा ही। आप तुरंत आराम चाहती हैं जबकि डॉक्टर से आपका अपाइंटमेंट शाम का है। ऐसे में आपको अजवायन का सहारा लेना चाहिए। अजवायन न सिर्फ खाँसी दूर करती है, बल्कि यह जमे हुए बलगम को भी बाहर निकालकर आपकी श्वास-नली को साफ करती है। यह शक्तिशाली एंटीसेप्टिक भी है। ज्यादा कफ होने की स्थिति में एक कप खौलते पानी में एक या दो चाय के चम्मच भर अजवायन 10 मिनट तक उबालें। इस प्रकार तैयार की हुई चाय को दिन में 3 बार पिएँ।

अजवायन साइनस की तकलीफ को भी दूर करने में सहायक होती है। अगर आपको साइनस की समस्या है तो आपको अजवाइन जैसी गर्म और खुश्क वनस्पति की जरूरत है। अजवाइन श्वसन तंत्र के इन्फेक्शन का पारंपरिक इलाज तो है ही, यह एक शक्तिशाली एंटीवायरल और एंटीबैक्टीरियल वनस्पति भी है। अजवाइन की एक-दो चम्मच सूखी पत्तियाँ एक कप गर्म पानी में 10 मिनट तक भिगोएँ। इस प्रकार तैयार किया गया काढ़ा दिन में तीन बार पीने से लाभ मिलता है।

डायरिया दूर करे दालचीनी

सबसे आम समस्या पेट की खराबी होती है। दस्त लगने पर डिहायड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में दालचीनी बहुत ही फायदा करती है। दालचीनी की चाय बनाकर पीने से लाभ मिलता है। दालचीनी एक प्राकृतिक एस्ट्रिजेंट (दस्त बांधने वाली) है, जो आंतों से पानी कम करती है। एक कप गर्म पानी में एक चम्मच दालचीनी पावडर डालें और 10-15 मिनट तक इसे भिगो दें फिर उबाल कर पी लें।

बेहतर महसूस कीजिए अदरक से

अदरक में एक तत्व पाया जाता है जिसे 'थ्रोम्बोक्सेन ए-2' के नाम से जाना जाता है। यह रक्त-वाहिकाओं को चौड़ा करने वाले तत्त्वों को नष्ट होने से बचाता है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो अदरक, रक्त प्रवाह को संतुलित करता है, जो माइग्रेन को रोकने के लिए जरूरी है। सिरदर्द से बचे रहने के लिए पिसी हुई ताजा अदरक जूस में डालकर पिएँ। रोज खाने में भी ताजे अदरक का इस्तेमाल काफी फायदेमंद होता है। अदरक कब्ज का भी दुश्मन है। बेहतर नतीजे के लिए ताजा अदरक लेकर कुचलें और एक चम्मच अदरक को एक कप गर्म पानी में 10-15 मिनट तक भीगने दें। फिर अदरक को छानकर पानी पी जाएँ।

गैस भगाए पुदीना

गैस का उधम किसी आतंक से कम नहीं होता है। गैस आपकी दिनचर्या को अस्त-व्यस्त कर देती है। गैस बढ़ने की एक वजह तनाव भी है। मिंट की चाय पीकर आप गैस के प्रकोप को मिटा सकते हैं, क्योंकि आपके पाचन तंत्र की यात्रा करते समय यह गैस को शांत करती चलती है। इसलिए इससे तुरंत आराम मिलता है। गैस से छुटकारा पाने के लिए सुबह-शाम एक-एक कप मिंट की चाय पिएँ। मिंट पुदीने के वर्ग का ही पौधा है। यह न मिलने पर पुदीना ले सकते हैं।

पेट की जलन शांत करे हल्दी

यदि आपने खूब तीखा तेल वाला भोजन लिया है और अब आप पेट की जलन से परेशान हैं तो तुरंत थोड़ी हल्दी खा लें। फौरन आराम मिलेगा।

दाँतों का दोस्त लौंग

दाँत में दर्द हो रहा हो तो लौंग के तेल की दो बूंद रूई के फाहे पर डाले और उसे दर्द वाले दाँत पर रख लें। यदि लौंग का तेल न हो तो पूरी लौंग को दर्द वाले हिस्से के वहाँ दबा दें। इसी तरह लौंग का तेल सर्दी, फ्लू और पैरों में होने वाल फंगल इन्फेक्शन में भी बहुत फायदा करता है।

तिल भी दाँत दर्द दूर करने में सहायक होता है। तिल में करीबन सात दर्दरोधी तत्व पाए जाते हैं। एक हिस्सा तिल और तीन हिस्से पानी लेकर उबालें, जब तक यह जलकर आधा न रह जाए। इसे ठंडा कर लें और फिर इससे दाँतों को साफ करें। होती हैं कि आप छोटी समस्याओं पर खुद ही काबू पा सकती हैं।

क्या है लू ?

गरमी के दिनों में गरम हवाएँ चलती हैं, इसे लू कहते हैं। इन्हें कुछ लोग तो सहन कर जाते हैं, लेकिन कुछ लोग सहन नहीं कर पाते और लू का शिकार हो जाते हैं।

लू की घरेलू चिकित्सा यहाँ प्रस्तुत है-

लक्षण -

- रोगी का बैचेन और उदासीन दिखना । नियमित काम करने मे अनिच्छा।
- नाडी की गति अधिक बढ जाने के फलस्वरुप रोगी का तापमान 104-105 तक हो जाना।
- बार-बार प्यास लगना।
- अधिक तापमान के कारण बेहोश हो जाना।
- चेहरा लाल, सर दर्द, जी मिचलाना और उल्टियाँ होना।

प्राथमिक उपचार -

- रोगी के शरीर को ठंडा करें, बर्फ की पट्टियाँ रखें और यदि रोगी होश मे है तो तापमान कम करने के लिये तुरन्त नहलायें । कमरे मे पंखे, कूलर या एसी जो भी सुविधा हो उसे बन्द न करें।
- नाडी और तापमान हर आधे घंटे पर देखते रहें।
- यदि रोगी होश मे है तो निर्लजीकरण पर ध्यान रखें और ग्लूकोज और नमक या ओ.आर.एस. युक्त पानी लगातार देते रहें।
- कोई भी औषधि देने के पहले चिकित्सक की राय लें।
- लू से बचाव के लिये घर से निकलने समय खाली पेट न निकलें, ताजा खाना खायें, आम और पोदीना का पन्ना, दही का मट्ठा, नीबू की शिकर्जी, प्याज का अधिक प्रयोग लू से बचाव करने मे कारगर है। बासी खाने, चाट, और जहाँ तक संभव हो गर्मी के दौरान माँसाहारी खाने से बचें।

लू से बचने के घरेलू उपाय

- धनिए को पानी में भिगोकर रखें, फिर उसे अच्छी तरह मसलकर तथा छानकर उसमें थोड़ी सी शकर मिलाकर पीने से गरमियों में लू से राहत मिलती है।
- मेथी की सूखी पत्तियों को ठंडे पानी में कुछ समय भिगोकर रखें, बाद में उसे हाथ से मसलकर छान लें, इस पानी में थोड़ा सा शहद मिलाकर दो-दो घंटे पर रोगी को पिलाएँ, इससे लू से तुरंत छुटकारा मिलता है।
- इमली के बीज को पीसकर उसे पानी में घोलकर कपड़े से छान लें। इस पानी में शकर मिलाकर पीने से लू का शमन होता है।
- भुना हुआ आम और प्याज पीसकर लेप करना लाभदायक होता है।
- लू से बचने के लिए दोपहर के समय बाहर नहीं निकलना चाहिए। अगर बाहर जाना ही पड़े तो सिर व गर्दन को तौलिए या अंगोछे से ढँक लेना चाहिए। अंगोछा इस तरह बाँधा जाए कि दोनों कान भी पूरी तरह ढँक जाएँ।
- गर्मी के दिनों में हल्का व शीघ्र पचने वाला भोजन करना चाहिए। बाहर जाते समय खाली पेट नहीं जाना चाहिए।
- गर्मी के दिनों में बार-बार पानी पीते रहना चाहिए ताकि शरीर में जलीयांश की कमी नहीं होने पाए। पानी में नींबू व नमक मिलाकर दिन में दो-तीन बार पीते रहने से लू नहीं लगती।
- गर्मी के दौरान नरम, मुलायम, सूती कपड़े पहनना चाहिए जिससे हवा और कपड़े शरीर के पसीने को सोखते रहते हैं।
- गर्मी में ठंडाई का सेवन नियमित करना चाहिए। मौसमी फलों का सेवन भी लाभदायक रहता है जैसे, खरबूजा, तरबूज, अंगूर इत्यादि।
- गर्मी के दिनों में प्याज का सेवन भी अधिक करना चाहिए एवं बाहर जाते समय कटे प्याज को जेब में रखना चाहिए।

होम्योपैथिक उपचार -

ग्लोनाईन (Glonine) इस रोग की प्रधान दवा है। इससे आराम न मिलने पर बेलोडोना (belladona)। 30 पोटेन्सी मे दवा का चुनाव करें और 15-15 मिनट के अन्तर पर प्रयोग करें। आराम मिलने पर दवा का अन्तर बढायें। camphor, opium, bellis pernis भी अपने अपने विशिष्ट लक्षणों के अनुसार मुख्य दवाओं की श्रेणी मे आती है और एक कुशल होम्योपैथ की सलाह दवा प्रयोग करने के पहले अवशय लें । सनस्ट्रोक होने के बाद की हालत मे अगर रोग पुराना रुप धारण कर रहा है तब agaricus, anacardium और थोडी सी धूप मे सर दर्द बढने पर natrum mur, natrum carb और baryta carb की व्यवस्था करे।

बेहोशी की हालत मे रोगी को औषध सेवन करने की क्षमता न रहने पर चुनी हुई औषधि को सफ कपडे या रुमाल मे रख कर सुघांये और बाद मे आरम मिलने पर दवा पीने को दें ।

घमौरियों से पाएँ निजात

बेसन को पानी में घोलकर घमौरियों वाले स्थान पर इसका लेप करें।

चंदन पावडर और धनिया पावडर को बराबर मात्रा में मिलाकर इनमें गुलाबजल मिलाकर गाढ़ा लेप बनाएँ तथा इस लेप को शरीर पर कुछ देर लगाकर ठंडे पानी से धो से धो लें।

नहाने से पहले जौ के आटे को पानी में मिलाकर इस पेस्ट को बदन पर लगाएँ और कुछ देर बाद ठंडे पानी से नहा लें।

हाई ब्लड प्रेशर के घरेलू उपचार

हाई ब्लड प्रेशर में चक्कर आने लगते हैं, सिर घूमने लगता है, रोगी का किसी काम में मन नहीं लगता। उसमें शारीरिक काम करने की क्षमता नहीं रहती और रोगी अनिद्रा का शिकार रहता है।

इस रोग का घरेलू उपचार भी संभव है, जरूरत है संयमपूर्वक नियम पालन की।

- तीन ग्राम मेथीदाना पावडर सुबह-शाम पानी के साथ लें। इसे पंद्रह दिनों तक लेने से लाभ मालूम होता है। यह डायबिटीज में भी लाभकारी है।
- गेहूँ व चने के आटे को बराबर मात्रा में लेकर बनाई गई रोटी खूब चबा-चबाकर खाएँ, आटे से चोकर न निकालें।
- तरबूज के बीज की गिरि तथा खसखस अलग-अलग पीसकर बराबर मात्रा में मिलाकर रख लें। एक चम्मच मात्रा में प्रतिदिन खाली पेट पानी के साथ लें।
- नियमित रूप से छाछ दिन में भोजन के बाद जरूर लें।
- हाई ब्लडप्रेशर के मरीजों के लिए पपीता भी बहुत लाभ करता है, इसे प्रतिदिन खाली पेट चबा-चबाकर खाएँ।
- 21 तुलसी के पत्ते तथा सिलबट्टे पर पीसकर एक गिलास दही में मिलाकर सेवन करने से हाई ब्लडप्रेशर में लाभ होता है।
- पाँच तुलसी के पत्ते तथा दो नीम की पत्तियों को पीसकर 20 ग्राम पानी में घोलकर खाली पेट सुबह पिएँ। 15 दिन में लाभ नजर आने लगेगा।
- तुलसी का रस एक या दो चम्मच पानी में मिलाकर खाली पेट सेवन करें। इसके एक घंटे बाद तक कुछ भी न खाएँ।
- ठंडे पानी से नहाने के बजाय गुनगुने पानी से नहाएँ, साथ ही अधिक नमक व अधिक चीनी का इस्तेमाल हानिकारक है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2018

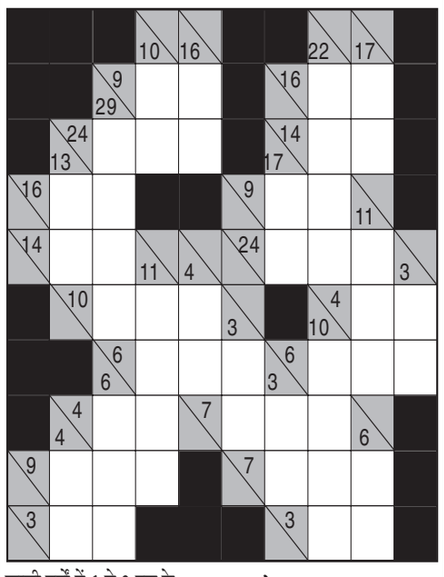

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

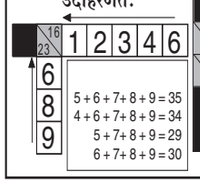

काकुरो - 2017 का हल

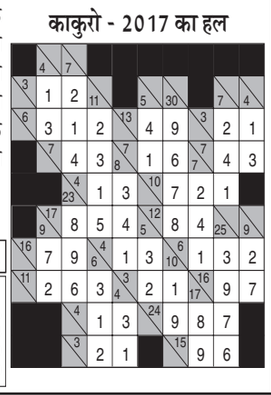

लॉफिंग ज़ोन

एक चोर अदालत में अपनी गवाही देने खुद ही खड़ा हो गया। वहाँ खड़ा होकर जब वह अनाप-शनाप बकने लगा तो न्यायाधिश ने झुँझलाकर कहा- तुमको तो ठीक से झूठ भी नहीं बोलना आता।

चोर- तो मैं क्या करूँ महोदय।

न्यायाधिश- तुम एक वकील को अप्वाइंट क्यों नहीं कर लेते। ताकि तुम आसानी से झूठ बोल सको।

□ □ □

ब्यूटी-क्लीनिक पहुँची एक महिला डॉक्टर से बोली- मेरे चेहरे को और सुंदर बनाने के लिए क्या फीस लगेगी?

डॉक्टर साहब (गंभीर होकर बोले)- पाँच हजार पाँच सौ रुपए।

निराश होकर महिला बोली- इससे सस्ता कोई उपाय नहीं है क्या? सुझाइए न!

डॉक्टर साहन ने सलाह दी- इससे सस्ता उपाय भी है...। आप बस घूँघट काढ़ना शुरू कर दीजिए।

□ □ □

प्रेमी (प्रेमिका से)- क्या तुम जानती हो, संगीत में इतनी शक्ति है कि उससे पानी भी गरम हो सकता है।

प्रेमिका- हाँ हाँ क्यों नहीं! तुम्हारा गाना सुन कर मेरा खून खौल सकता है, तो फिर पानी क्यों नहीं?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2018

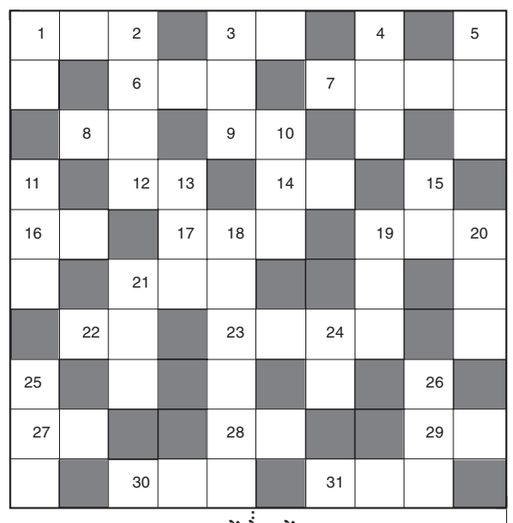

बायें से दायें:-

१. राजेश खन्ना, स्मिता की 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली फिल्म-३
३. बॉबी, काजोल, मीनाषा की 'दुनिया हसीनों का' गात वाली फिल्म-२
६. अनिल, मीनाक्षी की 'सौ सवालों का जवाब' गीत वाली फिल्म-३
७. 'यूं हसरतों के दाग' गात वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
८. अनिल, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
९. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
१२. राजेश खन्ना को फिल्म जगत में किस नाम से जाना जाता है?-२
१४. फिल्म 'कॉफी हाउस' में नायिका कौन थी?-२
१६. 'आजकल पाँव जमी' गीत वाली विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-२
१७. राजेश, ऋषि, पूनम की 'रंग चला बहार चली' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'मेरा रंगदे बसंती' गीत वाली मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा की फिल्म-३
२१. जैकी, मनीषा की 'लड़की जो आए बाजाक में' गीत वाली फिल्म-३
२२. भारतीय सिनेमा की 'वीनस' मधुबाला की अंतिम फिल्म-२
२३. 'सर से सरक गई' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२७. अमिताभ, अमृता की 'विल यू मैरी मी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२
३०. सनी, डिम्पल की 'भूरी भूरी आँखों वाला' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिल, माधुरी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली फिल्म-२
२. धर्मेन्द्र, नसीर, आदित्य, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३. आमिरखान, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
४. 'गोरी कैंवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षय, करिश्मा की फिल्म-३
५. 'बदन में चाँदनी' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'तूने बेचैन इतना ज्यादा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जब दिल से दिल' गीत वाली दिलीप, संजीव कुमार, वैजयंती की फिल्म-३
१३. धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
१५. फिल्म 'हम है राही प्यार के' में नायिका कौन थी-२
१८. 'क्या लिखूं कैसे लिखूं' गीत वाली फिल्म-२,४
१९. फिल्म 'कश्मीर की कली' में नायिका कौन थी-३
२०. जीतेंद्र, राजेश खन्ना, नंदा की 'किस लिए मैंने' गीत वाली फिल्म-१,२
२१. 'कई सदियों से' गीत वाली शत्रुघ्न, रीना राय की फिल्म-३
२४. अनिल, माधुरी की 'खुशियों का दिन आया है' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'कोई हमदम न रहा' गीत वाली फिल्म-३
२६. सलमान, संजय, शिल्पा की 'अरे बाबा अरे बाबा' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 2017

बु	लं	दी		अं	दा	ज		य	श
ह्व		पा	की	जा		मी	ना		ह
मि	ली			म	द	र		स	जा
ल		सू	र्या		डॉ		शा	र	दा
ग	द	र		ध	न	वा	न		
या		ज	ख्मी			रि		जी	त
	डि			वि	रा	स	त		र
अ	नो	खा	अं	दा	ज		ला	ड़	ला
ना		मो		ई		जो	श		
ड़ी		शी	बा		ड	र		जु	र्म

सूडोकु - 2018

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2017 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 2018

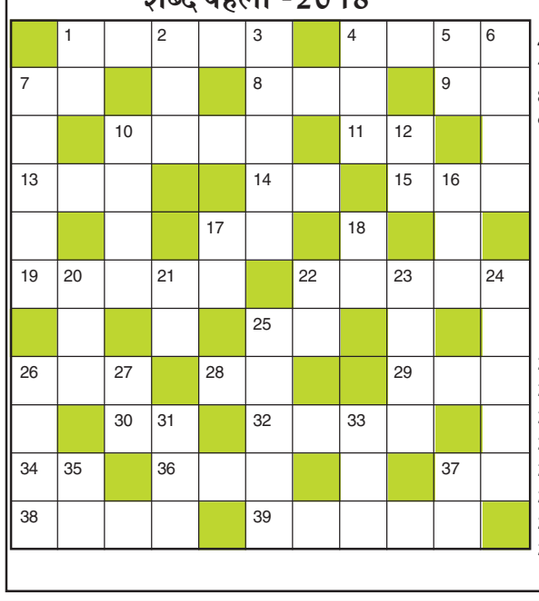

बाएँ से दाएँ

1. राजा का पुत्र-5
4. मन को हरने वाला-4
7. काल,समय,पीरियड-2
8. खोदना-3
9. मोटा आटा-2
10. पशु,मवेशी-4
11. जलापूर्ति का साधन-2
13. पुत्र,बेटा-3
14. क्षार,खारा-2
15. दर,मूल्य-3
17. नौका-2
19. नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22. लालन-पालन-5
25. अच्छा,भला-2
26. पूर्ण करना-3
28. गोष्ठी,सम्मेलन-2
29. हुनरमंद-3
30. पिता का भाई -2
32. कुरुपता-4
34. इसाई साध्वी -2
36. टेंशन,परेशानी-3
37. खुजली -2
38. अशक्त,निर्बल-4
39. नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2. सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3. सार-संभाल-2,3
4. विचार करना-3
5. प्रत्येक-2
6. परंपरा,धर्मविधी-4
7. आवास, गरीबखाना-5
10. संपत्ति-4
12. भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16. भालू-बंदर नचाने वाला-3
17. मां की मां-2
18. भय,खौफ-2
20. वेग,गति-3
21. मुंह,चेहरा-2
22. पैर,ओहदा-2
23. वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24. शकरगंजी,कंद-5
25. सभागार,सभाकक्ष-5
26. भयंकर,खतरनाक-4
27. मोड़-2
31. कायर,डरपोक-3
33. तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35. भीगा हुआ-2
37. नौकरानी-2

शब्द पहेली -2017 का हल

	रा	ज	क	पू	र		अ	च	र	ज
ज	य		रा		क्षि	ति	ज		त	ला
ना		अ	मा	न	त		र	वा		व
न	सी	ह	त		व	ह		म	का	न
खा		म		र	न	र			ल	
ना	म	क	र	ण		स	ला	ह	का	र
	हा			वी	रा	ना		र		ज
का	न	न		र	ज		अ	जा	ग्र	त
म		र	ज		ध	ब	रा	ना		प
का	र		ग	ज	रा		ज		प	ट
ज	न	म	त		ना	ट	क	का	र	

आईसीजी ने कच्चातिवु उत्सव के 3,400 तीर्थयात्रियों की सुरक्षा में तैनात किए जहाज और विमान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने तमिलनाडु के रामेश्वरम में वार्षिक दो दिवसीय उत्सव के लिए कच्चातिवु द्वीप की यात्रा करने वाले मछुआरों की सुरक्षा के लिए जहाज और एक विमान तैनात किया है। हर साल होने वाला कच्चातिवु उत्सव इस वर्ष 14 एवं 15 मार्च को हो रहा है, जिसमें कुल 3,421 तीर्थयात्री श्रीलंकाई द्वीप कच्चातिवु जा रहे हैं। आईसीजी भारतीय तीर्थयात्रियों को सुरक्षित रूप से श्रीलंकाई नौसेना को सौंप देगा और अगले दिन वापस लाएगा। सेंट एंटनी चर्च में आईसीजी स्टेशन मंडपम के कमांडिंग ऑफिसर कमोडोर बी विनय कुमार ने कहा कि सुरक्षा के मद्देनजर सभी प्रबंध कर लिए गए हैं। आईसीजी ने सुनिश्चित किया है कि सभी तीर्थ यात्री पूरी अवधि के दौरान जीवन रक्षक जैकेट पहने रहें। आईसीजी इंटरसेप्टर श्रेणी की नाव के कमांडिंग ऑफिसर डिप्टी कमांडेंट अभिषेक यादव ने बताया कि भारतीय तटरक्षक बल त्योहार के लिए मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना को सौंपने से पहले उन्हें सुरक्षा प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि चार्ली 431 और 431 जहाज, एक एसीवी डोर्नियर और एक फास्ट पेट्रोल जहाज मछुआरों को रामेश्वरम से कच्चातिवु द्वीप तक आसानी से ले जाने के लिए मौजूद रहेंगे। हम सभी तीर्थयात्रियों को सुरक्षा प्रदान करेंगे और सुरक्षित रूप से श्रीलंकाई नौसेना को सौंप देंगे।

पंजाब-चंडीगढ़ बॉर्डर पर हादसा, दो पुलिसकर्मियों समेत तीन की मौत

चंडीगढ़। पंजाब-चंडीगढ़ बॉर्डर पर होली के दौरान लगाए गए नाके पर हुए हादसे में दो पुलिसकर्मियों समेत तीन व्यक्तियों की मौत हो गई। घटना सुबह की है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार होली के चलते चंडीगढ़-जीरकपुर बॉर्डर पर नाका लगाया गया था। सुबह नाके पर तैनात कांस्टेबल सुखदर्शन और वॉलंटियर राजेश ने चेकिंग के लिए बलेनो गाड़ी रोकी हुई थी। तभी अचानक पीछे से तेज रफ्तार पोलो कार आई। उसने बलेनो गाड़ी और नाके पर खड़े पुलिसवालों को टक्कर मार दी। इस दौरान कार ड्राइवर भी पुलिस के साथ खड़ा था, टक्कर में तीनों लोग कार की चपेट में आ गए। पुलिस ने सुरक्षा के लिए नाके पर कंटीले तार लगाए हुए थे। तीनों उछलकर तारों में फंस गए और उनके शरीर के टुकड़े हो गए। पुलिस कर्मचारियों के हाथ और पैर तक अलग हो गए। आरोपी ड्राइवर अपनी कार मौके पर ही छोड़कर भाग गया। इसके बाद पुलिस ने आसपास के इलाकों में सीसीटीवी कैमरे खंगाले शुरू किए। कार के नंबर के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान की और उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान चंडीगढ़ के हल्लोमाजरा के रहने वाले गोविंद के रूप में हुई है।

हिमाचल में चार जगह माइनस में पारा, अगले दो दिन भारी वर्षा का येलो अलर्ट

शिमला। हिमाचल प्रदेश में ताजा बर्फबारी और बारिश के चलते ठंड में इजाफा हुआ है। खासतौर पर जनजातीय जिलों लाहौल-स्पीति और किन्नौर समेत कुल्लू और चंबा के ऊपरी इलाकों में तापमान गिर गया है। बीती रात इन इलाकों में रुक-रुक कर बर्फबारी होती रही, जिससे ठंड का असर और बढ़ गया। वहीं, मैदानी इलाकों में दिन के समय गर्मी का असर दिख रहा है और अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रिकॉर्ड किया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में प्रदेश के कई इलाकों में न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। जनजातीय क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड जारी है और न्यूनतम तापमान कई स्थानों पर माइनस में दर्ज किया गया। लाहौल स्पीति जिला का कुकुमसेरी -5.8 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा रहा, जबकि केलंग में -5.7 डिग्री, ताबो में -3.4 डिग्री और किन्नौर के कल्पा में -0.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। राज्य के प्रमुख शहरों में भी ठंडक बनी हुई है। मनाली में न्यूनतम तापमान 3.9 डिग्री, डलहौजी में 5.2 डिग्री और राजधानी शिमला में 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि मैदानी इलाकों में दिन के समय गर्मी बढ़ रही है। ऊना में पिछले कल अधिकतम तापमान 32 डिग्री तक पहुंच गया, जो इस सीजन में सबसे अधिक है।

जलगांव में रेलवे फाटक तोड़कर अमरावती एक्सप्रेस से टकराया ट्रक, रेल इंजन क्षतिग्रस्त, कोई हताहत नहीं

मुंबई। जलगांव जिले में बोडवड़ इलाके में तड़के रेलवे गेट को तोड़ते हुए एक ट्रक, उसी समय वहां से गुजर रही अमरावती एक्सप्रेस से टकरा गया। घटना के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। ट्रक अमरावती एक्सप्रेस के इंजन में फंस गया और कुछ दूर जाकर ट्रेन रुक गई। मौके पर रेलवे ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे तीन रेलमार्गों को परिवर्तित कर दिया गया है तथा दो यात्री सेवाएं रद्द कर दी गई हैं। मौके पर रेलवे की आपातकालीन सेवाएं मरम्मत कार्य कर रही हैं। बोडवड़ पुलिस स्टेशन स्टेशन के पुलिस निरीक्षक अनिल भोले ने बताया कि आज तड़के तमिलनाडु से मुक्ताईनगर जा रहा ट्रक बोड़वड़ में रेलवे गेट को तोड़ कर रेलवे पटरी पर आ गया। उसी समय तेज रफ्तार से गुजर रही अमरावती एक्सप्रेस से ट्रक टकरा गया। इंजिन के क्षतिग्रस्त होने बाद ट्रेन कुछ दूरी पर जाकर रुक गई। हालांकि ट्रक चालक घटना होने से पहले ही ट्रक से कूदकर फरार हो गया। पुलिस ट्रक चालक की तलाश कर रही है। रेलवे जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि हादसा इतना भयानक था कि ट्रक का आधा हिस्सा रेल इंजन के नीचे फंस गया।

तेलंगाना सरकार की लापरवाही के कारण प्रदेश के किसानों की फसलें सूख रही हैं : केंद्रीय गृह राज्य मंत्री

एजेंसी

हैदराबाद,। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने कहा कि राज्यभर में 56 लाख एकड़ में धान और 7 लाख एकड़ में मक्का की खेती होने के बावजूद समय पर सिंचाई का पानी न छोड़ने के कारण पहले ही लगभग 10 लाख एकड़ की फसल बर्बाद हो चुकी है। विशेष रूप से सिंचाई प्रणाली में खामी के कारण अंतिम छोर पर स्थित फसलें पूरी तरह से पानी नही मिलने से सूख गई हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार की मशीनरी किसानों को सहायता देने और फसलों की रक्षा करने के लिए कोई कदम नहीं उठा रही है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी कुमार ने एक प्रेस विज्ञप्ति में राज्य सरकार की इस लापरवाही पर सीधा निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अच्छी वर्षा हुई थी, जिससे जलाशय और झीलें भर गई थीं। इसके परिणामस्वरूप मानसून के दौरान रिकॉर्ड 160 लाख मीट्रिक टन धान की पैदावार हुई। जल उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए रबी सीजन में 56 लाख एकड़ में धान और 7 लाख एकड़ में मक्का की बुवाई की गई। इसके अलावा ज्वार, दालें और तिलहन भी उगाई गईं। बुवाई के समय राज्य सरकार ने कोई आपत्ति नहीं जताई और कृषि विभाग ने भी वैकल्पिक फसल योजना लागू करने में विफलता दिखाई। अब जबकि फसल कटाई में केवल एक महीना बचा है, लाखों एकड़ की फसलें सिंचाई के लिए पानी न मिलने से सूख रही हैं। झीलों में जलस्तर गिरने के कारण भूजल स्तर भी नीचे चला गया है, जिससे बोरवेल और कुओं के समीप की फसलें भी नष्ट हो रही हैं।केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने कहा कि यह निश्चित रूप से राज्य सरकार की विफलता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, श्रीशैलम, नागार्जुन सागर, श्रीराम सागर, येलमपल्ली, एलएमडी और सिंगूर जैसे प्रमुख जलाशयों में अब भी 340 टीएमसी से अधिक पानी उपलब्ध है। यदि मृत जल संग्रहण (डेड स्टोरेज) के 150 टीएमसी को छोड़ भी दें तो, भी 190 टीएमसी से अधिक पानी मौजूद है। यदि पेयजल की आवश्यकता को छोड़कर शेष पानी समय पर छोड़ा जाता और जलाशयों को भरा जाता तो, इस संकट से बचा जा सकता था। लेकिन सरकार की लापरवाही और कृषि विभाग की खराब योजना के कारण पर्याप्त पानी उपलब्ध होने के बावजूद 10 लाख एकड़ की फसलें सूख गई हैं। उन्होंने कहा कि किसानों ने प्रति एकड़ 30,000 रुपये से अधिक का निवेश किया और महीनों तक मेहनत की, लेकिन अब फसल कटने से पहले ही सूख गई हैं। यह किसानों के मुंह से निवाला छीनने जैसा है। किसान अपनी सूख चुकी फसल को मवेशियों को खिला रहे हैं या जला रहे हैं, लेकिन फिर भी कृषि विभाग चुप्पी साधे हुए है और उनके नुकसान को स्वीकार तक नहीं कर रहा है। सरकार की लापरवाही का बोझ किसानों को क्यों उठाना चाहिए? उन्होंने कहा कि रायतु भरोसा योजना की विफलता के कारण किसान पहले से ही परेशान हैं। 20 लाख से अधिक किसान अधूरे ऋण माफी योजना के कारण कर्ज में डूबे हुए हैं। पिछली बार जिन किसानों की फसलें नष्ट हुई थीं, उन्हें मुआवजा तक नहीं मिला और वे अब भी संकट झेल रहे हैं। किसान कल्याण का दावा करने वाली कांग्रेस सरकार इस संकट का क्या जवाब देगी? क्या यही कांग्रेस सरकार की किसान हितैषी नीति है? केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने कहा कि यह शर्मनाक है कि कांग्रेस सरकार किसानों की समस्याओं पर विधानसभा में चर्चा तक करने को तैयार नहीं है। राज्य और देश के लिए अन्न उगाने वाले किसान परेशान हैं, आत्महत्या कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनके मुद्दों पर विचार करने और समाधान निकालने के बजाय चुप बैठी है। राज्य सरकार को केंद्र सरकार पर दोष मढ़ने के बजाय अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को राजनीतिक नेताओं की कद-काठी पर चर्चा करने के बजाय किसानों के भविष्य के बारे में सोचना चाहिए और उनके साथ खड़ा होना चाहिए।

कोरबा स्थित पावर प्लांट के स्विच यार्ड में लगी भीषण आग, करोड़ों के नुकसान का अनुमान

एजेंसी

कोरबा। छत्तीसगढ़ पावर जेनरेशन कंपनी के दर्री कोरबा स्थित पॉवर प्लांट के स्विच यार्ड में दोपहर भीषण आग लग गई। आग पर काबू पाने की कोशिश हो रही है, किंतु अब तक पूरी सफलता नहीं मिली है। इस घटना से पॉवर प्लांट की 210 मेगावाट वाली दो इकाइयों से उत्पादन ठप्प हो गया है। हादसे का बड़ा कारण रखरखाव में लापरवाही बताया जा रहा है। पावर जेनरेशन कंपनी के हसदेव ताप विद्युत संयंत्र (एचटीपीएस) के स्विच यार्ड में दोपहर लगभग दो बजे आग लग गई। आग ने प्लांट के आईटीएस ट्रांसफार्मर को चपेट में ले लिया। जानकार सूत्र ने बताया कि प्लांट में बनने वाली बिजली को यह ट्रांसफार्मर ग्रिड में भेजने के लिए उपयुक्त करेंट में बदलता है। ऐसे में प्लांट की 210 मेगावाट वाली यूनिट 3,4 से उत्पादन बंद करना पड़ा। आग तेजी से फैल गई। बताया जा

रहा कि इसकी चपेट में 2 से 3 अन्य ट्रांसफार्मर भी आ गए है। आग इतनी भीषण हे कि कई घंटों से फायर ब्रिगेड का दस्ता इसे काबू करने की कोशिश कर रहा है, किंतु पूरी तरह से आग अब भी कंट्रोल नहीं हुई है। आस पास से गुजर रहे लोग आग की लपटों को देख रहे थे, वहीं धुंए का गुब्बार कई किलोमीटर दूर से दिख रहा था। इस पावर प्लांट में 210 मेगावाट की चार और 500 मेगावाट की एक यूनिट है।

यूपी-एटीएस ने आईएसआई को गोपनीय सूचनाएं साझा करने वाले शख्स को किया गिरफ्तार

एजेंसी

लखनऊ। यूपी-एटीएस ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एजेंट को गोपनीय सूचनाएं साझा करने के आरोप में रवींद्र सिंह नाम के एक शख्स को आगरा से गिरफ्तार किया। वह फिरोजाबाद आर्डिनेंस फैक्टरी का कर्मचारी है। एटीएस ने उसके मोबाइल फोन से कुछ संदिग्ध जानकारियां हासिल की हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (यूपी-एटीएस) नीलाब्जा चौधरी ने पत्रकार वार्ता में बताया कि रवींद्र सिंह आगरा का रहने वाला है। हनी ट्रैप मामले में रविंद्र सिंह की नेहा नाम की एक हैंडलर से बातचीत होती थी। रविंद्र 2009 से ऑर्डिनेंस फैक्टरी में कार्यरत था और जून 2024 से हैंडलर के संपर्क में था। इस दौरान रविंद्र ने ऑर्डिनेंस स्टोर के डेटा समेत कई गोपनीय जानकारी हैंडलर से वाट्सऐप और फेसबुक के जरिए साझा की। एडीजी ने बताया कि

रविंद्र की गिरफ्तारी के बाद उससे गंभीरता से पूछताछ की जा रही है। आईएसआई मॉड्यूल लंबे समय से लोगों को फंसा कर उनसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी जानकारी निकालते रहे हैं। जो देश के लिए बहुत बड़ा खतरा है। रविंद्र से पूछताछ में भी एटीएस को पता चला कि वह समय-समय पर उक्त हैंडलर के साथ जानकारी साझा करता था, जिसमें आर्डिनेंस फैक्टरी की दैनिक उत्पादन रिपोर्ट और स्टोर की रसीद, आपराधिक प्रचलन के अन्य दस्तावेज, आने वाला स्टॉक, स्टॉक की मांग, ये सभी शामिल थे।

अयोध्या में राम जन्मभूमि समेत 10 हजार मंदिरों में हुई पारंपरिक होली

एजेंसी

अयोध्या। रामनगरी में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर सहित 10 हजार मंदिरों में पारंपरिक होली खेली गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा भेजा गया विशेष अबीर रामलला को अर्पित किया गया। इसके बाद सभी भक्तों को यह अबीर रामलला के प्रसाद स्वरूप लगाया गया। रामलला के दरबार को फूलों से सजाया गया। रामलला की मनमोहक छवि को सभी निहारते रहे। सबसे पहले मंदिर में पुजारियों ने रामलला के ऊपर पुष्पों की वर्षा कर अपने आराध्य के साथ होली खेली, उनके राग-भोग और शृंगार के क्रम में उन्हें अबीर गुलाल अर्पित किया गया। होली पर रामलला को 56 प्रकार के व्यंजनों से भोग भी लगाया गया। राम मंदिर आने वाले प्रत्येक भक्तों के साथ फूलों की होली खेली गयी। इसके लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने गेंदा, गुलाब सहित 10 कुंतल फूल मंगवाए। इससे पहले गुरुवार रात 11 बजे अयोध्या जिले में 2195 स्थानों पर वैदिक मंत्रों

के बीच होलिका दहन किया गया। होली पर्व पर पूरा राम जन्मभूमि परिसर रंगों के त्योहार की खुशी में डूबा रहा। राम की पैड़ी पर हजारों श्रद्धालुओं ने पहले होली मनाई और फिर वहीं स्नान किया। जिला प्रशासन के मुताबिक, अयोध्या में 10 हजार से अधिक मंदिरों में परंपरागत होली खेली गयी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राज करण नैय्यर ने बताया कि पूरे जिले में शांतिपूर्वक होली का त्योहार मनाया गया। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने बताया कि हमारे रामलला पांच साल के बालक हैं।

वे बड़े शालीन हैं। मर्यादा के पुरोषोत्तम वो जन्मना हैं। जिले में 2 बजे के बाद पढ़ी गई जुमे की नमाज अयोध्या में भी कड़ी सुरक्षा के बीच जुमे की नमाज संपन्न हुई। हिंदू समुदाय द्वारा होली खेलने के बाद जिले के मस्जिदों में रोजेदारों ने जुमे की नमाज पढ़ी। रोजेदार शादाब अहमद ने बताया कि इंतजामिया का ऐलान था कि 2 बजे के बाद नमाज पढ़ी जाएगी। सभी मस्जिदों में सकुशल नमाज संपन्न हुई। नमाज के समय देश में अमन चैन की दुआ मांगी गयी।

बीएसएफ ने अमृतसर बॉर्डर से पकड़ा पाकिस्तानी घुसपैठिया

एजेंसी

चंडीगढ़। सीमा सुरक्षा बल ने भारत-पाक सीमा पर कार्रवाई करते हुए एक पाकिस्तानी घुसपैठिये को गिरफ्तार किया है। बीएसएफ ने आरोपित को अमृतसर सेक्टर की बॉर्डर आउट पोस्ट मुल्लाकोट से गिरफ्तार किया है। बीएसएफ के अनुसार जवानों ने गश्त के दौरान एक व्यक्ति को सीमा पार संदिग्ध रूप से घूमते हुए देखा। जब उससे पूछताछ की गई तो वह संतोषजनक

जवाब नहीं दे पाया। इस पर जवानों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया और तलाशी ली। पकड़े गए पाकिस्तानी की पहचान मोहम्मद जैद के रूप में हुई है, जो पाकिस्तान के हकीमा वाला गांव का निवासी बताया जा रहा है। गिरफ्तारी के बाद बीएसएफ के अधिकारी मोहम्मद जैद से पूछताछ कर रहे हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह गलती से सीमा पार कर आया है या किसी साजिश के तहत भारत में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहा था।

सनातन की ताकत आस्था और आस्था की आत्मा पर्व-त्योहार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन धर्म जितनी समृद्ध पर्व-त्योहारों की परंपरा दुनिया के किसी भी अन्य देश में या मत-पंथ, मजहब के पास नहीं है। हमारी आस्था ही सनातन धर्म की ताकत है और आस्था की आत्मा पर्व, त्योहार में है। सनातन पर्व परंपरा में दक्षिण से उत्तर तक, पूरब से पश्चिम तक वर्ष भर उत्साह और उमंग से जुड़ने का अवसर भारतवासियों को प्राप्त होता है। गोरक्षपीठाधीश्वर आदित्यनाथ होली पर्व पर घंटाघर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं होलिकोत्सव समिति की ओर से निकाली जाने वाली भगवान नृसिंह की रंगभरी शोभायात्रा के शुभारंभ के अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को होली की बधाई

एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पौराणिक गाथा के अनुसार भारत में जन्म लेना दुर्लभ है और उसमें भी मनुष्य रूप में, सनातन धर्म में जन्म लेना और भी दुर्लभ। जो लोग सनातन को कोसते थे, उन्होंने भी सनातन का सामर्थ्य प्रयागराज महाकुंभ में देखा है। प्रयागराज महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पावन त्रिवेणी में स्नान कर पुण्य के भागीदार बने। दुनिया में कहीं भी, किसी भी क्षेत्र में, किसी भी जाति का, किसी भी भाषा को बोलने वाला सनातनी रहा हो, उसने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाकर जीवन को धन्य बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ को दुनिया विस्मयकारी भाव से, कौतूहल भरी निगाहों के साथ देख रही थी। जबकि सनातन धर्म के लोग इस महाकुंभ के माध्यम से पूरे विश्व को एकता का संदेश देने के लिए जुड़े हुए थे। प्रयागराज में अद्भुत मर्यादा और अद्भुत अनुशासन देखने को मिला। वहां ऐसी एक भी घटना नहीं हुई जिसके कारण सनातनी लोगों को सिर नीचे करना पड़ता। योगी ने कहा कि जाति और अस्पृश्यता के नाम पर सनातन धर्म को बदनाम करने वालों को प्रयागराज महाकुंभ को जरूर देखना चाहिए। प्रयागराज महाकुंभ में चाहे राष्ट्राध्यक्ष हों या सामान्य नागरिक, बड़े से बड़ा धर्माचार्य हो या गांव का योगी, सबने एक घाट पर, एक भाव से आस्था की डुबकी लगाई।

तमिलनाडु के वित्त मंत्री थेनारासु ने पेश किया बजट, कई नई योजनाओं की घोषणा

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगम थेनारासु ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सरकार का बजट पेश किया। बजट में कई नई योजनाओं का ऐलान किया गया है। कलैगनार कनवु इल्लम आवास योजना के तहत एक लाख नए मकानों के निर्माण के लिए 3,500 करोड़ और मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क विकास योजना के लिए 2,200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। चेन्नई में एक नए स्पॉन्ज पार्क के निर्माण के लिए 88 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। इस पार्क का उद्देश्य पर्यटकों और स्थानीय लोगों को एक बेहतर मनोरंजन स्थल प्रदान करना है। सरकार ने महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण योजना का भी ऐलान

किया है। इसके तहत महिलाओं को मुक्त बस यात्रा की सुविधा दी जाएगी, जिसके लिए राज्य सरकार ने 3,600 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। सरकार का मानना है कि इस कदम से राज्य में महिलाओं की सुरक्षा और उनकी सुविधा को बढ़ावा मिलेगा। इस बजट का मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने विरोध किया। पार्टी ने तमिलनाडु राज्य शराब विपणन निगम में भ्रष्टाचार के मुद्दे को सदन में उठाने की कोशिश की। इसके बाद अन्नाद्रमुक के सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया। बजट की खास बातें-- मुख्यमंत्री ग्राम सलाई योजना के तहत 2,100 करोड़ रुपये की लागत से 6,100 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का सुधार किया जाएगा।-10 नये सरकारी कला एवं विज्ञान महाविद्यालय शुरू किये जाएंगे।- सरकारी विश्वविद्यालयों को दिए जाने वाले फंड का पैकेज बढ़ाकर 700 करोड़ रुपये किया जाएगा।- सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में 50 करोड़ की लागत से उत्कृष्टता केंद्र बनाए जाएंगे।- अन्ना विश्वविद्यालय को देश के सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थानों की रैंकिंग में शीर्ष दस में और वैश्विक क्यूएस रैंकिंग में शीर्ष 150 में स्थान दिलाने के लिए एक कार्य योजना विकसित की जाएगी।- एक लाख महिलाओं को उद्यमी बनाने के लिए मास्टर प्लान लागू किया जाएगा।- अगले 2 वर्षों में 2 मिलियन कॉलेज छात्रों को उनकी पसंद का हैंडहेल्ड कंप्यूटर या लैपटॉप उपलब्ध कराया जाएगा।- यदि 10 लाख रुपये तक की अचल सम्पत्ति महिलाओं के नाम पर पंजीकृत की जाती है।

दोल उत्सव के दिन नदिया में टोटो-कार की टक्कर, बच्चे समेत पांच की मौत

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में होली के दिन भीषण सड़क हादसा हुआ। चापड़ा इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने टोटो को टक्कर मार दी, जिससे बच्चे समेत पांच लोगों की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल आठ घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार नकाशीपाड़ा से कुछ लोग ईद की खरीदारी करने के लिए चापड़ा आए थे। बाजार से लौटते समय वे टोटो में सवार थे, तभी सामने से तेज गति से आ रही एक चार पहिया कार ने नियंत्रण खो दिया और सीधे टोटो से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टोटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और यात्री सड़क पर जा गिरे। कई लोग कार के नीचे दब गए, जिससे मौके पर ही चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना की आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को चापड़ा ग्रामीण अस्पताल पहुंचाया। वहां से सभी को शक्तिनगर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों ने पहले तीन लोगों को मृत घोषित किया, जबकि इलाज के दौरान दो और लोगों की जान चली गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

आतंकवाद पर भारत की दो टूक, अपने गिरेबान में झांके पाकिस्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने एक बार फिर पाकिस्तान की ओर से उनके यहां होने वाले आतंकी गतिविधियों के लिए भारत पर दोष मढ़ने के रवैए की आलोचना की है। भारत का कहना है कि अपनी आंतरिक समस्याओं और असफलताओं के लिए दूसरों पर उंगली उठाने की बजाय पड़ोसी देश को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा कि हम पाकिस्तान द्वारा लगाए गए निराधार आरोपों को दृढ़ता से खारिज करते हैं। पूरी

दुनिया जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का केंद्र कहां है। पाकिस्तान को अपनी आंतरिक समस्याओं और असफलताओं के लिए दूसरों पर उंगली उठाने और दोष मढ़ने के बजाय अपने अंदर झांकना चाहिए। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने हाल ही में वहां ट्रेन हाईजैक की घटना पर कहा था कि आतंकी अफगानिस्तान में बैठे अपने आकाओं के संपर्क में थे। वहीं यह पूछे जाने पर कि क्या पाकिस्तान ने बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) की गतिविधि के लिए अतीत में भारत को दोषी ठहराने की अपनी नीति बदल दी है। तो उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ उसके आरोप आज भी कायम हैं। हमारी नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

भारत पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवाद को प्रायोजित करने में शामिल है। वे केवल इस विशेष घटना में कहना चाहते हैं कि हमारे पास अफगानिस्तान से आतंकियों के संपर्क में रहने के पर्याप्त सबूत हैं।

ब्लीच करवाती है तो इन बातों का भी रखें ख्याल

आमतौर पर महिलाएं व लड़कियां अपनी त्वचा की रंगत निखारने के लिए पार्लर में ब्लीच करवाती है या कई बार घर पर खुद ही करती है। अगर आप भी घर पर खुद से ब्लीच करती हैं तो ये 10 बातें आपको जरूर जानना चाहिए –

- चेहरे को साफ-सुथरा व कांतिमय बनाने के लिए 'ब्लीच' एक बेहतर विकल्प है। ब्लीच आपकी त्वचा के अनचाहे बालों को छिपाने के साथ ही त्वचा में सोने सा निखार भी लाता है।
- ब्लीच का इस्तेमाल हाथ, पैर व पेट पर भी वेक्स के विकल्प के रूप में किया जा सकता है।
- ध्यान रहे ब्लीच में अमोनिया की मात्रा निर्देशानुसार ही मिलाए। इसमें अमोनिया की अधिक मात्रा आपके चेहरे को नुकसान पहुंचा सकती है।
- इसे लगाते समय बस इस बात का जरूर ध्यान रखें कि यदि यह आंखों के ऊपर लग गया तो बहुत अधिक नुकसानदेह हो सकता है। बेहतर होगा कि आप इसे आंखों व आई ब्रो पर नहीं लगाएं।
- आजकल बाजार में कई प्रकार की कंपनियों के ब्लीच उपलब्ध हैं, जिनके ट्रायल पैक का इस्तेमाल कर आप उन्हें अपनी स्कीन पर आजमा सकती है।
- बॉक्स पर दिए गए निर्देशानुसार ही ब्लीच क्रीम में अमोनिया पावडर की मात्रा डालें।
- क्रीम और पावडर के इस मिश्रण को पहले कोहनी पर या अन्य जगह पर लगाकर देखें।
- त्वचा में अधिक जलन होने पर मिश्रण में क्रीम की मात्रा बढ़ाएं।
- हमेशा ब्रांडेड कंपनी का ही ब्लीच इस्तेमाल करें।

सिर्फ 5 मिनट में मिटेगी सिर की खुजली, स्कैल्प में लगाएं ये नैचरल हर्ब

अगर आपके सिर में बहुत खुजली हो रही है और इस कारण डैंड्रफ भी परेशान कर रहा है तो आपको कहीं बाहर जाने की जरूरत नहीं है। बल्कि अपना फ्रिज खोलकर चुटकियों में इस समस्या का समाधान कर सकते हैं.

- सिर की खुजली एक आम समस्या है। हर मौसम में अलग-अलग कारणों से यह समस्या परेशान कर सकती है। यदि आप भी इसका सामान कर रहे हैं तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। बल्कि आप यहां बताए गए तरीके से सिर्फ 5 मिनट में अपने सिर की खुजली से राहत पा सकते हैं।
- यह तरीका अपनाने के लिए आपको चाहिए एक नींबू और दो चम्मच सादा पानी (मिनरल वॉटर होगा तो और भी अच्छा रहेगा)। इसके बाद इन दोनों को मिलाकर अपने बालों की स्कैल्प में लगाना है। कैसे लगाना है और कितनी देर लगाना, इस बारे में यहां जानें.
- सबसे पहले आप 1 नींबू लेकर उसे काट लें और उसका रस निकाल लें। नींबू का रस निकालते समय आप कटोरी के ऊपर छलनी रखकर इसे निचोड़ें ताकि इसके रेशे और बीज, रस के साथ मिक्स ना रहें और छलनी में ही अलग हो जाएं।
- अब आप इस रस में दो चम्मच पानी मिला लें। यदि आपके बाल लंबे हैं तो आप दो नींबू ले सकते हैं और इसमें 4 चम्मच पानी मिला सकते हैं। नींबू और पानी के घोल को तैयार करने के बाद इसमें एक चम्मच गुलाबजल मिला लें।
- नींबू, पानी और गुलाबजल के मिश्रण को मुख्य रूप से बालों की जड़ों में लगाना है। ताकि आपके सिर की खुजली को शांत किया जा सके और डैंड्रफ को दूर किया जा सके। सिर की त्वचा में इस मिश्रण को लगाने के लिए आप आधे नींबू का वो छिलका लें, जिससे आपने रस निचोड़ा है।
- अब इस छिलके को तैयार मिश्रण में डुबोकर अपने बालों की जड़ों में हल्के हाथों से रगड़ते हुए लगाएं। आपको धीरे-धीरे यह काम करना है ताकि आपकी त्वचा इस लिक्विड को सोख सके और यह बहते हुए आपके चेहरे और गर्दन पर ना आए।
- इस मिश्रण को पूरे सिर में लगाने के बाद बालों की लंबाई में भी लगाएं। इसके बाद बालों को बांध लें और करीब आधा घंटा के लिए इसे ऐसे ही लगा रहने दें। जब आप इस मिश्रण को बालों में लगा रहे होंगे, आपकी खुजली तभी शांत होती जाएगी।
- हो सकता है कि सिर की त्वचा में हल्की-सी झनझनाहट हो, लेकिन यह 2 से 3 मिनट में ही ठीक हो जाएगी। आपको आधा घंटे के लिए यह मास्क लगाने के लिए इसलिए कहा जा रहा है ताकि आपके सिर से डैंड्रफ भी पूरी तरह गायब हो जाए।
- यदि आपको डैंड्रफ की समस्या नहीं है तो पूरे सिर में नींबू लगाने के 5 मिनट बाद भी आप अपने बालों को हर्बल शैंपू से धो सकते हैं। बस इस बात का ध्यान रखें कि शैंपू करने के लिए जिस पानी का उपयोग करें, वह निमाया (बहुत हल्का-सा गर्म) होना चाहिए। ताकि सर्दी के मौसम में आपको जुकाम ना हो।
- इस बात का ध्यान रखें कि नींबू बालों के लिए बहुत अधिक लाभकारी होता है लेकिन इसका बहुत अधिक उपयोग करने से बालों में रूखापन बढ़ सकता है। इसलिए यदि आप सप्ताह में एक सो दो बार बालों में नींबू लगाते हैं तो यह पर्याप्त है। इससे अधिक बालों में नींबू का उपयोग करने से रूखापन बढ़ सकता है।
- नींबू के रस में साइट्रिक एसिड और विटमिन-सी पाए जाते हैं। साथ ही नींबू का रस ऐंटिबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है। यह सिर में खुजली करनेवाले बैक्टीरिया और फंगी इत्यादि को दूर करता है। स्कैल्प की गहरी सफाई करता है।
- गुलाबजल सिर में हो रही जलन और खुजली को शांत करने में सहायता करता है। यह सिर की त्वचा को टोन करता है और बालों की जड़ों में नमी को ब्लॉक करने में मदद करता है। ताकि सिर में डैंड्रफ ना आए।

टीकाकरण कार्ड को अप-टू-डेट रखना प्रत्येक माता-पिता के लिए क्यों जरूरी है

नए बच्चे का जीवन में आना हर मां-बाप के लिए एक रोमांचक समय होता है। चाहे वह नवजात शिशु को अपनी बाहों में उठाना हो या फिर बच्चे की जरूरतों के इर्द-गिर्द अपने जीवन को व्यवस्थित करना हो, पितृत्व की खुशियां किसी से कम नहीं होतीं। इस उत्साह के बीच, माता-पिता अक्सर उन जिम्मेदारियों का सामना करते हुए दिखते हैं, जिनके लिए वे तैयार ही नहीं थे। बच्चों की बहुत सारी जरूरतें होती हैं, खासकर तब जब उनके स्वास्थ्य की बात आती है। कई माता-पिता टीकाकरण की योजना बनाते समय अनिश्चितता में रहते हैं। जब आप पहली बार माता-पिता बनते हैं, तो शिशु का टीकाकरण अपरिहार्य यानी बेहद जरूरी- सा लगता है।

बतौर माता-पिता अपने बच्चे को पूरी तरह से सुरक्षा देने के लिए प्रथम चरण के टीकाकरण को प्राथमिकता देना जरूरी है। जीवन के प्रारंभिक वर्षों के दौरान, बच्चों की प्रतिरक्षा प्रणाली लगातार विकसित हो रही होती है, जो उन्हें बहुत सारी बीमारियों के प्रति अतिसंवेदनशील बनाती है। सही टीकाकरण करके बच्चों को एक दर्जन से अधिक गंभीर बीमारियों से बचाया जा सकता है। वास्तव में, अप-टू-डेट टीकाकरण न केवल बच्चे के लिए, बल्कि उन सभी के लिए महत्वपूर्ण है, जो नियमित रूप से उसके आसपास रहते हैं।

टीकाकरण का ध्यान रखना

आपके बच्चे के अधिकांश टीकाकरण जन्म और 6 साल के बीच पूरे होते हैं। कई टीके अलग-अलग उम्र में, और कॉम्बिनेशन में एक से अधिक बार दिए जाते हैं। इसका मतलब है कि आपको अपने बच्चे के हर टीके का सावधानीपूर्वक रिकॉर्ड रखना होगा। यद्यपि कभी-कभी आपका डॉक्टर / अस्पताल भी नजर रखेगा, लोग शहरों / डॉक्टरों को बदलते हैं, रिकॉर्ड खो जाते हैं, और इसलिए आपके बच्चे के टीकाकरण पर नजर रखने के लिए अंतत : जिम्मेदार व्यक्ति आप ही हैं।

टीकाकरण कार्ड बच्चे के अच्छे स्वास्थ्य का पासपोर्ट

टीकाकरण की प्रक्रिया को सरल बनाने और माता-पिता को अपने बच्चे के टीकाकरण का ट्रैक रखने में मदद करने के लिए, टीकाकरण कार्ड होना जरूरी है। दुनिया भर के बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा व्यापक रूप से रेकमेंडेड टीकाकरण कार्ड उपयोगी स्वास्थ्य रिकॉर्ड है, जिसमें टीकाकरण की तारीखों और खुराक के बारे में जानकारी शामिल होती है। अक्सर, माता-पिता टीकाकरण के महत्व के बारे में जानते हैं, लेकिन एक उचित रिकॉर्ड की कमी के कारण महत्वपूर्ण टीकाकरण छूट जाते हैं। इस जगह पर टीकाकरण कार्ड एक संगठनात्मक दस्तावेज के रूप में काम आता है, जिसमें सभी प्रकार का डेटा एक ही स्थान पर रखा जाता है, ताकि माता-पिता अपने बच्चे के स्वास्थ्य पर नजर रख सकें। अपने बच्चे के टीकाकरण कार्ड के बारे में सोचें और इसे अपने अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ संभालकर रखें। आप यहां से आसानी से पढ़ा जाने वाला टीकाकरण कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं।

टीकाकरण कार्ड इतना महत्वपूर्ण क्यों है

रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की सिफारिश है कि बच्चों को टीकाकरण कार्ड में उल्लिखित अनुसूची के अनुसार टीका लगाया जाना चाहिए। यह बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा रेकमेंडेड है, ताकि बच्चों में समय पर ढंग से रोग प्रतिरोधक क्षमता का निर्माण किया जा सके, जो जानलेवा बीमारियों में बदल सकता है। जब बच्चे एक विशेष उम्र तक पहुंच जाते हैं, तो वे कुछ बीमारियों के प्रति अतिसंवेदनशील हो जाते हैं। तो इसलिए एक सारणी का पालन करना आवश्यक है, जो सुरक्षित और विज्ञान पर आधारित हो। इसके अलावा यह बार-बार बच्चे को हेल्थ केयर प्रोवाइडर के पास ले जाने से भी बचाता है और मां को उसके बच्चे के स्वास्थ्य पर नियंत्रण की समझ भी देता है। उम्र के हिसाब से टीकाकरण आम तौर पर माता-पिता पहले वर्ष के टीकाकरण का विवेकपूर्ण तरीके से पालन करते हैं और जैसे-जैसे उनका बच्चा बढ़ता है, वैसे-वैसे वे आगामी टीकाकरण के प्रति लापरवाही बरतने लगते हैं। बच्चे के जीवन में पहले पांच साल उनकी वैक्सीनेशन जर्नी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और टीके नीचे दिए गए हैं :

जन्म पर :
बीसीजी (टूबर्क्यूलोसस), हेपेटाइटिस बी ओपीवी (ओरल पोलियो वैक्सीन)

6 सप्ताह से 6 महीने के बीच :
डीटीपी, हिब, हेप-बी, आईपीवी
पीसीवी (न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन)
रोटावायरस

6-12 महीनों के बीच :
इन्फ्लुएंजा (5 वर्ष तक के बच्चों के लिए अनुशंसित)
एमएमआर (खसरा, गलसुआ और रूबेला)
टाइफाइड, मेनिंगोकोक्सल

1-2 साल के बीच :
हेपेटाइटिस-ए, चिकनपॉक्स, डीटीपी, हिब, आईपीवी
न्यूमोकोकल, एमएमआर

2-6 साल के बीच :
मेनिंगोकोक्सल, एमएमआर, डीटीपी, आईपीवी
इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा टीकाकरण और टीकाकरण प्रथाओं, 2020-21 की सलाहकार समिति के अनुसार अनुसूची विशेष स्थितियों के लिए
डीटीपी : डिप्थीरिया, टेटनस, पर्टुसिस ; हिब : हेमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी ; हेप-बी : हेपेटाइटिस बी ; आईपीवी : इंजेक्शन पोलियो वैक्सीन

टीकाकरण कार्ड के बारे में मुख्य जानकारी

टीकाकरण कार्ड सबसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य दस्तावेज में से एक है, जो एक बच्चे का होना जरूरी है। हमेशा अपने बाल रोग विशेषज्ञ के पास जाने के दौरान इसे अपने साथ रखें। माता-पिता की जिम्मेदारी है कि जब भी वो बाल रोग विशेषज्ञ के पास जाएं, तो कार्ड को जरूर अपडेट करवाएं। इस प्रकार, माता-पिता से यदि गलती से टीकाकरण चूक जाए या फिर ड्यू रह जाए, तो वह इसके लिए तैयार रह सकते हैं। ऐसे मामलों में तत्काल कदम उठाना चाहिए और सबसे पहले बाल रोग विशेषज्ञ से अगले टीकाकरण के लिए परामर्श करना चाहिए और चीजों को नियंत्रण में रखना चाहिए। माता-पिता को अधिक तैयार रखने के लिए इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा इम्यूनाइज इंडिया ऐप जैसी कई मुफ्त डिजिटल टीकाकरण अनुस्मारक सेवाएं (डिजिटल वैक्सीनेशन रिमाइंडर सर्विस) भी हैं। टीकाकरण कार्ड को मेंटेन करने के अलावा, ये ऐप्स सुनिश्चित करते हैं कि माता-पिता अपने बच्चों के स्वास्थ्य के बारे में अधिक सक्रिय हों। जब आपके बच्चे के अच्छे स्वास्थ्य की बात आती है, तो समय पर टीकाकरण ही उसे दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान कर सकता है और स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी इम्यूनिटी बनाने में मदद कर सकता है।

आईएसएल 2024-25 सीजन के प्लेऑफ की तारीखों की घोषणा, 12 अप्रैल को खेला जाएगा फाइनल

एजेंसी

मुंबई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) ने 12 मार्च को लीग चरण के समापन के बाद 2024-25 सीजन के प्लेऑफ की तारीखों की घोषणा कर दी है। नॉकआउट मुकाबले 29 और 30 मार्च को होंगे। सेमीफाइनल दो चरणों में खेले जाएंगे - पहला चरण 2 और 3 अप्रैल को, जबकि दूसरा चरण 6 और 7 अप्रैल को होगा। इस सीजन का फाइनल मुकाबला 12 अप्रैल को खेला जाएगा। मोहन बागान एसजी के अलावा एफसी गोवा (दूसरा स्थान), बेंगलुरु एफसी (तीसरा स्थान), नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी (चौथा स्थान), जमशेदपुर एफसी (पांचवां स्थान) और मुंबई सिटी एफसी (छठा स्थान) प्लेऑफ में पहुंच चुके हैं। मोहन बागान एसजी ने लगातार दूसरी बार लीग शील्ड जीतकर इतिहास रचा दिया है। ऐसा करने वाली वह पहली टीम बनी है। प्लेऑफ में तीसरे से छठे स्थान तक की टीमें दो नॉकआउट मैचों में भिड़ेंगी। इन मैचों के विजेता सीधे सेमीफाइनल में पहुंची मोहन बागान एसजी और एफसी गोवा से भिड़ेंगे। सेमीफाइनल दो चरणों में होगा - हर टीम एक मैच अपने घरेलू और बाहरी मैदान पर खेलेगी। दोनों चरणों के कुल स्कोर के आधार पर विजेता टीम फाइनल में पहुंचेगी। फाइनल मुकाबला लीग चरण में उच्च रैंकिंग वाली टीम के मैदान पर खेला जाएगा।

आईपीएल ने हमारे सभी खिलाड़ियों में पैदा की जीतने की मानसिकता - दिनेश कार्तिक

बेंगलुरू। पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने पिछले कुछ वर्षों में भारतीय खिलाड़ियों में जीत की मानसिकता पैदा की है। आईपीएल के कई सीजन में अपनी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग के माध्यम से फैंस को दिल जीतने वाले क्रिकेटर इस सीजन में नए रोल में नजर आएंगे। एक बातचीत के दौरान पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने कहा, आईपीएल ने हमारे सभी खिलाड़ियों में जीतने की मानसिकता पैदा की है। हम कह सकते हैं कि आईपीएल भारतीय क्रिकेट का अभिन्न अंग बन गया है, और अब एक ही समय में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दो से तीन टीमें उतार सकते हैं और उनमें से लगभग हर एक के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। अभी, भारत की टीम बहुत आगे है। क्योंकि, उसके पास विभिन्न कौशल वाले क्रिकेटरों का इतना अच्छा संग्रह है। आईपीएल के शुरुआती वर्षों में ग्लेन मैकग्राथ के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने के अपने अनुभव और इसने खेल के प्रति उनके दृष्टिकोण को कैसे आकार दिया, इस पर विचार प्रकट करते हुए उन्होंने कहा, आईपीएल के मेरे पहले साल में, मुझे ग्लेन मैकग्राथ के साथ करीब से समय बिताने और उनके साथ अभ्यास करने का मौका मिला।

नीदरलैंड्स ने आईएसयू वर्ल्ड सिंगल डिस्टेंस चैंपियनशिप में दिखाया दबदबा, जीते तीन स्वर्ण पदक

हमार, (नॉर्वे)। नीदरलैंड्स ने हमार ओलंपिक हॉल, नॉर्वे में आयोजित आईएसयू वर्ल्ड सिंगल डिस्टेंस चैंपियनशिप के दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किए। नीदरलैंड्स की टीम ने महिला टीम परसूट स्पर्धा में दमदार शुरुआत की और 2 मिनट 56.09 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। जापान को रजत पदक मिला, जबकि कनाडा ने कांस्य पर कब्जा जमाया। पुरुष टीम परसूट स्पर्धा में संयुक्त राज्य अमेरिका ने 3 मिनट 39.24 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। इटली ने रजत और नीदरलैंड्स ने कांस्य पदक जीता। महिला 500 मीटर स्पर्धा में फेम्के कॉक ने 37.50 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनकी हमवतन जुट्टा लीरडम ने रजत पदक हासिल किया। दक्षिण कोरिया की किम मिन-सुन को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

आल इंग्लैंड क्वार्टर फाइनल में चीन के लि शि फेंग से हारे लक्ष्य सेन

बर्मिंघम । भारत के लक्ष्य सेन आल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी चीन के लि शि फेंग से 10.21, 16.21 से हार गए। विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सेन को 44 मिनट तक चले मुकाबले में पराजय का सामना करना पड़ा। सेन थॉमस कप समेत पिछले दो मुकाबलों में शि फेंग को हरा चुके हैं लेकिन आज उनका सामना नहीं कर पाए। पेरिस ओलंपिक में पदक से मामूली अंतर से चूके 2022 के उपविजेता सेन ने अच्छी शुरूआत की थी। उन्होंने गत चैम्पियन जोनाथन क्रिस्टी को भी हराया लेकिन फेंग के खिलाफ वह लय कायम नहीं रख पाए। फेंग का सामना अब शीर्ष वरीयता प्राप्त शि यू कि या लो कीन यू से होगा । महिला युगल वर्ग में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं।

महिला क्रिकेट विश्वकप क्वालीफायर नौ अप्रैल से पाकिस्तान में

एजेंसी

दुबई। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्वकप 2025 में अंतिम दो स्थानों के लिए छह टीमों के बीच नौ से 19 अप्रैल तक क्वालीफायर टूर्नामेंट पाकिस्तान में खेला जायेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की जारी रिपोर्ट के अनुसार इस राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट के सभी 15 मैच पाकिस्तान में लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम और लाहौर सिटी क्रिकेट एसोसिएशन (एलसीसीए) स्टेडियम में नौ से 19 अप्रैल खेले जायेंगे। इस टूर्नामेंट की शीर्ष दो टीमें भारत में अक्टूबर और नवंबर में होने वाले महिला क्रिकेट विश्वकप में खेलेंगी। क्वालीफायर के छठे संस्करण में छह टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें चार पूर्ण सदस्य - पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, बंगलादेश और आयरलैंड शामिल हैं। स्कॉटलैंड और थाईलैंड टूर्नामेंट की अन्य दो टीमें हैं। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और मेज़बान भारत 10 टीमों वाली आईसीसी महिला चैंपियनशिप (2023-25) में शीर्ष छह में रहने के कारण पहले ही विश्वकप के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। क्वालीफायर का पहला मुकाबला नौ अप्रैल को गद्दाफी स्टेडियम में मेजबान पाकिस्तान और

आयरलैंड के बीच होगा। वहीं वेस्टइंडीज का मुक़ाबला एलसीसीए में स्कॉटलैंड से होगा।अगले दिन बंगलादेश और थाईलैंड एलसीसीए में एक-दूसरे से भिड़ेंगे। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, ये छह टीमें महिला क्रिकेट विश्व कप से बस एक कदम दूर हैं और मुझे यकीन है कि वे प्रतियोगिता के लिए पूरी तरह तैयार होंगी। आईसीसी की ओर से, मैं सभी भाग लेने वाली टीमों को शुभकामनाएं देना चाहता हूं और उम्मीद करता हूं कि भारत में होने वाले विश्व कप की तैयारी के तौर पर लाहौर में कुछ प्रतिस्पर्धी क्रिकेट देखने को मिले। नौ अप्रैल को गद्दाफी स्टेडियम (दिन) वेस्टइंडीज बनाम स्कॉटलैंड - एलसीसीए, 10 अप्रैल को थाईलैंड बनाम बंगलादेश - एलसीसीए (दिन) 11 अप्रैल पाकिस्तान बनाम स्कॉटलैंड - एलसीसीए (दिन),आयरलैंड बनाम वेस्टइंडीज - गद्दाफी स्टेडियम (दिन) 13 अप्रैल स्कॉटलैंड बनाम थाईलैंड - एलसीसीए (दिन), बंगलादेश बनाम आयरलैंड - गद्दाफी स्टेडियम (दिनरात्रि) 14 अप्रैल पाकिस्तान बनाम वेस्टइंडीज - गद्दाफी स्टेडियम (दिनरात्रि) 15 अप्रैल थाईलैंड बनाम आयरलैंड - एलसीसीए (दिन), स्कॉटलैंड बनाम बंगलादेश - गद्दाफी स्टेडियम (दिनरात्रि) 17 अप्रैल बंगलादेश बनाम वेस्टइंडीज - एलसीसीए (दिन), पाकिस्तान बनाम थाईलैंड - गद्दाफी स्टेडियम (दिन रात्रि) 18 अप्रैल आयरलैंड बनाम स्कॉटलैंड - गद्दाफी स्टेडियम (दिनरात्रि) 19 अप्रैल पाकिस्तान बनाम बंगलादेश - एलसीसीए (दिन), वेस्टइंडीज बनाम थाईलैंड - गद्दाफी स्टेडियम (दिनरात्रि)।

घुटने की सर्जरी के कारण मार्क वुड चार महीने तक क्रिकेट से रहेंगे दूर

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड घुटने की सर्जरी के कारण चार महीने तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। पिछले महीने के आखिर में लाहौर में चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप चरण अफगानिस्तान के साथ हुये मैच में वुड को घुटने में चोट के बाद मैदान छोड़ना पड़ा था स्कैन के बाद बुधवार को लंदन में उनकी सर्जरी हुई। वुड के ठीक होने में लगने वाले समय को देखते हुए यह माना जा रहा है कि वह 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होने वाली भारत के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज में खेल पाएं। यदि वह समय पर ठीक हो जायेंगे तो वह 31 जुलाई से शुरू होने वाले अंतिम टेस्ट (किआ ओवल) के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को भरोसा है कि वुड इस सर्दी में ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पूरी तरह फिट हो जाएंगे। वुड ने जारी एक बयान में कहा, इंग्लैंड के

लिए बीते वर्ष सभी प्रारूप में खेलने के बाद इतने लंबे समय तक बाहर रहने से मैं बेहद निराश हूं। लेकिन मुझे भरोसा है कि अब जब मेरा घुटना सही हो जाएगा तो मैं पूरी तरह से फिट होकर वापसी करूंगा।

एनसीए से फिट घोषित होने पर ही आईपीएल में खेल सकेंगे बुमराह

एजेंसी

मुम्बई । अपनी चोट से अभी पूरी तरह नहीं उबर पाये भारत के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के चिकित्सा दल द्वारा फिट घोषित किये जाने पर मुंबई इंडियंस के लिए खेल सकेंगे। ऐसी जानकारी मिली है कि अप्रैल में शुरुआत में बुमराह मुंबई इंडियंस की टीम के साथ जुड़ेंगे।

बुमराह एमआई के साथ तभी जुड़ सकेंगे जब एनसीए का चिकित्सा दल उन्हें फिट करार देगा। बुमराह अपने पीठ के निचले हिस्से में खिचाव संबंधी चोट से उबर रहे हैं। उन्हें चार जनवरी को सिडनी में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी टेस्ट के दूसरे दिन यह चोट लगी थी। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम की घोषणा करते हुए मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा था कि बुमराह को बीसीसीआई मेडिकल टीम द्वारा कम से कम पांच हफ्ते

(एससीजी टेस्ट से) आराम करने की सलाह दी है आईपीएल 2025 में एमआई 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ चेन्नई में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। उसके बाद वे 29 मार्च को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस (जीटी) से खेलेंगे। एमआई का पहला घरेलू मैच दो दिन बाद 31 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ होगा। इसके बाद वे अप्रैल के पहले हफ्ते में दो मैच खेलेंगे जिसमें 4 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ लखनऊ में और सात अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अपने घर में।

दिल्ली कैपिटल्स ने बनाया अक्षर पटेल को टीम का कप्तान

एजेंसी

नयी दिल्ली। जेएसडब्ल्यू-जीएमआर के सह-स्वामित्व वाली दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के 2025 सत्र से पहले स्टार ऑलराउंडर अक्षर पटेल को टीम का कप्तान नियुक्त किया है।

31 वर्षीय अक्षर पटेल वर्ष 2019 में दिल्ली कैपिटल्स में शामिल हुए और तब से छह सत्र में फ्रैंचाइजी के लिए सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने कैपिटल्स के लिए 82 मैचों में 967 रन बनाए हैं और 7.09 की शानदार इकॉनमी से 62 विकेट लिए हैं।

आज यहां इस अवसर पर टीम के नए कप्तान के रूप में अक्षर का स्वागत करते हुए दिल्ली कैपिटल्स के अध्यक्ष किरण कुमार गांधी ने कहा, हमें अक्षर को दिल्ली कैपिटल्स का कप्तान नियुक्त करते हुए बेहद खुशी हो रही है। वह 2019 से कैपिटल्स परिवार का अभिन्न अंग

रहे हैं और उन मूल्यों को अपनाते हैं, जिन पर यह टीम बनी है। यह निर्णय एक कप्तान के रूप में उनके लिए स्वाभाविक प्रगति को दर्शाता है - दो सत्रों तक हमारे उप-कप्तान रहने से लेकर अब टीम का नेतृत्व करने तक, उन्होंने हमेशा हमारे लिए हर मौके पर अपना योगदान दिया है। अक्षर को हमारे कोचिंग स्टाफ और अनुभवी नेतृत्व समूह का पूरा समर्थन प्राप्त है और मैं उन्हें इस नई भूमिका के लिए शुभकामनाएं देता हूं। दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक पार्थ जिंदल ने कहा, मैंने दिल्ली कैपिटल्स में एक क्रिकेटर और एक कप्तान के रूप में अक्षर की प्रगति को पहली बार देखा है।

अक्षर पटेल ने कप्तान नियुक्त किए जाने पर कहा, ÷दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है और मैं अपने मालिकों और सहयोगी स्टाफ का मुझ पर भरोसा जताने के लिए बहुत आभारी हूं। दिल्ली कैपिटल्स अपने आईपीएल 2025 अभियान की शुरुआत 24 मार्च लखनऊ के खिलाफ विशाखापत्तनम में करेगी।

गुजरात जायंट्स को 47 रनों से हराकर मुम्बई इंडियंस डब्ल्यूपीएल के फाइनल में

एजेंसी

मुंबई । हैली मैथ्यूज (77 रन/तीन विकेट) , नेट सायवर ब्रंट (77/एक विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन और यास्तिका भाटिया के कुशल क्षेत्ररक्षण की बदौलत मुम्बई इंडियंस ने वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के एलिमिनेटर मुकाबले में गुजरात जायंट्स को 47 रनों से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया है, जहां उसका मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से होगा।

214 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात जायंट्स की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 43 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये। पहले ही ओवर में शबनिम इस्माइल ने बेथ मूनी (छह) को अपना शिकार बना लिया। इसके बाद हरलीन देओल (आठ) रनआउट हुई। कप्तान एश्ली गार्डनर (आठ) को हैली मैथ्यूज ने बोल्ड आउट किया। 10वें ओवर में गुजरात का चौथ विकेट डैनियल गिब्सन (34) के रूप में गिरा। इसके बाद फीबी लिचफील्ड और भारती फूलमाली ने पारी को संभालने का प्रयास किया। फीबी लिचफील्ड (31) और भारती फूलमाली (30) रन बनाकर आउट हुई। काश्वी गौतम (चार) को भाटिया ने रनआउट किया। आज मैच में यास्तिका भाटिया ने शानदार क्षेत्ररक्षण का प्रदर्शन करते हुए मुम्बई इंडियंस के तीन बल्लेबाजों का रनआउट किया। 18वें ओवर में सिमरन शेख (17) के रूप में गुजरात का आठवां विकेट गिरा। 19वें ओवर में तनुजा कंवर (16) को नट सायवर ब्रंट ने आउट किया। 20वें ओवर की दूसरी गेंद पर हैली मैथ्यूज ने मेघना सिंह (पांच) को आउटकर गुजरात जायंट्स की पारी को 166 के स्कोर पर समेटकर अपनी टीम को 47 रनों से जीत के साथ टूर्नामेंट के फाइनल जगह दिला दी। मुम्बई इंडियंस की ओर से हैली मैथ्यूज को तीन विकेट मिले और एमेलिया केर ने दो विकेट लिये। शबनिम इस्माइल और नेट सायवर ब्रंट ने एक- एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां गुजराज जायंट्स की कप्तान एश्ली गार्डनर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मुम्बई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 26 रन के स्कोर पर अपना पहला विकेट यास्तिका भाटिया (15) के रूप में गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी नेट सायवर ब्रंट ने हैली मैथ्यूज के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 133 रनों की साझेदारी हुई। 17वें ओवर में काश्वी गौतम ने हैली मैथ्यूज को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। हैली मैथ्यूज ने 50 गेंदों में 10 चौके और तीन छक्के लगाते हुए (77) रनो की पारी खेली। 19वें ओवर में डैनियल गिब्सन ने नेट सायवर ब्रंट को आउटकर पवेलियन भेज दिया। नेट सायवर ब्रंट ने 41 गेंदों में 10 चौके और तीन छक्के की मदद से (77) रन बनाये। 20वें ओवर की आखिरी गेंद पर कप्तान हरमनप्रीत कौर रनआउट हुई। हरमनप्रीत कौर ने 12 गेंदों में चार छक्के और दो चौके लगाये। मुम्बई इंडियंस ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 213 रन का स्कोर खड़ा किया। गुजरात जायंट्स की ओर से डैनियल गिब्सन ने दो विकेट लिये। काश्वी गौतम को एक विकेट मिला।

इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में भिड़ेंगे ड्रेपर और अल्काराज

एजेंसी

कैलिफोर्निया। इंग्लैंड के जैक ड्रेपर ने इंडियन वेल्स के क्वार्टरफाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन को हराकर दो बार के गत विजेता स्पेन के कार्लोस अल्काराज के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में जगह बना ली हैं। आज यहां खेले गये मुकाबले में जैक ड्रेपर ने अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी शेल्टन को 6-4, 7-5 से हराया। मैच के बाद ड्रेपर ने कहा, मुझे हमेशा स्वयं पर गर्व रहा है, मैंने टूर्नामेंट में अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। मैं कभी भी किसी चीज से संतुष्ट नहीं होता। मैं हमेशा अधिक जीत और शीर्ष खिलाड़ियों के साथ खेलने के अधिक अवसर चाहता हूँ। अगर 23 वर्षीय ड्रेपर शनिवार को होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले में चार बार के मेजर चैंपियन अल्काराज को हरा देता है, तो उसे पहली बार दुनिया के शीर्ष 10 टेनिस खिलाड़ियों में शुमार हो जायेंगे।

इंग्लैंड करेगा कबड्डी विश्वकप की मेजबानी

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड 17 से 23 मार्च तक वेस्ट मिडलैंड्स में होने वाले कबड्डी विश्वकप की मेजबानी करेगा। यह पहली बार होगा जब कबड्डी विश्वकप का आयोजन एशिया से बाहर होगा। यह प्राचीन भारतीय खेल की बढ़ती वैश्विक लोकप्रियता को दर्शाता है। ऑनलाइन मीडिया संवाददाता सम्मेलन में बुधवार को विश्व कबड्डी के आयोजकों और स्थानीय अधिकारियों ने 17 से 23 मार्च तक चलने वाले सात दिवसीय टूर्नामेंट की तैयारियों पर चर्चा की। इस टूर्नामेंट के करीब 50 मैच बर्मिंघम, कोवेंट्री, वॉल्सॉल और वॉल्वरहैम्प्टन में आयोजित किए जाएंगे।इस अवसर पर विश्व कबड्डी के अध्यक्ष अशोक दास ने कहा, कबड्डी विश्व कप में एक सप्ताह से भी कम समय शेष है, हमारे खेल के लिए इस ऐतिहासिक क्षण के लिए दुनिया भर के खिलाड़ियों, कोचों और प्रशंसकों में

उत्साह बढ़ रहा है। कबड्डी विश्वकप को पहली बार एशिया से बाहर ले जाना हमारे खेल के विकास का प्रमाण है। कबड्डी एक बेहद लोकप्रिय और निवेश योग्य वैश्विक प्रस्ताव है, और हमें उम्मीद है कि यह ओलंपिक तक पहुंचाने के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम कर सकता है।

कबड्डी का इतिहास चार हजार से अधिक पुराना है। वर्ष 1936 के ओलंपिक खेलों में इसे शामिल किया गया था और वर्ष 1990 से एशियाई खेलों में इसका आयोजन हुआ था। ब्रिटिश कबड्डी लीग के मुख्य कार्यकारी प्रेम सिंह ने कहा, ÷हम कबड्डी विश्वकप को वेस्ट मिडलैंड्स में लाकर हजारों कबड्डी खिलाड़ियों के दशकों पुराने सपने को पूरा करने के ओर भी करीब पहुंच गये हैं। ब्रिटिश कबड्डी लीग के 2022 में शुरुआत के बाद इस बड़ी सफलता मिली है और इसने खेल को खेलने और देखने में लोगों की रुचि बढ़ी है। हमें विश्वास है कि विश्व कप इस पर और अधिक प्रगति करेगा तथा समुदायों के लिए अपनी सांस्कृतिक विरासत में गहराई से निहित खेल से जुड़ने के और भी अधिक अवसर पैदा करेगा।

अल नासर ने अल खुलूद को 3-1 से हराया, रोनाल्डो, माने और डुरान ने किए गोल

नई दिल्ली। रियाद के अल अव्वल पार्क में खेले गए सऊदी प्रो लीग 2024-25 के मुकाबले में अल नासर ने अल खुलूद को 3-1 से मात दी। इस मैच में अल नासर के तीनों स्टार फॉरवर्ड - क्रिस्टियानो रोनाल्डो, सादियो माने और नए साइन किए गए ज़ोन डुरान ने गोल किए। मैच की चौथी ही मिनट में क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने टीम को बढ़त दिलाई। अल खुलूद के गोलकीपर मार्सेलो ग्रोहे ने डुरान के करीब से मारे गए पहले शॉट को बचा लिया, लेकिन रोनाल्डो ने शानदार तरीके से रीबाउंड को खाली नेट में डाल दिया। यह इस सीजन में उनका 19वां लीग गोल था, जिससे वह गोल्डन बूट की दौड़ में अल शबाब के अब्देररज्जाक हमदल्लाह (17 गोल) से दो गोल आगे हो गए। अल खुलूद ने पांच मिनट बाद बराबरी का गोल कर दिया था।

सीआईएसएफ की जीत, रॉयल ने यूनाइटेड भारत को धुना

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग में खिताब की दावेदार सी आई एस एफ ने फ्रेंड्स यूनाइटेड को 2-0 से हराकर पूरे तीन अंकों के साथ अपनी स्थिति को मजबूत कर लिया है।

यहाँ नेहरू स्टेडियम परिसर में खेले गए मैच में पुलिस खेलों की विजेता सी आई एस एफ ने फ्रेंड्स यूनाइटेड को 2-0 गोलों से हराया। साहिल और शहजाद ने एक एक गोल किये। दिन के पहले मैच में रॉयल रेंजर्स ने लीग की फिसड्डी टीम यूनाइटेड भारत को 7- 0 से रौद डाला।

रॉयल रेंजर्स की जीत का आकर्षण प्लेयर ऑफ द मैच कुशाग्र की शानदार हैट्रिक रही आशू ने दो और शिखर और बिजॉय ने एक-एक गोल किये। इस जीत के साथ ही सी आई एस एफ ने 20

मैचों में 44 अंक जुटा लिए है। रॉयल रेंजर्स के 37 अंक है। यूनाइटेड भारत ने 22 मैचों में सात अंक बना कर अपना आखिरी स्थान बनाए रखा है। सी आई एस एफ ने हाल ही में पुलिस खेलों का खिताब जीता है लेकिन आज उसका प्रदर्शन चैंपियन जैसा नहीं रहा। खासकर अग्रिम पंक्ति ने आसान मौके गँवाए। वरना जीत का अंतर बड़ा हो सकता था।

श्रीलंका की महिला टीम ने न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया

एजेंसी

क्राइस्टचर्च। मालकी मदारा (तीन विकेट), इनोशी प्रियदर्शनी और कविशा दिलहारी (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद कप्तान चामरी अट्टापटू (64) की आतिशी अर्धशतकीय पारी की बदौलत श्रीलंका की महिला टीम ने पहले टी-20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को 35 गेंदे शेष रहते सात विकेट से हरा दिया। इसी के साथ श्रीलंका ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं। मालकी मदारा को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। न्यूजीलैंड के 101 रन के स्कोर के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी कप्तान चामरी अट्टापटू और विश्मी गुणरत्ने की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए (46) रन जोड़े। सातवें ओवर में जेस केर ने विश्मी गुणरत्ने (सात) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद हर्षिता समरविक्रमा (दो) रन और कविशा दिलहारी (12) रन बनाकर आउट हुई। हालांकि इस दौरान चामरी अट्टापटू एक छोर थामे लगातार रन बनाती रही। चामरी अट्टापटू ने 48 गेंदों में नौ चौके और दो छक्के लगाते हुए (64) रनों की विजयी पारी खेली। नीलक्षिका सिल्वा (12) रन बनाकर नाबाद रही। श्रीलंका ने 14.1 ओवर में तीन विकेट पर 102 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। न्यूजीलैंड की ओर से

जेस केर ने दो विकेट लिये। इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही और उसने अपना पहला विकेट सात रन के स्कोर पर गवां दिया। जॉर्जिया प्लिमर (दो) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी एम्मा मैकलियोड ने कप्तान सूजी बेट्स के साथ पारी संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 32 रनों की साझेदारी हुई। पांचवें ओवर में मदारा ने सूजी बेट्स 14 गेंद में (21) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद श्रीलंकाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे न्यूजीलैंड के बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके और अंतराल पर अपने विकेट गवांते रहे। जेस केर ने (10) रन बनाये। एम्मा मैकलियोड ने न्यूजीलैंड के सर्वाधिक (44) रनों की पारी खेली। न्यूजीलैंड के आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। श्रीलंकाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे न्यूजीलैंड की पूरी टीम 18.5 ओवर में 101 पर सिमट गई।

श्रीलंका की ओर से मालकी मदारा ने 14 रन देकर तीन विकेट विकेट लिये। इनोशी प्रियदर्शनी और कविशा दिलहारी को दो-दो विकेट मिले। चमारी अट्टापटू और सुगंधिका कुमारी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

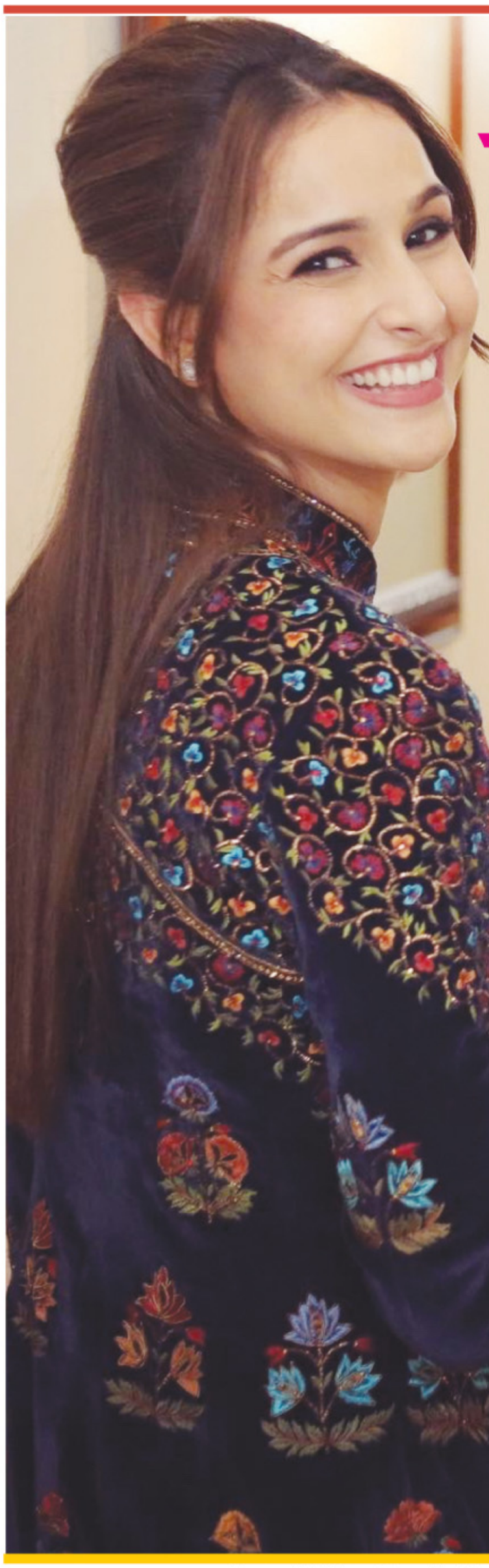

इस एक्टर के प्यार में पागल थीं

सादिया खातीब

दोस्तों से 2 साल तक बोलती रहीं झूठ

बॉलीवुड एक्टर जॉन अब्राहम ने एक समय लड़कियों को अपने लंबे बालों वाले लुक से काफी दीवाना बनाया था. 'धूम' फिल्म में उनके इस तरह के लुक ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं. उनके जादू से एक्ट्रेस सादिया खातीब भी नहीं बच पाईं. सादिया और जॉन ने फिल्म 'द डिप्लोमेट' में साथ में काम किया है जो कि होली के मौके पर 14 मार्च को रिलीज हो रही है.कभी जॉन अब्राहम द्वारा निभाए जाने वाले किरदार से प्यार करने वाली और उसे अपना बॉयफ्रेंड बताने वाली सादिया अब उनके साथ फिल्म में दिखाई देंगी. फिल्म की रिलीज से ठीक पहले सादिया ने खुलासा किया कि उन्हें जॉन की 'धूम' फिल्म के किरदार 'कबीर' से प्यार हो गया था. वो लंबे समय तक उस किरदार के प्यार में कैद रहीं.

'धूम' के कबीर को बॉयफ्रेंड बताती थीं सादिया

आज तक से बातचीत में सादिया ने कहा, जब मैं चौथी क्लास में थीं तो मैंने जॉन अब्राहम की फिल्म 'धूम' देखी थी. तब मेरी मुलाकात उनके किरदार कबीर से हुई और मुझे बाइक वाले हिस्से और कबीर से प्यार हो गया. मैं स्कूल में अपने फ्रेंड्स से कहा करती थी कि मेरा कबीर नाम का बॉयफ्रेंड है जो बाइक चलाता है और उसके लंबे-लंबे बाल हैं. लोग भी मेरी बात पर विश्वास करते थे और उन्हें लगता था कि कश्मीर में कोई कबीर नाम का लड़का होगा.

दो साल तक झूठ बोलती रहीं सादिया

दो साल तक यानी कि छठी क्लास तक सादिया, कबीर के प्यार में कैद रहीं. वो किरदार उनकी लाइफ का अहम हिस्सा बन गया था. लेकिन समय बढ़ने के साथ उनके दोस्तों को पता चल गया था कि सादिया का कोई बॉयफ्रेंड नहीं है क्योंकि वो महज एक कोरी कल्पना थी. एक्ट्रेस ने कहा, वो किरदार मेरे दिमाग में छठी क्लास तक रहा. इसके जरिए मैंने लोगों को बेवकूफ बनाया. लेकिन फिर मेरे दोस्त समझ चुके थे.

2020 में शुरू हुआ था सादिया का बॉलीवुड करियर

27 साल की सादिया ने 2020 में फिल्म 'शिकारा-ए लव लेटर फ्रॉम कश्मीर' से बॉलीवुड में कदम रखे थे. इसके बाद वो अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'रक्षा बंधन' में नजर आईं. अब वो जॉन अब्राहम की फिल्म 'द डिप्लोमैट' में उजमा अहमद नाम की लड़की के किरदार में दिखाई देंगी. जॉन राजनयिक जेपी सिंह की भूमिका में हैं. फिल्म को शिवम नायर ने डायरेक्ट किया है.

इमरान हाशमी की ये हीरोइन अब हैं मशहूर क्रिकेटर की वाइफ, फिल्मों से दूर जी रहीं ऐसी जिंदगी

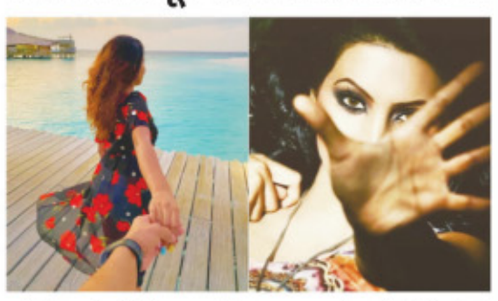

क्रिकेट और बॉलीवुड का संबंध बहुत पुराना है. कई ऐसे क्रिकेटर्स हैं जिन्होंने एक्ट्रेसेस के साथ शादी की. जिनमें से कुछ अलग हो गए तो कुछ आज भी साथ हैं. वहीं कुछ एक्ट्रेसेस ने तो शादी के बाद अपना पूरा करियर ही छोड़ दिया और उनमें से एक गीता बसरा भी हैं, जिन्होंने शादी के बाद अपना फिल्मी करियर नहीं, बल्कि फैमिली संभालने का फैसला लिया. गीता बसरा ने कई साल पहले हरभजन सिंह से शादी की थी जो भारतीय क्रिकेट टीम के मशहूर खिलाड़ी रहे हैं.

13 मार्च 1984 को इंग्लैंड में जन्मीं गीता बसरा के पास ब्रिटिश सिटिजनशिप है. इनकी परवरिश भी इंग्लैंड में ही हुई थी, लेकिन बाद में गीता बसरा ने किशोर नमित कपूर एक्टिंग इंस्टिट्यूट से आगे की पढ़ाई की. मुंबई में रहकर ही उन्होंने मॉडलिंग शुरू की और फिल्मों में काम करने का फैसला लिया.

गीता बसरा की फिल्में

2006 में आई फिल्म दिल दिया है से गीता बसरा ने बॉलीवुड करियर की शुरुआत की थी. इस फिल्म में गीता के अपोजिट इमरान हाशमी नजर आए थे और सेकेंड लीड रोल अश्मित पटेल का था. फिल्म तो फ्लॉप हुई लेकिन इसके गाने सुपरहिट हुए थे. इसके बाद गीता बसरा और इमरान हाशमी की दूसरी फिल्म द ट्रेन (2007) आई जिसके गाने भी हिट हुए लेकिन फिल्म फ्लॉप रही. गीता बसरा ने इन दो फिल्मों के अलावा कुछ और फिल्में कीं लेकिन 2015 में शादी हुई और बॉलीवुड करियर छोड़ दिया था.

गीता बसरा अब क्या करती हैं ?

29 अक्टूबर 2015 को गीता बसरा ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी हरभजन सिंह के साथ गुरुद्वारे में शादी कर ली थी. इसमें उनके खास दोस्त और परिवार के लोग शामिल हुए थे. हरभजन सिंह और गीता बसरा आज एक बेटा और एक बेटी के माता-पिता हैं. गीता अपनी मैरिड लाइफ के साथ मदरहुड लाइफ भी एन्जॉय कर रही हैं. गीता बसरा इंस्टाग्राम पर एक्टिव हैं और अपनी सभी एक्टिविटीज फैंस के लिए शेयर करती रहती हैं.

'ब्रह्मास्त्र' डायरेक्टर अयान मुखर्जी के पिता का निधन, काजोल से था खास रिश्ता

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री से एक दुखद खबर सामने आ रही है. एक्टर देब मुखर्जी का निधन हो गया है. देब मुखर्जी डायरेक्टर अयान मुखर्जी के पिता थे. अब वो इस दुनिया में नहीं रहे. अचानक सामने आई इस खबर ने हर किसी को परेशान करके रख दिया है. ये समय अयान मुखर्जी के लिए मुश्किलों भरा है.

देब मुखर्जी लंबे समय से बीमार चल रहे थे और आज यानी 14 मार्च की सुबह उन्होंने 83 साल की उम्र में अंतिम सांस

ली. आज शाम 4 बजे उनका अंतिम संस्कार होगा. मुंबई के जुहू इलाके के पवन हंस शमशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा. अभी उनका पार्थिव शरीर उनके घर पर है.

काजोल से क्या रिश्ता था ?

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस काजोल के साथ भी उनका कनेक्शन थे. दरअसल, वो काजोल के अंकल लगते थे. वहीं 'लगान' जैसी कई बेहतरीन फिल्में बनाने वाले आशुतोष गोवारिकर देब मुखर्जी के दामाद थे. देब मुखर्जी ने कई फिल्मों में अभिनय किया था. इंडस्ट्री में लोग उन्हें देबु दा के नाम से जानते थे.

2 मार्च को देब मुखर्जी के नाती और आशुतोष गोवारिकर के बेटे कोनार्क गोवारिकर शादी के बंधन में बंधे. बीमार होने की वजह से देब इस शादी में शामिल नहीं हो पाए थे. शाहरुख खान समेत फिल्म इंडस्ट्री के और भी कई सितारों ने इस शादी में शिरकत की थी.

देब मुखर्जी की फिल्में

देब मुखर्जी ने 'तू ही मेरी जिंदगी', 'आंसू बन गए फूल', अभिनेत्री', 'दो आंखें', 'बंधु' समेत और भी कई फिल्मों में काम किया था. वो अपने किरदार को पर्दे पर बेहद ही सादगी के साथ निभाते थे. स्क्रीन पर लोग उन्हें काफी पसंद आते थे. देब मुखर्जी के दो बच्चे हैं. पहले अयान मुखर्जी और दूसरी सुनीता मुखर्जी, जो बाद में सुनीत गोवारिकर हो गईं. सुनीता की ही शादी आशुतोष गोवारिकर से हुई है. देब मुखर्जी के गुजर जाने की खबर से बॉलीवुड में शोक की लहर है. लोग उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं.

हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की असली विलेन हैं

श्रद्धा कपूर

स्त्री के जवाब ने सबकी बोलती बंद कर दी

साल 2025 में जिस तरह से विकी कौशल की फिल्म 'छावा' बॉक्स ऑफिस पर एक तरफा राज कर रही है, साल 2024 में वैसा ही राज टिकट खिड़की पर श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की फिल्म 'स्त्री 2' ने भी किया था. दोनों ही फिल्में ब्लॉकबस्टर रहीं. स्त्री 2 ने सफलता के कई आयाम स्थापित किए थे. साथ ही ये भी बहस हुई कि आखिर फिल्म की सफलता में किसका बड़ा हाथ है.हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 ने दुनियाभर में ताबड़तोड़ कमाई की थी. लेकिन लोग समझ नहीं पा रहे थे कि इसे राजकुमार राव की फिल्म कहे या फिर श्रद्धा कपूर की. खैर अब इसका जवाब फैंस ने दे दिया है. ये फिल्म टीवी पर आने वाली है, इससे पहले पूरी टीम एक साथ आई. जहां डायरेक्टर अमर कौशिक, राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना ने एक मजेदार राउंड-टेबल में हिस्सा लिया. तब ही श्रद्धा ने एक फैन की थ्योरी को पढ़ते हुए लोगों को याद दिलाया कि मैं शक्ति कपूर की बेटी हूं.

श्रद्धा को किसे देना पड़ा अपना परिचय ?

स्टार गोल्ड ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें सभी कलाकार और डायरेक्टर अमर कौशिक बैठे हुए हैं. टेबल पर कई पर्चियां है. इनमें स्त्री 2 को लेकर थ्योरीज है. अभिषेक बनर्जी एक पर्ची देखते हुए कहते हैं कौन निकाल रहा है ये थ्योरीज. इसके बाद श्रद्धा एक पर्ची पढ़ते हुए कहती हैं, मुझे ऐसा लगता है कि श्रद्धा का कैरेक्टर ही पूरे यूनिवर्स का असली विलेन है. वो विक्की (स्त्री 2 में राजकुमार राव के किरदार का नाम) का इस्तेमाल करके सबको खत्म कर रहीं है. और अपनी शक्तियां बढ़ा रही हैं. और आखिरी में पूरी दुनिया टेक ओवर कर रहीं हैं. इसके बाद श्रद्धा कहती हैं. यार, क्योंकि मैं शक्ति कपूर की बेटी हूं ना. इस पर सभी लोग जोर-जोर से हंसने लगते हैं.

टीवी पर कब आ रही है स्त्री 2 ?

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की ये फिल्म अगस्त 2024 में रिलीज हुई थी. अमर कौशिक के डायरेक्शन में बनी इस हॉरर कॉमेडी फिल्म ने वर्ल्डवाइड 874.58 करोड़ रुपये का तगड़ा कलेक्शन किया था. अब स्त्री 2 टीवी पर आ रही है. इसे आप स्टार गोल्ड पर शनिवार, 15 मार्च को रात आठ बजे से देख सकते हैं.